जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 307 प्रभात अजमेर, रविवार 8 जून, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अशोक गहलोत से उनके घर जाकर मिले सचिन पायलट

पायलट ने गहलोत को पिता राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के कार्यक्रम का निमंत्रण दिया

- गहलोत और पायलट के बीच इस दौरान काफी देर तक विचार-विमर्श चला।
- इस मुलाकात को लेकर प्रदेश के सियासी हलकों में भारी चर्चा हो रही है।
- गहलोत ने मुलाकात का जिक्र करते हुए एक्स पर सचिन पायलट के पिता व कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे राजेश पायलट को याद किया और कहा, 1980 में मैं और राजेश पायलट जी एक साथ ही संसद सदस्य बने थे।

जयपुर, 7 जून। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने शनिवार को पूर्व सीएम अशोक गहलोत से उनके बंगले पर मुलाकात की। पायलट लंबे समय बाद गहलोत से उनके घर जाकर मिले। कांग्रेस के विपक्ष में आने के बाद पायलट पहली बार गहलोत के बंगले पर गए हैं। उन्होंने अशोक गहलोत को अपने पिता राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्रम का निमंत्रण दिया।

गहलोत ने इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया ''एक्स'' पर लिखा- ''एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट ने आवास पर आकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। मैं और राजेश पायलट जी 1980 में पहली बार एक साथ ही लोकसभा पहुंचे थे। लगभग 18 साल तक साथ में सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके बंगले पर मुलाकात की। उन्होंने गहलोत को अपने पिता राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्रम का निमंत्रण दिया।

सोनिया गांधी शिमला हॉस्पिटल ले जाई गईं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को हाई ब्लड प्रैशर की शिकायत के बाद शनिवार को शिमला के इंदिरा गांधी मैडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोनिया गांधी अपनी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ निजी दौरे पर शिमला में हैं।

फिलहाल उनकी सेहत को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है। वे सोमवार से हिमाचल प्रदेश में प्रियंका गांधी के साथ हैं। अस्पताल में सोनिया गांधी के नियमित मैडिकल टैस्ट किए गए हैं। अस्पताल के डिप्टी मैडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. अमन के अनुसार, उनकी स्थिति सामान्य पाई गई और उसके बाद वे शिमला के पास छराबड़ा स्थित अपने आवास लौट गई।

- कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सोनिया गांधी अपनी बेटी के साथ निजी यात्रा पर शिमला आई हैं। यहाँ रक्तचाप बढ़ने पर उन्हें चैकअप के लिए शिमला हॉस्पिटल ले जाया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं कोई चोर या भगोड़ा नहीं हूँ'

विजय माल्या ने मीडिया से लंदन में बातचीत करते हुए यह तथ्य उजागर किया कि लंदन आने से पहले वे तत्कालीन वित्त मंत्री से मिले थे तथा माल्या पर लगे वित्तीय अनियमितता के आरोपों के बारे में जेटली से बात की थी तथा बातचीत कर बीच का रास्ता निकालने का प्रस्ताव दिया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। विवादों में घिरे शराब कारोबारी और किंगफिशर एयरलाइंस के पूर्व प्रमुख विजय माल्या ने सार्वजनिक रूप से यह दावा किया कि वह ''चोर नहीं हैं'' और उन्होंने जब भारत छोड़ा था तो उस समय के केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली को इसकी जानकारी दी थी। इससे दिल्ली के निगरानी गलियारों में भारी हलचल शुरु हो गई है।

इस विस्फोटक खुलासे ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस पार्टी को मोदी सरकार पर हमला करने का एक और मौका और मुद्दा दे दिया है। कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हाई-प्रोफाइल वित्तीय घोटालों में मिलीभगत और जानबूझ कर कुछ मामलों में एक्शन नहीं लेने का आरोप लगाया

माल्या, जो अभी 69 वर्ष के हैं, और यूनाइटेड किंगडम में रह रहे हैं, पर भारत में कई केस चल रहे हैं, जिनमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अभी माल्या पर साजिश करने, धोखाधड़ी व मनी लॉण्डरिंग का आरोप है। माल्या पर यह भी आरोप है कि उनके ऊपर भारतीय बैंक के 9 हजार करोड़ रूपये का ऋण है तथा उस ऋण की अदायगी नहीं की है, माल्या ने।
- माल्या ने प्रैस को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि वे जायज़ पासपोर्ट पर जिनेवा होते हुए लंदन आये थे तथा आज भी लंदन में उसी पते पर रह रहे हैं।
- लंदन आने के 48 घंटे पहले उन्होंने वित्त मंत्री जेटली को अपना यात्रा का कार्यक्रम बताया था तथा बैठकर बातचीत कर, अपने ऋण के सैटलमैंट पर बातचीत करना चाहते थे। पर, जेटली ने उनसे कहा कि उनका मसला सप्रीम कोर्ट के सम्मुख प्रस्तुत है, अतः, अब वे उस मुद्दे पर बातचीत नहीं कर सकते।

थरुर भाजपा जॉइन तो नहीं कर रहे, यह वे बार-बार कह रहे हैं

पर, प्रतिदिन उनके व्यवहार से कांग्रेस की अटपटी स्थिति बन रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। फिलहाल इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर मोदी सरकार या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो रहे हैं। हालांकि, हाल के दिनों में उनके कुछ कदमों ने उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर कई अटकलों को ज़रूर हवा दी है।

थरूर को केंद्र सरकार ने अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय राजनयिक संवाद के लिए ''ऑपरेशन सिंदूर'' (एक आतंकवाद विरोधी पहल) के बाद भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंपा था। यह नियुक्ति कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक नामांकन को दरकिनार करते हुए की गई, जिससे पार्टी के अंदर असंतोष पैदा हुआ। थरूर ने यह भूमिका स्वीकार की और कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय हित को पार्टी की राजनीति से ऊपर रखा, साथ ही यह भी कहा कि ''राष्ट्रीय हित कांग्रेस विरोधी नहीं है।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उदाहरण के लिए, थरुर ने मोदी की प्रशंसा की, जिस प्रकार मोदी ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' को अंजाम दिया। यह कांग्रेस के प्रचार से एकदम भिन्न है कि जो ऑपरेशन सिंदूर की कई खामियां गिना रही है।
- साथ ही, गत शुक्रवार को थरुर के नेतृत्व में भारत का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के उपराष्ट्रपति से मिला। दूसरी ओर कांग्रेस के प्रवक्ता ने कहा, बिना किसी महत्वपूर्ण नेता से मिले, भारत का प्रतिनिधिमण्डल वापस लौट रहा है।

करोना के नये मामले सर्वाधिक केरल व गुजरात में

नई दिल्ली, 07 जून। देश में करोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 21 दिनों में एक्टिव केसों की संख्या में 62 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5755 पहुंच गई है।

केंद्र सरकार के मुताबिक बीते 24 घंटे में 391 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से 229 केस केरल और गुजरात में हैं। वहीं, मौत का आंकड़ा बढ़ कर 59 पहुंच गया है। 6 जून को 4 और मरीजों की जान चली गई।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से 6 जून तक 59 मौतें हो चुकी हैं। इनमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- गत 21 दिनों में करोना के एक्टिव केसों की संख्या 93 से बढ़कर 5755 हो गई।

फड़नवीस ने दोहराया, मोदी 2029 व उसके बाद भी प्र.मंत्री रहेंगे

महाराष्ट्र के मु.मंत्री को यह बात पुरजोर ढंग से दोबारा इसलिये कहनी पड़ी, क्योंकि कई नेता, जैसे शिवसेना (यू.बी.टी.) के सांसद संजय राउत बार-बार यह कह रहे हैं कि सितम्बर 2025 में 75 की उम्र पार करके, मोदी को अपना पद छोड़ना पड़ेगा, भाजपा की परम्परा के अनुसार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में भारत का नेतृत्व करते रहेंगे, और उनकी सेवानिवृत्ति या उत्तराधिकारी को लेकर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

हालांकि, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत जैसे कुछ विपक्षी नेताओं ने अटकलें लगाई हैं कि मोदी सितंबर 2025 में 75 वर्ष के होने पर इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन इन दावों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने सख्ती से खारिज किया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि मोदी 2029 के बाद भी प्रधानमंत्री बने रहेंगे और उनके उत्तराधिकारी को लेकर की जा रही चर्चाएं ''प्रीमैच्यौर'' और निराधार हैं।

तथापि कुछ ऐसी रिपोर्ट भी सामने आई हैं जिनमें कहा गया है कि मोदी सितंबर 2025 में इस्तीफा दे सकते हैं और अमित शाह को अपना उत्तराधिकारी नामित कर सकते हैं। लेकिन ये खबरें भी केवल विपक्षी नेताओं के बयानों पर आधारित हैं और किसी आधिकारिक सूत्र से इसकी पुष्टि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हालांकि, अभी तक भाजपा द्वारा इस चर्चा पर कोई भी अधिकृत टिप्पणी नहीं की गई है, और मोदी अपने पद की जिम्मेवारी निरंतर पहले जैसे ही निभा रहे हैं। उदाहरण के लिए, कैनडा में हो रही जी-7 की बैठक में कैनडा जाने का निमंत्रण स्वीकार करना तथा कश्मीर के मु.मंत्री उमर अब्दुल्ला से स्पष्ट वादा करना कि शीघ्र ही कश्मीर को पुनः राज्य का दर्जा मिलेगा।

जौनपुरः हादसे में दो जनों की मौत

जौनपुर, 07 जून। उत्तरप्रदेश के जौनपुर जिले में सरपतहा थाना क्षेत्र के लखनऊ बलिया राजमार्ग पर बड़ौना पानी की टंकी के पास शनिवार को रोडवेज बस की चपेट में आने से बाइक सवार एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप घायल हो गए। जिसमें बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरा साथी उपचार को जाते समय रास्ते में दम तोड दिया जबकि घायल महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

टक्कर इतना जोरदार थी कि बाइक दाहिनी पटरी से बाएं की तरफ रगड़ते हुए चली गई। बाइक चला रहे शुभम की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं उनका साथी और महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद रोडवेज बस चालक बस लेकर फरार हो गया। मौके पर पुलिस के अलावा लोगों का जमावड़ा हो गया। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी भेजा गया, जहां दोनों घायलों को चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल दूसरा बाइक सवार सतीश भी उपचार के लिए ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं घायल महिला संगीता का उपचार अस्पताल चल रहा है। मामले में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

फिर शुरू हुआ गर्मी का सितम

नई दिल्ली, 07 जून। दिल्ली एनसीआर में एक बार फिर तीखी गर्मी पड़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक-दो दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। पूर्वानुमान के मुताबिक 8 से 12 जून के बीच लगातार तेज धूप बनी रहेगी। 8 से 10 जून के बीच तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं, जिनकी रफ्तार 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। राजस्थान में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है, जिसके चलते फिर से गर्मी बढ़ गई है। पश्चिमी विक्षोभ के खत्म होने से तापमान तेजी से बढ़ रहा है। बीकानेर संभाग में सबसे ज्यादा तापमान का असर है। यहां तापमान 46 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है।

छत्तीसगढ़ : सात माओवादी नेता ढेर

बीजापुर, 07 जून। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने अब तक कुल 07 माओवादी नेताओं को ढेर कर शव बरामद करने में सफलता पाई है।

मारे गये नक्सलियों में सेंट्रल कमेटी सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना राज्य कमेटी सदस्य भास्कर के शव भी शामिल है। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों की तीन दिनों के लगातार में अब तक 05 , 06 और 07 जून 2025 को हुई कई जगह के मुठभेड़ों के बाद कुल 07 नक्सली शव बरामद किए गए है।

05 जून 2025 को सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) सुधाकर उर्फ गौतम का शव बरामद किया गया। वहीं इसके बाद, 06 जून 2025 को तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी) सदस्य भास्कर का शव बरामद हुआ। इसके बाद 06 और 07 जून की दरम्यानी रात को हुई मुठभेड़ों के दौरान तीन और माओवादी सदस्यों के शव बरामद किए गए।

इसी कड़ी में आज 07 जून को दो और नक्सली शव माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ के बाद बरामद किए गए।

नई राजनीतिक पार्टी बनाने की सोच रहे हैं एलन मस्क

ऑस्टिन, 07 जून। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और उनके मित्र, टैस्ला के सीईओ एलन मस्क के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है और इसी क्रम में अब मस्क नयी राजनीतिक पार्टी बनाने के लिए अमेरिकी जनता की नब्ज टटोल रहे हैं।

अरबपति एलन मस्क ने गुरुवार को एक्स/ट्विटर पर अमेरिकी राष्ट्रपति पर निशाना साधते हुए यह विचार सबसे पहले रखा।

मस्क ने अपने अकाउंट पर एक पोल पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने 220 मिलियन फॉलोअर्स से पूछा, क्या उन्हें लगता है कि अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है जो वास्तव में मध्य वर्ग के 80प्रतिशत लोगों का प्रतिनिधित्व करती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मस्क की नई पार्टी के विचार को काफी समर्थन मिल रहा है।

'महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ''फिक्स'' थे, बड़े पैमाने पर धांधली हुई'

राहुल गांधी ने इंडियन एक्सप्रैस के लिखे अपने आलेख में यह भी कहा कि यह धांधली चुनाव आयोग पर पूर्ण नियंत्रण करके की गई

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। महाराष्ट्र में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर के आरोप को दोहराते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2024 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत को एक फिक्स्ड मैच करार दिया, जिसमें औद्योगिक स्तर पर धांधली हुई और चुनाव आयोग को दबाकर यह संभव बनाया गया।

राहुल ने कहा, ''फिक्सिंग करने वाला पक्ष, हो सकता है, खेल जीत जाये, लेकिन इससे संस्थाओं और नतीजों में लोगों के विश्वास को अपूरणीय क्षति पहुंचती है, ''नेता प्रतिपक्ष ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने लेख ''मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र'' में लिखा। ''मैं किसी छोटी-मोटी धोखाधड़ी की बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि उन चुनावों की बात कर रहा हूं, जहां हमारे राष्ट्रीय संस्थानों पर कब्जा कर औद्योगिक पैमाने पर (बहुत बड़े पैमाने) धांधली की गई है।''

एक तीखे हमले में कांग्रेस सांसद ने 2023 के चुनाव आयुक्त नियुक्ति अधिनियम को भाजपा की औद्योगिक स्तर पर चुनावी धांधली की प्लेबुक का पहला कदम बताया। उन्होंने लिखा: ''चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश की जगह एक कैबिनेट मंत्री को रखना कोई अच्छा संकेत नहीं देता।''

इससे पहले, 3 फरवरी को संसद में भाषण और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने दावा किया था कि चुनाव आयोग ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए महाराष्ट्र में सिर्फ 9.29 करोड़ मतदाताओं को पंजीकृत किया था, जो कुछ महीनों बाद हुए विधानसभा चुनावों के दौरान बढ़कर 9.70 करोड़ हो गये।

उन्होंने लिखा: ''2019 के विधानसभा चुनावों में महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या 8.98 करोड़ थी, जो पांच साल बाद मई 2024 में लोकसभा चुनावों के लिए 9.29 करोड़ हुई। लेकिन महज पांच महीनों में, नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों तक यह संख्या बढ़कर 9.70 करोड़ हो गई। पांच साल में 31 लाख की वृद्धि और फिर सिर्फ पांच महीनों में 41 लाख की छलांग। यह छलांग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल ने कहा कि इस दिशा में पहला कदम इलैक्शन कमिश्नर अपॉइन्टमैंट एक्ट में संशोधन करके उठाया गया, जब सलैक्शन कमेटी से सीजेआई को निकाल कर एक केन्द्रीय मंत्री को शामिल किया गया।
- राहुल ने लिखा कि महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव से विधानसभा चुनाव के बीच 41 लाख नए वोटर जोड़े गए, जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव व 2024 के लोकसभा चुनाव में मात्र 31 लाख मतदाताओं का ही इजाफा हुआ था।

चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को निराधार बताया

नई दिल्ली, 07 जून। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक अग्रेजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए भाजपा पर आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनावों में मैच फिक्सिंग की गई और अब कुछ ऐसा ही बिहार में दोहराया जाएगा। चुनाव आयोग ने प्वाइंट वाइस जवाब देते हुए पूरी स्थिति और प्रक्रिया को स्पष्ट किया है। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में राहुल गांधी के दावों को निराधार बताया। आयोग ने लिखा, चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुक हैं। 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- आयोग ने कहा, नतीजा पक्ष में नहीं आए तो ऐसे बेतुके आरोप लगाए जाते हैं।

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी का सिद्धांत आयुर्वेद के महर्षि-वैज्ञानिकों की देन है

वर्ष 2018 में भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित साझा शोध के अनुसार वर्ष 1990 से 2016 के मध्य के 26 वर्षों में भारत में हृदय रोग से होने वाली मौतों में 34 प्रतिशत बढ़त हुई है, जबकि अमेरिका में यह दर 40 प्रतिशत कम हुई है। जर्नल ऑफ़ दि अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (72.1:79-95, 2018) में प्रकाशित इस अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2016 में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रमशः इन बीमारियों के कारण अनुमानित 62.5 और 12.7 मिलियन वर्ष का जीवनकाल नष्ट हुआ। इनमें इस्चेमिक हार्ट डिजीज और स्ट्रोक 15 से 20 प्रतिशत मृत्यु के लिये जिम्मेवार हैं। भारत में प्रत्येक एक लाख जनसंख्या में 5,681 लोग कार्डियोवैस्कुलर बीमारी से पीड़ित हैं। कुल संख्या के रूप में देखें तो भारत में 54.6 मिलियन लोग कार्डियोवैस्कुलर बीमारी से पीड़ित हैं, जो अमेरिका के 33.6 मिलियन लोगों की तुलना में 70 प्रतिशत ज्यादा है।

ऐसी दशा में हम यह सोचने के लिये मजबूर हो रहे हैं कि क्या भारत में एलोपैथी को दीर्घकाल से 97 प्रतिशत बजट देने के बावजूद भारत की यह दुर्दशा रोकी जा सकती है? इसका उत्तर केवल आयुर्वेद में उपलब्ध है। दरअसल, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी का विश्व में सबसे प्राचीन सिद्धांत आयुर्वेद में उपलब्ध है। यह सिद्धांत भारत को इस समस्या से निजात दिला सकने में तीस शताब्दियों बाद आज भी यथावत समीचीन और उपयोगी है। आज की संक्षिप्त चर्चा इसी पर आधारित है।

आश्चर्य की बात यह है कि प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक ने, महर्षि-वैज्ञानिक भगवान आत्रेय द्वारा अपने शिष्य महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य अग्निवेश के बताये गये जिन पांच तरीकों से हृदय रोग से बचने का सिद्धांत चरकसंहिता में दिया, उनमें कम से कम 3000 साल गुजर जाने और पिछले 150 साल से बायोमेडिकल साइंस की भारी शोध के बावजूद कोई बड़ा परिवर्तन नहीं आया (च.सू.30.13-14): तन्महत् ता महामूलास्तच्चोजः परिरक्षता। परिहार्या विशेषेण मनसो दुःखहेतवः।। हृद्यं यत् स्याद्यदौजस्यं स्त्रोतसां यत् प्रसादनम्। तत्तत् सेव्यं प्रयत्नेन प्रशमो ज्ञानमेव च।। ध्यान दीजिये, ये दो सूत्र भारत में उन 54.6 मिलियन लोगों को कार्डियो वैस्कुलर बीमारी में फंसने से बचा सकते थे, जो आज इस रोग से पीड़ित हैं। उपरोक्त सूत्र यह स्पष्ट करते हैं कि हृदय, उससे निकालने वाली धमनियों और हृदय में स्थित ओज की भली प्रकार रक्षा करने के लिये प्रतिबद्ध व्यक्ति को मानसिक दुखों के कारणों को विशेष रूप से छोड़ देना चाहिये। जो हृदय के लिये हितकारी, जो ओज के लिये हितकर हो, जो स्त्रोतस को अवरुद्ध होने से बचाने वाला हो, ऐसे सब आहार-विहार के साथ-साथ शांति एवं यथार्थज्ञान का प्रयत्नपूर्वक सेवन करना चाहिये।

इन सूत्रों के अर्थ, अर्थार्थ और व्याख्या बहुत विस्तृत है। फिर भी, पक्की तौर पर प्राणों को बढ़ाने वालों में सबसे बढ़िया एक, बल को बढ़ाने वालों में एक, शरीर का वर्धन करने वालों में एक, समृद्धि करने वालों में एक, मन को हर्षित करने वालों में एक और अयनों में एक कारक सर्वश्रेष्ठ होता है। इनमेंप्राणियों के प्राणों को बढ़ाने वाले कारकों में सर्वश्रेष्ठ अहिंसा, बल को बढ़ाने वालों में वीर्य अर्थात शुक्र, शरीर का वर्धन करने वाले कारकों में विद्या, समृद्धि करने वाले कारकों में इन्द्रियजय अर्थात इन्द्रियों को कब्जे में रखना, हर्ष देने वाले कारकों में तत्वज्ञान, और मार्गों में ब्रम्हचर्य को आयुर्वेद के विद्वान सबसे श्रेष्ठ मानते हैं (च.सू.30.15): अथ खल्वेकं प्राणवर्धनानामुत्कृष्टतममेकं बलवर्धनानामेकं बृंहणानामेकं नन्दनानामेकं हर्षणानामेकमयनानामिति । तत्राहिंसा प्राणिनां प्राणवर्धनानामुत्कृष्टतमं, वीर्यं बलवर्धनानां, विद्या बृंहणानाम्, इन्द्रियजयो नन्दनानां, तत्त्वावबोधोहर्षणानां, ब्रह्मचर्यमयनानामिति; एवमायुर्वेदविदो मन्यन्ते।।

आश्चर्य की बात यह है कि भाषा तो भिन्न है, किन्तु इनको यदि आप एक-एक करके देखें तो आधुनिक हृदयरोग-विज्ञानियों द्वारा प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी की जो सलाह दी जाती है, उनमें और इन प्राचीन सिद्धांतों में कोई अंतर नहीं है। उदाहरण के लिये, परिहार्या विशेषेण मनसो दुःखहेतवः की सलाह से यह साफ़ हो जाता है कि मन को दुखी करने वाले तमाम कारकों से अपने आप की रक्षा करनी चाहिये। आज स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कि निरंतर या बार-बार गुस्सा, लालच, चिंता, हबड़-दबड़, स्ट्रेस, एंग्जाइटी या इसी तरह की मानसिक समस्याओं के कारण या मानसिक दबाव के कारण हृदय रोग की पैथोजेनेसिस हो सकती है। दूसरा उदाहरण हृदय को बल देने वाली औषधियों व आहार के सेवन की सलाह के सन्दर्भ में है। यहां पर बल वर्धन के सम्बन्ध में सभी छः रसों से युक्त भोजन करना बलवर्धक होता है और इस प्रकार के लोगों के बीमार होने की गुंजाइश कम होती है। आधुनिक विज्ञान भी यही कहता है कि आपके भोजन में कम से कम तीन या चार सर्विंग्स फलों और एक-दो मुट्ठी ड्राई फ्रूट्स या सूखे मेवे होने चाहिये। सब रसों से युक्त भोजन में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स, फैट, मिनरल्स, फाइबर्स, जल आदि सब मिल जाते हैं।

> **निद्रा अच्छे स्वास्थ्य के तीन स्तंभों में से एक है। रात के दौरान न्यूनतम 7 घंटे नींद लें। लेकिन 8 घंटे से अधिक समय तक नहीं सोना चाहिये। दिन के दौरान सोना हानिकारक है। किसी कारण से थक जाने या बीमार होने पर दिन में सोया जा सकता है। स्वस्थ आयु के लिये आयुर्वेद स्वयं की देखभाल करने हेतु दिनचर्या सुझाता है। हमें योग-आसन, प्राणायाम और ध्यान-में भी प्रतिदिन नहीं तो सप्ताह में कम से कम 150 मिनट व्यायाम में भी निवेश करना चाहिये।**

बढ़ती उम्र में कौन से खाद्य पदार्थ हृदय को रोगरहित रख सकते हैं? इस सन्दर्भ में आपको अपने आयुर्वेदाचार्यों से सलाह लेना उपयोगी रहेगा। पर सामान्यतया ऐसी गायों का दूध व घी जो वनों में चराई से अपना आहार प्राप्त करती हैं, उत्तम होता है। गुड-हरीतकी या घी में भुने हुये लहसुन का नित्य भी सेवन उपयोगी हो सकता है। बहुत अधिक दारू पीने से दिल का रोग होता है (च.सू.17.32): उष्णाम्ललवणक्षारकटुकाजीर्णभोजनैः। मद्यक्रोधातपैश्चाशु हृदि पित्तं प्रकुप्यति।। क्लिनिकल ट्रायल में पाया गया है कि मोटे लोगों में भी आँवला दिल की बीमारी का खतरा कम कर देता है। वयोवृद्ध लोगों में योग शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक स्थित में बेहतरी एवं ओज में वृद्धि करता है। इसी प्रकार आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा पर क्लिनिकल ट्रायल के परिणाम बताते है कि यह हृदय रोग को ठीक करता है और स्वस्थ व्यक्तियों को बीमार होने से बचाता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें सात रक्षा कवचों के सिद्धांत को नहीं भूलना चाहिये जो हमारे स्वास्थ्य और रुग्णता के बीच मौजूद हैं। ये सात दीवारें आहार, विहार या जीवनशैली, स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य से जुड़े आचरण, सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें और औषधि या चिकित्सा हैं।

दरअसल तीन कारक हैं जो सभी बीमारियों को जन्म देते हैं-जीवन में हमारे द्वारा की जाने वाली बौद्धिक त्रुटियां, इन्द्रियों का असंतुलित उपयोग और समय का प्रभाव-ये तीनों सभी प्रकार के विकारों का कारण हैं। यदि हम त्रुटियाँ न करें, बुद्धि, इंद्रियों और समय का संतुलित उपयोग करें तो तमाम तरह की बीमारियों से बचाव संभव है। त्रिदोष (मूल सिद्धांत जो शरीर की फिजियोलोजी को सम्हालते हैं), अग्नि (चयापचय और पाचन तंत्र), धातुयें (शरीर के ऊतक), मलक्रिया (अपशिष्ट उत्पादों का उत्सर्जन) बराबर काम करते हैं, और आत्मा, मन और इन्द्रियाँ प्रसन्न रहती हैं, तो हम मान सकते हैं कि हम स्वस्थ हैं। हृदय रोग को रोकने के लिये उपयुक्त आहार, विहार (जीवनशैली, व्यायाम, नींद इत्यादि), सद्वृत्त (व्यक्तिगत आचरण का कोड), स्वस्थ्यवृत (व्यक्तिगत स्वास्थ्य का कोड), रसायन (वयःस्थापक और कायाकल्प), पंचकर्म (शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें) और औषधि (चिकित्सा) उपयोगी हैं।

आहार याभोजन और पेय पदार्थ के संबंध में एक सलाह यह है कि हमारे कुल आहार का एक तिहाई फलों के रूप में होना चाहिये। सभी फलों को भोजन के आरंभ में खाया जाना चाहिए, भोजन के तुरंत बाद नहीं। केवल एक ही प्रकार का फल भी सदैव नहीं होना चाहिये, हालांकि अनार, मुनक्का और आमला सदैव खाये जा सकते हैं। आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों में से कई बहुआयामी हैं: उदाहरण के लिए खजूर, अंगूर, किशमिश, बादाम, तिल, आमलकी, लहसुन, अदरक, काली मिर्च, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गाय का दूध, गाय का घी, गुड़ और त्रिफला आदि। यदि इन्हें उचित तरीके से लिया जाता है, तो वे फ्री-रेडिकल्स की सफाई और ऑक्सीडेटिव-तनाव में कमी में लाने में सहायता करते हैं। ये दर्द को कम करते हैं। ये भोजन, रसायन और औषधि सब कुछ एक में हैं। ये सुपर-फ़ूड हैं तथा स्वास्थ्यकर हैं। भोजन तब ही लिया जाना चाहिये जब भूख लगी हो अर्थात जब पहले खाया हुआ खाना पूरी तरह से पच गया हो।

निद्रा अच्छे स्वास्थ्य के तीन स्तंभों में से एक है। रात के दौरान न्यूनतम 7 घंटे नींद लें। लेकिन 8 घंटे से अधिक समय तक नहीं सोना चाहिये। दिन के दौरान सोना हानिकारक है। किसी कारण से थक जाने या बीमार होने पर दिन में सोया जा सकता है। स्वस्थ आयु के लिये आयुर्वेद स्वयं की देखभाल करने हेतु दिनचर्या सुझाता है। हमें योग-आसन, प्राणायाम और ध्यान-में भी प्रतिदिन निवेश करना चाहिये। सप्ताह में कम से कम 150 मिनट व्यायाम में भी निवेश करना चाहिये। ऊतकों या धातुओं के पोषण व शक्ति के लिये पंचकर्म या शुद्धि और कायाकल्प बहुत उपयोगी है। इसी तरह रसायन भी आयुर्वेद के चमत्कार हैं जो दीर्घायु, स्मृति, बुद्धिमत्ता, बीमारी से लड़ने की क्षमता, शरीर की चमक, रंग और आवाज, शक्ति, वाणी, आदि तमाम लाभ प्रदान करते हैं। रसायन शरीर की कोशिकाएं और ऊतकों को उत्कृष्ट स्थिति में रखते हैं। रसायन आज तक ज्ञात सर्वोत्तम और सुरक्षित एंटीऑक्सीडेंट हैं।

हृदय की रक्षा कीजिये, क्योंकि प्राणों की रक्षा हृदय की रक्षा के बिना संभव नहीं है। यहाँ तक किसी को दिल देने के लिये भी दिल का स्वस्थ होना जरूरी है। आयुर्वेद की मदद से दिल को स्वस्थ रखिये। इस पर अगले सप्ताह चर्चा को आगे बढ़ायेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित है)

थाँबा कला: राजस्थान की दीवारों पर सजी जीवित कथा

अविनाश जोशी

राजस्थान की हवेलियाँ, मंदिर और धर्मशालाएँ न केवल स्थापत्य की दृष्टि से अद्वितीय हैं, बल्कि उनकी दीवारों पर सजी पारंपरिक चित्रकला भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इन्हीं चित्र शैलियों में एक दुर्लभ और विशिष्ट शैली है 'थाँबा कला' यह भित्ति चित्र परंपरा बीकानेर के सांस्कृतिक वैभव की जीवित गवाही है, जिसमें धार्मिक कथाएँ, राजसी जीवन और लोक परंपराएँ रंगों और रेखाओं के माध्यम से जीवंत होती हैं।

'थाँबा' शब्द का अर्थ होता है संधि स्थल या आधार यह दर्शाता है कि ये चित्र दीवारों के कोनों, मेहराबों और खंभों के पास के उन स्थलों पर बनाए जाते थे, जहाँ स्थापत्य और चित्रकला एक-दूसरे से संवाद करते हैं। थाँबा कला की रचना मुख्यतः 17वीं से 19वीं सदी के बीच हुई, जब बीकानेर रियासत में धार्मिकता, स्थापत्य और चित्रकला का मेल अपने शिखर पर था। इन चित्रों में रामायण, कृष्ण लीला, भागवत कथाएँ, शिव विवाह जैसे धार्मिक प्रसंगों के साथ-साथ लोक जीवन, संगीत, और बारहमासा के दृश्य भी चित्रित किए जाते थे।

थाँबा चित्रों की विशेषता उनका बारीक रेखांकन और रंग संयोजन है। पारंपरिक रूप से इनमें गेरू, पीली मिट्टी, नील और पत्तियों से बने हरे रंग का प्रयोग किया जाता था। चित्रों में चेहरे की भाव-भंगिमा, पोशाक की बारीक तहें, और आँखों की अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया जाता था। बीकानेर के मोहता चौक, नत्थूसर गेट, जस्सूसर गेट के क्षेत्र, और पुराने मोहल्लों की हवेलियाँ आज भी इन चित्रों को संजोए हुए हैं, यद्यपि अधिकांश चित्र अब जीर्ण अवस्था में हैं।

थाँबा कला के कई नायाब उदाहरण बीकानेर की पुरानी हवेलियों, मंदिरों और चौकों की दीवारों पर आज भी देखने को मिलते हैं। इन चित्रों में धार्मिक आख्यानों से लेकर लोक जीवन के दृश्य अत्यंत कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किए गए हैं। मोहता चौक की छंगाणी हवेली विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहाँ की दीवारों पर बनी कृष्ण लीला श्रृंखला थाँबा कला की उत्कृष्ट कृति मानी जाती है। यहाँ रासलीला, माखन चोरी और गोपियों के साथ होली जैसे दृश्य पारंपरिक रंगों और बारीक रेखांकन के साथ चित्रित हैं। इसी प्रकार जस्सूसर गेट के पास स्थित भांडारी हवेली की दीवारों पर राम दरबार, अशोक वाटिका और हनुमान के लंका दहन जैसे प्रसंग अत्यंत जीवंत रूप में दिखाई देते हैं, जिनमें पात्रों की मुद्राएँ और परिधान विशेष ध्यान खींचते हैं।

नत्थूसर गेट स्थित रत्तानी व्यासों की बाड़ी भी थाँबा कला का एक अमूल्य उदाहरण है। यहाँ की मेहराबों और खंभों पर बारहमासा श्रृंखला के अंतर्गत बारह महीनों की ग्रामीण गतिविधियाँ जैसे सावन की बारिश, खेतों की बुआई और दीपावली की सजावट को परंपरागत शैली में उकेरा गया है। कोटगेट क्षेत्र में स्थित श्रीनाथजी मंदिर में भी थाँबा शैली के कुछ दुर्लभ चित्र देखने को मिलते हैं, जिनमें गोवर्धन धारण, कंस वध जैसे पौराणिक दृश्य प्रमुख हैं। गजनेर पैलेस के भीतरी गलियारों में स्थित चित्रों में राजसी शिकार दृश्य और दरबार की झाँकियाँ थाँबा शैली के राजकीय उपयोग को दर्शाते हैं। ये सभी स्थल न केवल बीकानेर की चित्रकला विरासत के प्रमाण हैं, बल्कि थाँबा कला की शिल्प-कुशलता और सांस्कृतिक गहराई को भी उजागर करते हैं।

वर्तमान समय में थाँबा कला लुप्तप्राय स्थिति में है। कई पुरानी हवेलियाँ या तो नष्ट हो गईं या आधुनिक मरम्मत के नाम पर इन चित्रों को प्लास्टर से ढक दिया गया। लेकिन कुछ संस्थाएँ इस कला के संरक्षण में जुटी हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) और INTACH जैसी संस्थाएँ थाँबा चित्रों का दस्तावेज़ीकरण कर रही हैं। बीकानेर हैरिटेज ट्रस्ट और कुछ स्थानीय संग्रहालयों में इन चित्रों को संरक्षित किया जा रहा है।

थाँबा कला केवल रंग और रेखाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि बीकानेर की दीवारों पर अंकित स्मृति है – एक ऐसी कला जो बोलती नहीं, पर देखने वाले को अपनी कथा में खींच लेती है। आज आवश्यकता है कि इस शैली को न केवल संरक्षित किया जाए, बल्कि शिक्षा, पर्यटन और डिज़ाइन के क्षेत्र से जोड़कर इसकी नई पहचान बनाई जाए। तभी यह कला पुनः अपनी गरिमा में लौट सकेगी।

थाँबा कला के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए कई प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, इस कला को स्थानीय शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जाना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में थाँबा चित्रकला से संबंधित विषय पढ़ाए जा सकते हैं, साथ ही बच्चों के लिए स्थानीय कला सप्ताह, चित्रकला प्रतियोगिताएँ और दीवार चित्र परियोजनाएँ आयोजित की जा सकती हैं। इससे नई पीढ़ी इस पारंपरिक शैली से परिचित होगी और उसमें रुचि भी बढ़ेगी। बीकानेर की पुरानी हवेलियों और मंदिरों की दीवारों पर मौजूद थाँबा चित्रों की मरम्मत और संरक्षण के लिए विशेष सरकारी योजनाएँ चलाई जा सकती हैं। प्रशासन को चाहिए कि वे विशेषज्ञ कलाकारों की मदद से इन चित्रों को मूल शैली में ही संरक्षित करें, न कि आधुनिक रंग और प्लास्टर से उन्हें ढँक दिया जाए। थाँबा कला के प्रचार हेतु स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण शिविर और कार्यशालाएँ आयोजित की जा सकती हैं, जहाँ अनुभवी कलाकार नवोदित चित्रकारों को इसकी तकनीक सिखाएँ। इसके साथ ही, राजस्थान में थाँबा कला से जुड़ा विशेष 'हेरिटेज टूर' या 'थाँबा ट्रेल' शुरू किया जा सकता है, जिसमें पर्यटकों को दीवारों पर सजी इन चित्रकथाओं को देखने और समझने का अवसर मिले। आधुनिक तकनीक जैसें कोड या ऑगमेंटेड रियलिटी () का प्रयोग कर इन चित्रों की जानकारी को संवादात्मक रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

डिजिटल युग में थाँबा कला का डिजिटलीकरण अत्यंत आवश्यक है। इसके तहत चित्रों को स्कैन कर ऑनलाइन आर्काइव में संग्रहित किया जा सकता है। साथ ही सोशल मीडिया, यूट्यूब और वेबसाइटों के माध्यम से कलाकारों की चित्रण प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रचारित किया जा सकता है। इससे न केवल देश, बल्कि विदेशों में भी इस कला की पहुँच बढ़ेगी। इस कला के पुनर्जीवन में लगे कलाकारों और शोधकर्ताओं को सरकार द्वारा सम्मानित किया जाना चाहिए तथा उनके कार्यों को प्रदर्शनी, शोध प्रकाशन और अनुदान के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अंततः, थाँबा कला को समकालीन उपयोगों से जोड़ना भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस शैली में डिज़ाइन किए गए होम डेकोर उत्पाद, फैब्रिक, स्टेशनरी, ग्रीटिंग कार्ड आदि बाज़ार में उतारे जा सकते हैं। इससे न केवल कलाकारों को आजीविका के अवसर मिलेंगे, बल्कि कला भी जन-जीवन से पुनः जुड़ सकेगी। इन सभी प्रयासों के माध्यम से थाँबा कला को न केवल संरक्षित किया जा सकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सजीव और उपयोगी भी बनाया जा सकता है।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु

अशोक कुमार

सेवानिवृत्ति आयु एक महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दा है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित करते समय कई कारकों पर विचार किया जाना चाहिए, जिनमें शामिल हैं ! जनसांख्यिकीय परिवर्तन के आधार पर औसत जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हुई है, इसलिए सेवानिवृत्ति की आयु को तदनुसार समायोजित किया जा सकता है।यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि शिक्षक 65 वर्ष की आयु तक प्रभावी ढंग से काम करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम हों। शिक्षा राज्य का विषय है, और राज्य सरकारों को सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए। कुछ राज्य सरकारों के द्वारा शिक्षकों के अनुभव का लाभ उठाने के लिए सेवानिवृत्ति की आयु को बढ़ाया गया है।

यह शिक्षकों, छात्रों और शिक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता! वर्तमान में, भारत में महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु सभी राज्यों में एक समान नहीं है। कुछ राज्यों में यह 60 वर्ष है, जबकि कुछ राज्यों में यह 62 या 65 वर्ष है। राजस्थान मे सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष है! यह असमानता समाप्त होना आवश्यक है। एक समान सेवानिवृत्ति आयु सुनिश्चित करने से शिक्षकों के लिए समान अवसर उपलब्ध होंगे और वे अपने अनुभव का पूरा लाभ विद्यार्थियों को दे सकेंगे। यूजीसी ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष निर्धारित की है। यूजीसी के अनुसार, सेवानिवृत्ति आयु को इस तरह से निर्धारित किया जाना चाहिए जिससे शिक्षक अपने काम को प्रभावी ढंग से जारी रख सकें। अनुभवी शिक्षक अपने छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन दे सकते हैं। इसलिए, ऐसी व्यवस्था जरूरी है जिससे शिक्षक अपने अनुभव को छात्रों के साथ साझा कर सकें। इसके बावजूद महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सेवानिवृत्ति आयु में भिन्नता बनी हुई है।

शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। अनुभवी शिक्षक अपने छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन और निर्देश दे सकते हैं। वे छात्रों को शोध और नवाचार के लिए प्रेरित कर सकते हैं। शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से युवा प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। जब शिक्षक लंबे समय तक सेवा देते हैं, तो युवा प्रतिभाओं के लिए अवसर कम हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और नए विचारों को पेश करने का मौका मिलेगा।शिक्षकों के लिए पेशेवर विकास को बढ़ावा देना: सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से शिक्षकों को अपने पेशेवर विकास के लिए अधिक समय मिलता है। वे नए कौशल और ज्ञान सीख सकते हैं, और अपने छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ा सकते हैं। शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना: अनुभवी शिक्षक आमतौर पर अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। वे अपने छात्रों को अधिक गहन और जानकारीपूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। विभिन्न राज्य सरकारों ने हाल ही में चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा को 65 वर्ष कर दिया है। इसके बाद, विश्वविद्यालयों में भी शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा को 65 वर्ष करने की मांग उठ रही है।भारतवर्ष में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है, और सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाने से अनुभवी डॉक्टरों की सेवाएं अधिक समय तक उपलब्ध रहेंगी। इस निर्णय से ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी, क्योंकि विशेषज्ञ डॉक्टर अधिक समय तक सेवा में रहेंगे। माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी डॉक्टरों की कमी को देखते हुए सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाने का सुझाव दिया था। विश्वविद्यालयों में भी अनुभवी शिक्षकों की कमी है, और सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाने से छात्रों को उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। गुणवत्ता में सुधार होगा। जब चिकित्सा क्षेत्र में आयु सीमा बढ़ाई जा सकती है, तो विश्वविद्यालयों में भी ऐसा किया जाना चाहिए।

हालांकि, इस निर्णय के कुछ संभावित नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं:-सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ने से युवा डॉक्टरों और शिक्षकों के लिए अवसर कम हो सकते हैं। इससे पदोन्नति की प्रक्रिया में देरी हो सकती है, जिससे कुछ कर्मचारियों में असंतोष हो सकता है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने आयुर्वेद चिकित्सकों के मामले में भी राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि उनकी सेवानिवृत्ति आयु एलोपैथी चिकित्सकों के समान ही 62 वर्ष की जाए। राजस्थान सरकार ने डॉक्टरों की रिटायरमेंट को लेकर एक बड़ा फैसला किया है जिसके तहत अब डॉक्टर्स के रिटायरमेंट की उम्र 62 साल से बढ़ाकर 65 साल करने का फैसला किया गया है। यदि शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ जाती है, तो युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए कई रणनीतियाँ अपनाई जा सकती हैं ! शिक्षा संस्थानों में नए पदों का सृजन किया जा सकता है, जैसे कि सहायक प्रोफेसर, शोध सहायक, और तकनीकी कर्मचारी। नई शिक्षा नीतियों और कार्यक्रमों के तहत अतिरिक्त शिक्षकों की भर्ती की जा सकती है। राज्य सरकारों को अपनी नीतियों में बदलाव लाना होगा, और युवा पीढ़ी के लिए अलग से रोजगार को सुनिश्चित करने के लिए योजनाएं बनानी होगी। नई शिक्षा निति के तहत, युवाओं के लिए विशेष योजनाएं बनानी होगी।इन उपायों को लागू करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि के बावजूद, युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहें।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन और जल संरक्षण को लेकर जानकारी दी

ब्यावर, (निसं)। पाली जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ एवं सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छ दुग्ध उत्पादन जागरूकता अभियान, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान और अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत पशुपालकों और प्रगतिशील किसानों के लिए जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन सिखताल भवन जैतारण में किया गया। इस अवसर पर डेयरी की प्रशिक्षण स्कीम के कार्यक्षेत्र की 150 डेयरियों के पदाधिकारी और सचिव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैतारण पंचायत समिति के प्रधान मेघाराम सोलंकी ने जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए किसानों, पशुपालकों और डेयरी संचालकों से कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आव्हान किया।

■ वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत कार्यक्रम संपन्न

उप पंजीयक हीरालाल ने सभी उपस्थितजनों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की प्रतिज्ञा दिलाई तथा वंचित ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन हेतु नवीन मापदंडों की जानकारी दी। पाली दुग्ध संघ के संचालक पर्वत सिंह राठौड़ ने डेयरियों में जल संरक्षण के योगदान पर प्रकाश डाला, जबकि संचालक मांगू सिंह ने जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी बल दिया। संचालक कालूराम सीरवी ने डेयरियों के लिए जल संरक्षण कार्य हेतु राज्य सरकार से अनुदान एवं भूमि उपलब्ध कराने की मांग रखी।

पाली डेयरी की उप प्रबंधक सोहनी देवी ने पशुपालकों की समस्याएं बोर्ड और प्रबंध निदेशक तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के समापन पर जैतारण इकाई की सहायक प्रबंधक विजयलक्ष्मी ने सभी का आभार व्यक्त किया। सभा में अनेक पशुपालकों ने भी जल संरक्षण के महत्व पर अपने विचार साझा किए। आयोजन पशुपालन, सहकारिता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक सहभागिता का सशक्त उदाहरण रहा।

राशिफल रविवार 8 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र दिन 12:42 तक, परिद्य योग दिन 12:18 तक, बालवकरण प्रातः 7:18 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज द्वादशी तिथि में वृद्धि हुई है। आज प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:18 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:26 तक, शुभ 2:08 से 3:50 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:15

मेष

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। सुख-सुविधा पर धन खर्च हो सकता है।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सिंह

आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज धार्मिक शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

मनःस्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में वार्ता सफल रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

संक्षिप्त

महापंचायत में भाग लेने का निर्णय

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। वीर गुर्जर युवा मण्डल की मीटिंग में 8 जून को पीलूपुरा में आयोज्य गुर्जर आरक्षण आंदोलन महापंचायत में शामिल होने का निर्णय लिया गया। देवडूंगरी स्थित देवनारायण मंदिर में आयोजित मीटिंग में सर्वसम्मती से सहमति जताई की पीलूपुरा में स्थानीय गुर्जर समाज द्वारा एकजुटता के साथ महापंचायत में भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। इस दौरान वीर गुर्जर युवा मण्डल अध्यक्ष श्योजीराम गुर्जर टोंकड़ा, जिला परिषद सदस्य गणेश तंवर, पार्षद किशन चौहान, पूर्व सभापति जगदीप गुर्जर, रामस्वरूप बारवाल, जयराम चाड फौजी, भागचंद गुर्जर, शंकर बागड़ी, रणजीत चौहान, दयाराम गुर्जर, रमेश लांगड़ी, भोजराज बागड़ी, देवा गुर्जर, रामदेव खटाणा, श्रवण बोकण, एडवोकेट राजेश गुर्जर सहित कई समाजबंधु मौजूद रहे।

कार्यशाला कोटा में आयोजित

ब्यावर (निसं) स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान चितौड़ प्रान्त का प्रांत विचार वर्ग एवं कार्यशाला कोटा में आयोजित हो रही हैं।स्वदेशी जागरण मंच के नगर सह संयोजक मनीष जनागल ने बताया कि 7 व 8 जून तक कोटा में आयोजित दो दिवसीय प्रांत विचार वर्ग एवं कार्यशाला में जिला सह संयोजक मोहन सिंह चौहान और जिला संयोजक सुरेश चन्द फुलवारी के नेतृत्व में ब्यावर के कार्यकता भाग लेंगे।इस कार्यशाला में स्वदेशी, स्वरोजगार, स्वावलंबन और आर्थिक विकास के बारे में विभिन्न राष्ट्रीय और प्रांतीय पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करेंगे।ब्यावर से, नगर संयोजक बलराज सिंह राठौड़, नरेन्द्र वैष्णव आदि कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

गौशाला का निरीक्षण

सरवाड़, । सरवाड़ उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर ने शनिवार को वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत 2025 को नंदी गौशाला में पहुंचकर जल स्रोत का पूजन पानी की खेलियों की सफाई व गायों के आश्रय स्थल की सफाई एवं वृक्षारोपण किया गया इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान को सफल बनाने की शपथ दिलवाई गई। इस दौरान पशु चिकित्सालय से डॉक्टर गिरीश कांत वर्मा, पशुधन प्रसार अधिकारी रामरोज सालोदिया, उपखंड कार्यालय से बुद्धि प्रकाश मीणा, भारमल गुर्जर, नंदी गौशाला के संरक्षक कन्हैयालाल माली, भाजपा नेता राधेश्याम पोरवाल, अध्यक्ष रामलाल गुर्जर, सचिव शिव प्रकाश पारीक, कोषाध्यक्ष तेजमल हरवानी, प्रहलाद पांचाल व सदस्य घनश्याम आचार्य सहित कई गौशाला के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रवेश की अंतिम तिथि 16 जून

मसूदा (निसं)। राजकीय महाविद्यालय, मसूदा एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय, मसूदा में बी.ए. प्रथम वर्ष के लिए आनलाईन प्रवेश प्रक्रिया जारी कर दी गई है। प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रारम्भ होने की तिथि दिनांक 4 जून बुधवार है। तथा आवेदन पत्र भरे की अंन्तिम तिथि सोमवार 16.जून है। प्रवेश प्रभारी अनुसार विद्यार्थी अपनी एएध घ्ङ से आयुक्तालय की वेब साइट से अपने जन आधार के माध्यम से भी ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ ये मूल दस्तावेज संलग्न करने होते है- 12वीं की अंकतालिका, टी.सी., आय-प्रमाण पत्र मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण-पत्र।दिनांक 20.जून शुक्रवार को अन्तिम वरीयता सूची व प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन होने के साथ ही दिनांक 21जून से महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन प्रारंभ होगा। दस्तावेज सत्यापन के बाद विद्यार्थी द्वारा ई-मित्र पर शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 24 जून है। महाविद्यालय में प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन दिनांक 26जून को होगा।

भीलवाड़ा में भंडारे का आयोजन

भीलवाड़ा । कैंची धाम की तर्ज पर इस वर्ष भी भीलवाड़ा में श्री नीब करौरी बाबा जी का स्थापना दिवस 15 जून को बड़े भव्य और श्रद्धामय माहौल में मनाया जाएगा। रामधाम चौराहे पर आयोजित इस दिव्य भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। जैसे हर वर्ष 15 जून को कैंची धाम (नैनीताल) में लाखों श्रद्धालु बाबा नीब करौरी महाराज जी के पावन चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं, ठीक उसी भाव और भक्ति के साथ इस बार भीलवाड़ा की पुण्यभूमि पर भी यह पावन दिन एक आध्यात्मिक उत्सव में परिवर्तित होने जा रहा है।

दृढ़ संकल्प से ही पूरे होंगे जीवन के सपने : महंत हनुमानराम

- युवा पीढ़ी उद्योग जगत में बनाये अपना केरियर : चोयल
- 37वां प्रतिभावान सम्मान समारोह में 12वीं के 432 विद्यार्थी हुए सम्मानित

अजमेर (कासं)। शान्तान्द उदासीन आश्रम, पुष्कर के महंत हनुमानराम ने शनिवार को यहां आयोजित 12वीं कक्षा के मेघावी छात्र-छात्राओं का आहवा्न किया कि जीवन में सदैव प्रबंधन के साथ सपने देखते हुए दृढ़ संकल्प के साथ पूर्ण करे।

सांई बाबा मन्दिर ट्रस्ट, शान्तात्मा व्यास एवं मेघीतुलसी किशनानी स्मृति संस्थान, अजमेर व स्वामी समूह के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 37वें प्रतिभावान सम्मान समारोह स्वामी कॉम्पलेक्स के रसोई बैकेट हॉल में आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मंहत हनुमान राम ने कहा कि जीवन में सदैव और अधिक सीखने की लालसा को कम नहीं होते हुए आध्यात्मिक के साथ जीवन लक्ष्यों को अर्जित करे, उन्होनें मेद्यावी छात्रों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि देश के विकास में समर्पित भाव से अपनी योग्यता का उपयोग करे।

मुख्य वक्ता प्रमुख मोटिवेटर, लेखक व उद्योगपति आर.एस. चोयल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी भविष्य के प्रति असमंजस की स्थिति में रहती है, वर्तमान में परीक्षाओं में अधिक अंक अर्जित करने का दबाव रहता है, उन्होनें कहा कि डिग्री एक मात्र कागज़ की प्रमाणिकता है, आज की युवा पीढ़ी के लिए केरियर विभिन्न स्त्रोंत उपलब्ध है लेकिन नौकरी प्राप्त करने के जगह नौकरी देने वाले बने, इससे राष्ट्र के विकास में भी गति प्राप्त होगी। अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी विनीत लोहिया ने कहा कि युवा पीढ़ी को पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक रहना जरूरी है उन्होनें दैनिक जीवन में खेलों की आवश्यकता पर जोर देते हुए एक घंटा खेल मैदानों पर गुजारने का आ ान किया।

लेखक व चिंतक गिरधर तेजवानी ने कहा कि यही समय है कि जब भविष्य की राह तय करना होता है, आत्मविशलेषण के साथ संकल्प के प्रति समर्पित भाव से अपने जीवन का सपना देखे। इस अवसर पर भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार तीर्थाणी, पूर्व आर.एस. अधिकारी सुरेश सिंधी, दिशा प्रकाश किशनानी, कुसुम आर्य ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांई बाबा के ट्रस्टी महेश तेजवानी ने की। मंच संचालन हरी चंदनानी ने किया। सभी का धन्यवाद प्रेम केवलरमानी ने दिया। कार्यक्रम के शुभारंभ में माँ सरस्वती व स्वामी हिरदारामजी की प्रतिमा के समक्ष दीपप्रज्जवलित किया। कंवल प्रकाश किशनानी ने बताया कि सम्मान समारोह में राजस्थान बोर्ड और सी.बी.एस.ई. परीक्षा 12वीं के 80 से 99 प्रतिशत तक के 432 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया जिसमें टॉप 10 में आने वाले विद्यार्थियों में टॉप टेन आने वाले विद्यार्थी वंश अग्रवाल, सुहाना अग्रवाल, जानवी मोरयानी, पुष्पेन्द्र सिंह रावत, नीरू रावत, शिवांश पटवा, राहुल शेरा, राधिका बांगड, लक्ष्य पाराशर रिधिमा मित्तल को अभिनन्दन पत्र, स्मृति चिन्ह, श्रीफल एवं अजमेर एट् ग्लास, हिंगलाज शक्तिपीठ जैसी ज्ञाववर्धक पुस्तकें भेट की गई व टॉप तीन विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शंकर बदलानी, रमेश टिलवानी, हरीराम कोडवानी, आई.जी भम्बानी, प्रकाश जेठरा, एम.टी. वाधवानी अनिल आसनानी, मुकेश आहूजा, हरीश तनवानी, वासुदेव कुंदनानी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नि:शुल्क योग शिविर का शुभारम्भ

बिजयनगर । भारत विकास परिषद् मुख्य शाखा बिजयनगर एवं नगरपालिका बिजयनगर के संयुक्त तत्वाधान में 15 दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर का शुभारम्भ भारत माता व स्वामी विवेकानन्द की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्जलन व वन्देमातरम् गायन के साथ किया गया। शाखा सचिव ब्रजेश बाल्दी ने बताया कि शिविर 20 जून तक गाँधी उद्यान बिजयनगर में चलेगा व इसका समापन 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विवेकानन्द चौराया सब्जी मण्डी पर होगा।शिविर का समय:- प्रात: 5:30 बजे से 6:30 बजे तक रहेगा व प्रतिदिन शिविरार्थी को नि:शुल्क आयुर्वेदिक जूस का वितरण भी किया गया।इस अवसर पर हीरा लाल धनोपिया योगाचार्य एवं शिविर प्रभारी श्याम सुन्दर चौधरी योगाचार्य एवं सह शिविर प्रभारी, ङदिनेश कोगटा, डीसी जैन, अध्यक्ष- एस एन जोशी, सचिव- बृजेश बाल्दी, वित्त सचिव- विमल भंसाली, डॉ राजेश अठावाल, डॉ. कल्पना अठावाल, संगीता बाल्दी, जितेन्द्र पीपाड़ा, डॉ पंकज धनोपिया, पंकज पीपाड़ा, श्यामलाल शर्मा, हरीश रायसिंघानी, गोपाल छीपा, राजेश सांखला उपस्थित रहे।

सार-समाचार

अब आसानी से मिल सकेगा होम लोन

अजमेर। अपना घर हर किसी का सपना होता है लेकिन महंगाई के इस दौर से घर लेना एक चुनौती से कम नहीं है, उस पर होम लोन के लिए लम्बी लाइन, इसे और मुश्किल बना देती है लेकिन अब अजमेर के लोगो को होम लोन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा क्योंकि शहर में प्रमुख हाऊसिंग फायनेंस कंपनी आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड अपना विस्तार करने जा रही है। आईआईएफएल होम फाइनेंस कम आय वाले परिवारों को सहायता करने के लिए जानी जाती है। कम कागजी कारवाई, घर पर सर्विस, और व्यक्तिगत सहायता के साथ, कंपनी अजमेर जैसे छोटे शहरों में ऋण की कमी को पूरा करने जा रही है। विस्तार पर बात करते हुए ज़ोनल सेल्स मैनेजर हरेंद्र कुमार शर्मा ने कहा, अजमेर एक उभरता बाजार है। नई शाखा से पहली बार घर खरीदने वालों को आसान और भरोसेमंद होम लोन मिल सकेगा। मार्च 2025 तक आईआईएफएल होम फाइनेंस की पूरे भारत में 376 ब्रांच हैं और 3.08 लाख से ज्यादा ग्राहक हैं। राजस्थान में कंपनी की 37 ब्रांच हैं, जो 21,000 से ज्यादा ग्राहकों को सर्विस देती हैं। अजमेर की नई शाखा से स्थानीय लोगों को घर खरीदने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही यह कदम समावेशी विकास और सरकार की सभी के लिए आवास योजना का के अनुरूप भी है।

किन्नर महासम्मेलन 12 से

मदनगंज-किशनगढ़ । मंगलामुखी नाजर किन्नर समाज किशनगढ़ की और से 12 जून से अठासेन विहार में दस दिवसीय शांति और आशीर्वाद का महासंगम अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। अध्यक्ष रानी बाई ने इस संबंध में प्रेस से रूबरू होते हुए जानकारी दी की ऐतिहासिक सम्मेलन में देश भर से करीब 5 हजार किन्नर समाज के स्तम्भ जुटेंगे। शोभायात्रा के साथ कुम्भ कलश, चाक पूजन, खिचड़ी तुलाई आदि परम्परा का दिव्य संगम होगा। अध्यक्ष रानी बाई ने बताया की 21 जून तक आयोज्य महासम्मेलन का मुख्य उदेश्य देश में अमन चैन व खुशहाली की दुआ करने के अलावा सामाजिक स्तर पर मन मुटाव दूर कर नये रिश्ते जोड़े जायेगे। साथ ही समाज को जागरूक करने के अलावा कमियों को दूर करने के लिये सार्थक चर्चा होगी। सामाजिक सरोकार से जुड़कर सदैव मानव सेवा हेतु तत्पर रहने का संकल्प लिया जायेगा। सन 1983 से चली आ रही इस परम्परा को लेकर लगभग तेरह साल पहले किशनगढ़ में किन्नर सम्मेलन आयोजित हुआ था, किन्नर समाज में राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिनाम अध्यक्ष रानी ने पुन: किशनगढ़ में बडा आयोजन कराने का निर्णय लिया। इस दौरान अध्यक्ष रानी, सरोज किशनगढ़, संगीता व सागर किशनगढ़, शारदा जोधपुर, रेखा गंगरार, काजू कुचामन, रेखा फरकनगर हरियाणा, उषा, डिम्पल मौजूद रही।

सांखला दूसरी बार बने मेड़ता नगर अध्यक्ष

मेड़ता सिटी, (निसं)। राजस्थान कांठोस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को आदेश जारी नगर कांठोस अध्यक्षों की नियुक्ति की है। जिसके तहत मेड़ता निवासी जाकिर खान सांखला को नगर कांठोस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त नियुक्त किया गया। सांखला दूसरी बार नगर अध्यक्ष चुने गए। कांठोस कमेटी अध्यक्ष नियुक्त हुए सांखला मेड़ता नगरपालिका के वार्ड संख्या 40 के पार्षद भी है। इस अवसर पर अध्यक्ष ने सांखला ने बताया कि राजस्थान कांठोस कमेटी ने जो मुझ पर भरोसा जताया हे में उस पर खड़ा उतरूंगा। पार्टी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जो मुझे भरोसा जताते हुए दूसरी बार भी मेड़ता नगर अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा हे उस पर पूरी लग्न और मेहनत के साथ काम करेंगे।

विद्यार्थी पुरस्कृत

ब्यावर (निसं) जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खडगावत के निर्देशन में "वंदे गंगा - जल संरक्षण महाअभियान" के अंतर्गत जिले में विभागवार गतिविधियों का क्रमबद्ध आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में शिक्षा विभाग द्वारा राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय निबंध, भाषण एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी पाँचों ब्लॉकों से चयनित विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अभियान के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्र-छात्राओं में जल संरक्षण को लेकर गहरी समझ और संकल्प विकसित होता है। डॉ. खडगावत ने बताया कि इस महाअभियान को एक जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से गंगा दशमी, विश्व पर्यावरण दिवस, एवं निर्जला एकादशी जैसे विशेष अवसरों पर भी विविध जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में अभियान की गतिविधियों में भाग लें और जल संरक्षण के इस महत्वपूर्ण प्रयास को सफल बनाने में सहयोग करें।

संयमलता महाराज का मंगल प्रवेश

बिजयनगर, (निसं)। आचार्य प्रवर श्री सुदर्शनलाल महाराज सा एवं पूज्या संयमलता महाराज सा का शनिवार प्रात नगर से विजयनगर में मंगल प्रवेश हुआ। नगरवासियों ने इस पावन अवसर को धर्म-पर्व की भांति मनाते हुए साधु-संतों का स्वागत मंगल ध्वनियों एवं श्रद्धा के साथ किया।इस ऐतिहासिक मौके पर नगर के प्रमुख मार्गों पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। आचार्य श्री के दर्शन मात्र से ही वातावरण भक्तिमय हो गया। जगह-जगह धर्मप्रेमियों ने स्वागत द्वार बनाकर जयकारों के साथ आचार्य श्री का अभिनंदन किया इस अवसर पर जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों के साथ आस पास के क्षेत्रों से भी अनेक गुरु भक्तों सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष कैलाश गुर्जर, राजपूत समाज अध्यक्ष सहदेव सिंह कुशवाह, प्रधान प्रतिनिधि शिखरानी सरपंच सुरेंद्र सिंह, मुकेश सेन, कमल जाट, सावर लाल भाम्बी व अर्जुन सिंह आदि शामिल थे। आचार्य श्री के चरणों में वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

ईद-उल-अजहा का त्यौहार मनाया

भीलवाड़ा। जिले भर में शनिवार को ईद-उल-अजहा का त्यौहार हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। सांगानेरी गेट स्थित ईदगाह में देश की खुशहाली अमन व बरकत के साथ-साथ अच्छी बारिश के लिये नमाज अता की। ईद की सभी एक दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दे रहे हैं।

जिले में कुर्बानी का पर्व ईद उल अजहा का त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। मुस्लिम समाज के लोग हजारो की संख्या में सुबह ईदगाह पहुंचे जहां शहर काजी अशरफ़ जिलानी अजहरी ने नमाज अदा कराई। यहां देश में अमन चैन व भाई चारे की कामना की गई व अच्छी बारिश की दुआ मांगी। नगर परिषद द्वारा शहर काजी की दस्तारबंदी भी की गई। इस मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियो ने मुस्लिम भाइयों को ईद की बधाई दी। ईद पर ईदगाह सहित शहर की विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज के दौरान अवाम की सलामती की दुआ मांगी गई। बाजारों में ग्राहकों की भीड़ के चलते बाजार में काफी रौनक रही। रेडीमेड कपड़ों व जूता-चप्पल की दुकानों पर मुस्लिम परिवार के युवक, युवतियां, महिलाएं, पुरूष व बच्चे अपने-अपने पसंद की खरीदारी करने में मशगूल दिखे। शहर सहित जिले भर में जश्न का माहौल है। मुस्लिम समाज के लोग ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी। शहरकाजी ने 11 बिंदुओं की ईद गाइड लाइन जारी की। जिसमें कुर्बानी खुली जगह में नहीं करने, गंदगी सड़क पर नहीं कर दूर जगह जमीन में दफन करने व सफाई का ख्याल रखने की अपील की। शहर काजी की सवारी मस्जिद नीलगरान मोहल्ला बाहला से ईदगाह पर पहुंची।

पुलिस प्रशासन ने कडी मशक्कत के साथ बीच-बचाव किया

मकराना (निस)। ईद के दिन स्थानीय विधायक जाकिर हुसैन गैसावत और अजीज गहलोत ग्रुप मैं लात घुसे चले। पुलिस प्रशासन ने कडी मशक्कत के साथ बीच-बचाव किया। शहर में विधायक कोष से निर्मित होने वाली ईदगाह कब्रिस्तान खसरा नंबर 685 में 50 लाख की लागत से सीसी चौक निर्माण और कब्रिस्तान वजूखाना से भाखरो की ढाणी तक 17 लाख की लागत से सड़क निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचें मकराना कांठोस विधायक जाकिर हुसैन गैसावत और कांठोस नेता अजीज गहलोत के बीच विवाद हो गया। दोनों आमने-सामने हो गए और एक दूसरे से गाली-गलौज की। इस दौरान दोनों के समर्थकों में भी धक्का-मुक्की के साथ हाथापाई की नौबत आई गई तो पुलिस ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया।विधायक ने कांठोस नेता के खिलाफ दर्ज करवाई है। आरोप है कि अजीज गहलोत ने शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक गैसावत से गाली-गलौज की। साथ ही अपने समर्थकों के साथ आकर उनके भतीजे का हाथ तोड़ दिया।विधायक ने रिपोर्ट में बताया- कार्यक्रम के दौरान अजीज गहलोत को मंच पर मेरे साथ फोटो खिंचवाने के लिए बुलाया गया तो उसने गाली-गलौज करते हुए कहा कि मैं इस भ्रष्टाचारी के साथ फोटो नहीं खिंचवाऊंगा। इसके बाद लोगों ने समझाया तो अजीज गहलोत वहां से चला गया।कुछ देर बाद गहलोत अपने भतीजे-भांजों और समर्थकों के साथ दोबारा वहां पर आया और लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। गहलोत और उसके समर्थकों ने मेरे साथ मारपीट करने की कोशिश की। मेरा भांजा फरीन मुझे बचाने आया तो उसका हाथ तोड़ दिया। इन लोगों ने शिलान्यास कार्यक्रम में लाए सामान को तोड़ डाला। मौके पर मौजूद पुलिस जाब्ते ने बीच-बचाव किया।

शिविर में सात वरिष्ठ चिकित्सक सेवाएं देंगे

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान एपिक हॉस्पिटल अहमदाबाद के वरिष्ठ कार्डियोवैस्कुलर सर्जन व ओपन हार्ट सर्जन डॉ अनिल जैन एवं उनकी वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ की टीम 14 जून शनिवार को प्रात: 9 से 2 बजे तक महेश छात्रावास, रोडवेज बस स्टैंड के पास भीलवाड़ा में निशुल्क हृदय रोग शिविर में रोगियों को निशुल्क परामर्श देंगे। शिविर प्रभारी महावीर समदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि ख्यातनाम डॉ अनिल जैन की टीम द्वारा विगत 30 वर्षों में अपनी सेवाओं द्वारा हृदय रोग के 50 हजार के ऊपर सफल ऑपरेशन किए हैं वर्ष में एक बार होने वाले शिविर इस बार 5 वर्ष बाद उनकी टीम के 6 चिकित्सक सहित डॉ जैन 14 जून को निशुल्क शिविर में भीलवाड़ा अपनी सेवाएं देने आएंगे शिविर का पंजीयन बालाजी सेल्स रोडवेज बस स्टैंड भीलवाड़ा एवं गौरव ऑप्टीशियन सेवा सदन रोड भीलवाड़ा पर किया जा रहा है वरिष्ठ कार्डियक सर्जन को यह रोगी दिखा सकेंगे जिन मरीजों ने एन्जियोग्राफी एन्जिओप्लास्टि, ईको कार्डियोग्राफी, पेसमेकर, वॉल सर्जरी, बायपास सर्जरी, बेन्टल सर्जरी, एएसडी, वीएसडी कराया हो या जिनका करवाने की सलाह दी गई है।

अवार्ड सेरेमनी 28 से

- किशनगढ़ में महेश विहार में सेवा एवं संस्कार की भावना के साथ आयोजित होगी

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 3233 ई 2 की दो दिवसीय चतुर्थ प्रांतीय कैबिनेट मीटिंग एवम डिस्ट्रिक अवार्ड सेरेमैनी 28-29 जून को प्रान्तपाल लायन श्यामसुंदर मंत्री की अध्यक्षता में किशनगढ़ में महेश विहार में सेवा एवं संस्कार की भावना के साथ आयोजित होगी। डिस्ट्रिक्ट मीडिया कॉर्डिनेटर एमजेएफ लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि लायंस क्लब किशनगढ़ क्लासिक के तत्वावधान में आयोजित होने वाली चतुर्थ केबिनेट मीटिंग 28 जून को अपराह्न 4.30 बजे प्रारंभ होगी।

जिसमें नवनिर्वाचित प्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग, उपप्रांतपाल लायन निशांत जैन, लायन सी पी विजयवर्गीय भी सदन को संबोधित करेंगे। चीफ गाइडनर लायन वी के लाडिया, लायन अरविंद शर्मा भी अपने विचार रखेंगे। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें उभरती प्रतिभाएं अपनी प्रस्तुतियां देंगे। प्रांतीय सचिव लीं सुभाष जैन ने बताया कि 29 जून को प्रात: 7.30 बजे से रजिस्ट्रेशन एवम फेलोशिप कार्यक्रम होगा। प्रात: 8.15 बजे तिरंगा कार रैली निकाली जाएगी, जो शहर के विभिन्न मार्गो से होकर निकलेगी। तत्पश्चात 10.15 बजे डिस्ट्रिक अवार्ड चेयरमैनी आयोजित की जाएगी। जिसमें सेवा कार्य में अग्रणी रहने वाले एवम प्रांतीय कार्यक्रमों को करने वाले प्रांत के 150 से अधिक क्लब्स एवं उनके लायन सदस्यों को अवार्ड प्रदान किए जाएंगे।

सैकड़ों लोगों ने सजदे में सर झुका कर की इबादत

बिजयनगर । मुस्लिम समुदाय द्वारा शनिवार को प्रेम, त्याग, समर्पण और कुर्बानी का त्यौहार ईद उल अजहा परंपरागत रूप से हर्षोल्लास से मनाया गया। कब्रिस्तान स्थित ईदगाह में सुबह 8 बजे जामा मस्जिद इमाम मौलाना इरफान रजा नईमी ने दो रकात नमाज अदा करवाई। खुतबा पढकर पैगाम दिया। सैकडो लोगों ने हाथ उठाकर मुल्क में अमन चैन और खुशहाली की दुआ की। लोग एक दूसरे के गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मौलाना नईमी ने कहा कि इस्लाम का पांच प्रमुख स्तंभ में सें एक हज इसी दिन होता है। आज का दिन हमें अल्लाह की राह में जान माल की कुर्बानी का पैगाम देता है। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपील की अन्य समुदाय की भावनाओं व नगर की स्वच्छता का ध्यान रखें। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट नहीं करें।शांति और सोहार्द बनाए रखें। कब्रिस्तान सदर मंजूर मोहम्मद शहर सदर भूरा भाई व सद्दीक शाह ने इमाम साहब की दस्तार बंदी की। इस अवसर पर समाज के संरक्षक पूर्व सदर अब्दुल हकीम चौधरी, मास्टर अब्दुल हमीद बिसायती, मोहर्रम कमेटी सदर अब्दुल सकूर पठान, पार्षद नौशाद मोहम्मद, पार्षद मोहम्मद दाऊद कुरैशी सहजाद मंसूरी, मास्टर अखत्यार अली, हाजी बाबूदीन मंसूरी, हाजी सफी मोहम्मद मंसूरी, सूबेदार पीर मोहम्मद फौजी, पीरु उस्ताद, हाजी शेर मोहम्मद पठान, इंटक नेता हाजी इलियास मोहम्मद, हाजी प्यार मोहम्मद कंपाउंडर, पीर मोहम्मद देशवाली चन्दा कालोनी मस्जिद सदर मुमताज अली पठान सहित समाज के लोगों ने गले मिलकर मुबारकबाद दी। नगर कांठोस अध्यक्ष दौलत राम माणक चन्दानी, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा मूल सिंह राठौड़, जगदीश सिंह राठौड, पूर्व पार्षद भगवान सिंह पूर्व पार्षद गोपाल स्वरूप कुमावत व तरुण कच्छावा सहित गणमान्य लोगों ने प्रेम और भाईचारे के पर्व पर एक दूसरे को मुबारकबाद दी।

वंदे गंगा जल अभियान के तहत विकास कार्यों का भ्रमण

अजमेर। अजमेर जिले में बंदे गंगाजल संरक्षण अभियान के तहत जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को अजमेर जिले के ग्राम सरधना पंचायत समिति पीसांगन के गांव गोला तथा लामाना ग्रामीण क्षेत्र का अजमेर के पत्रकारों को भ्रमण कराया गया एवं वहां पर सरकार व ग्रामीण से भामाशाहों के सहयोग से किए गए विकास कार्यों एवं पौधारोपण के बारे में जानकारी दी गई।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संतोष प्रजापति के नेतृत्व में मुक्ति धाम विकास एवं जल ग्रहण व वृक्षारोपण कार्यों का अवलोकन किया गया एवं सरकार व जनता के सहयोग से कराए गए कार्यों की जानकारी दी गई, जहां सरधना ग्राम में पर्यावरण संरक्षण मुहिम का असर देखने को मिला वहीं साफ सफाई व्यवस्था का कार्य बहुत ही सुंदर तरीके से किया गया था। सराधना सरपंच हरिकिशन जाट ने बताया कि श्मशान की भूमि पर अगस्त 2021 से पहले केवल बबुल के पेड़ से जहां अगस्त 2021 के बाद सरकार में ग्रामीणों व भामाशाहों के सहयोग से करीब दस बीघा भूमि पर वृक्षारोपण का कार्य व उनको पानी पिलाने का कार्य गांव के निवासियों द्वारा किया गया पूर्व में जो बंजर भूमि थी जो क्षेत्र चट्टानों से हटा पड़ा था, वह भूमि अब हरी भरी नजर आने लगी है।

गोपाल गर्ग व सलभ टंडन प्रभारी अधिकारियों ने भी वृक्षारोपण में इन गांव में होने वाले विकास कार्यों की जानकारी दी। इसके पूर्व सभी पत्रकारों का सरपंच हरिकिशन जाट द्वारा माल्यार्पण में साफा बांधकर स्वागत किया गया।

पचास बीघा भूमि पर 8 हजार पौधे- ग्राम पंचायत लामाना में जल संरक्षण में वृक्षारोपण कार्य के तहत जिस भूमि पर पहले पशु मेला भरा जाता था, करीब 50 बिघा भूमि पर लगभग 8 हजार पौधे ग्रामीण व सरकार के सहयोग से लगाए गए। इस बारे में जानकारी देते हुए लमाने के उप सरपंच बाबू सिंह ने बताया कि नरेगा के तहत 2012 में लगभग 50 बीघा भूमि पर वृक्षारोपण का कार्य किया गया, जो आज करीब सभी पेड़ पौधे बड़े हो चुके हैं तथा चारों तरफ हरियाली का वातावरण बना हुआ है। लामाना में पेडो पर नही चलाते है कुल्हाडी- ग्राम पंचायत लामाना के ग्रामीणों का कहना है कि हमारे यहां किसी भी पेड को नही काटा जाता है, यहां के लोगों की मान्यता है कि माता की बन्नी की वजह से यहां लगे पेड पौधों पर कुल्हाडी नही चलाते है, उनका मानना है कि अगर पेड को काटने से माता जी नाराज हो जाएगी और तथा किसी अनहोनी की वजह से ग्रामीण केवल वृक्षारोपण करते है। पेड़ों को नही काटा जाता है। यदि कोई पेड गल जाता है या फिर आंधी बारिश के दौरान कोई पेड गिर जाता है तो उस पेड की लकडियों को शमशान में मृतकों के शवों को जलाने के काम में ली जाती है।

पर्यावरण सुरक्षा और सरंक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम

भीलवाड़ा । हिन्दुस्तान जिंक द्वारा रामपुरा आगुचा माइंस के आस पास के क्षेत्र में पर्यावरण की सुरक्षा और सरंक्षण हेतु, इस वर्ष भी महत्वपूर्ण कदम उठाएं गये। सघन वृक्षारोपण की शुरूआत के साथ ही आगुचा तालाब का पुर्नउद्धार कर उद्यान का भी शुभारंभ किया। वृक्षारोपण अभियान की शुशआत गणमान्य व्यक्तियों ने पौधे लगा कर की। इसके अलावा, हुरडा, कोटडी, बड़ला, भोजरास, कोटिया, मूलजी का खेड़ा और रूपाहेली के आस-पास के गांवों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 700 पौधे लगाए गए। हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा विभिन्न सामुदायिक सहभागिता और कर्मचारी स्वयंसेवा के माध्यम से लगभग 800 पौधे लगाए हैं, ताकि एक हरित कल की ओर सहयोग दिया जा सके। कार्यक्रम में पर्यावरण जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों, महिलाओं और समुदाय के सदस्यों को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। इस पहल ने न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिक सुंदरता को बढ़ाया, बल्कि सामुदायिक भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण की मजबूत भावना को भी बढ़ावा दिया। हिन्दुस्तान ज़िंक की सीएसआर पहल के तहत, नव पुनर्निर्मित अगुचा तालाब के चारों ओर विकसित एक सुंदर उद्यान के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी रोहित चैहान, आईबीयू रामपुरा आगुचा क्लस्टर सीईओ राम मुरारी, प्रधान, हुरडा पंचायत कृष्ण सिंह राठौड़, यूनियन के महामंत्री महेंद्र सोनी, रामपुरा आगुचा के पर्यावरण प्रमुख दिनेश कुमार पालीवाल, हेड एडमिन अभिमन्यु सिंह राणावत, समाजसेवी जितेन्द्र नागर, जेईएन सिंचाई विभाग दिनेश दर्जी, हेड सीएसआर अभय गौतम, यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष महेंद्र सिंह चैहान उपस्थित थे। रामपुरा आगुचा माइंस महत्वपूर्ण सीएसआर परियोजनाओं के माध्यम से सतत विकास और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

LSG/BEAWAR/MUT/2025-26/132145
DATE :- 24.05.2025 रजि. बख्शीश-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /3215 दिनांक 06-06-25

सार्वजनिक सूचना

श्री अजय कुमार भाटी पुत्र श्री ओमप्रकाश भाटी निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 5 दक्षिणी नेहरू नगर गली नं. 7 पोखर गंज मकान नं. 14 का पूर्वी भाग क्षेत्रफल 67.50 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्रीमती सिद्धकंवर पत्नी श्री ओमप्रकाश के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बख्शीश-नामा दिनांक 3.5.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग(गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अत: इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2025-26/131440
DATE :- 23.05.2025 रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /3213 दिनांक 06-06-25

सार्वजनिक सूचना

श्री सुरेश कुमार विधानी पुत्र श्री कुन्दन कुमार विधानी, निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 6 नन्द नगर प्लाट नं. 265 क्षेत्रफल 116.00 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री प्रेमचन्द मंगलानी पुत्र श्री मुरलीधर जी के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बेचान-नामा दिनांक 20.01.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग(गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अत: इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2025-26/132143
DATE :- 24.05.2025 रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /3212 दिनांक 06-06-25

सार्वजनिक सूचना

श्री सोहनलाल पुत्र श्री मंगला राम जी कुमावत निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 5 आसरवा नगर खसरा नं. 1639 व 1640 प्लाट नं. 29 का भाग क्षेत्रफल 66.25 वर्गगज, जो कि नगरपरिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री मिठालाल जैन के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बेचान-नामा दिनांक 08.02.2025व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अत: इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

अजमेर विकास प्राधिकरण

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि क्वार्टर नम्बर 450 ईडब्ल्यूएस आजाद नगर कोटड़ा पप्पू पुत्र सवाई लौहार के नाम आवंटित है जिनकी मृत्यु दिनांक 16.11.2012 को हो गई जिस कारण पप्पू लौहार कि पत्नि श्रीमती लक्ष्मी ने अपने नाम नामातंरण के लिए अजमेर विकास प्राधिकरण में सजरा मृत्यु प्रमाण पत्र पंजिकृत रिलीज डीड हक त्याग पत्र नामांतरण हेतु सम्मिलित की है उक्त नामान्तरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो सात दिवस के भीतर आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नामान्तरण कि कार्यवाही कर दी जायेगी। -उपायुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक :न.पा.बि. /निर्माण स्वी./2025/992 दिनांक-03/6/2025

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
30	राम प्रसाद माली पुत्र मोहन लाल माली	महावीर विहार वरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं.1158 भू.सं. 06 का पूर्वी हिस्सा	90.57 SQ. MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक :न.पा.बि. /निर्माण स्वी./2025/937 दिनांक-03/6/2025

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
33	श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी शान्त-क्रांति जैन श्रावक संघ अधिकृत श्री शांतिलाल जैन पुत्र सोहनलाल जैन	अभय रेजीडेन्सी वरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं.2446/2059 भू.सं. 10,11,12	311.18 SQ. MTR	आवासीय
34	मंजू दिनेश लाल माली पत्नि दिनेश लाल माली	गुरूपन्ना रेजीडेन्सी बिजयनगर ख.सं. 1179/1 भू.सं. 12	108.68 SQ. MTR	आवासीय
35	जिनेश जैन पुत्र शिखरचंद जैन	इन्दिरानगर बिजयनगर ब्लॉक नं. डी भू. सं. 45	108.68 SQ. MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

पारिवारिक विवाद के चलते पिता-पुत्र की पीट-पीटकर हत्या, गांव में तनाव

दोषियों की गिरफ्तारी की मांग, आक्रोशित ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार कर दिया

दौसा, (निसं)। दौसा जिले के पापदड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम खवारावजी के पास जोध्या की ढाणी में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद के चलते एक पिता और उसके पुत्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान घनश्याम बैरवा (32) और उनके पिता थान्याराम बैरवा (70) के रूप में हुई है। शनिवार सुबह जब इस दोहरे हत्याकांड की खबर गांव में फैली तो मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना से आक्रोशित

- पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों से समझाइश की, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार कर दिया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

लालसोट एएसपी दिनेश अग्रवाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला पारिवारिक विवाद का प्रतीत हो रहा है। घनश्याम बैरवा और उनकी पत्नी निर्मला के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। शुक्रवार रात को भी दोनों के बीच विवाद हुआ। निर्मला ने अपने पीहर लीखली गांव में अपने भाई और अन्य परिजनों को फोन कर अपने साथ हो रही प्रताड़ना की शिकायत की। शिकायत मिलने पर निर्मला के पीहर पक्ष के लोग जोध्या की ढाणी पहुंचे। यहाँ घनश्याम और निर्मला के परिवार के बीच जमकर विवाद हुआ। जब पीहर पक्ष के लोग निर्मला को अपने साथ वापस ले जाने लगे तो दोनों पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि पीहर पक्ष के लोगों ने मिलकर घनश्याम और उसके पिता थान्याराम बैरवा को बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। यह सारा घटनाक्रम रात के अंधेरे में हुआ, जिसकी जानकारी सुबह तक किसी को नहीं लगी। सुबह जब ढाणी के लोगों को इस दोहरे हत्याकांड का पता चला, तो उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही लालसोट एएसपी दिनेश अग्रवाल और नांगल राजावतान डीएसपी चारुल गुप्ता भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने-बुझाने का प्रयास किया। लंबी समझाइश के बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

पीलूपुरा में गुर्जर समाज की महापंचायत आज, प्रशासन सतर्क

भरतपुर, (निसं)। बयाना क्षेत्र के पीलूपुरा गांव में गुर्जर समाज की महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। महापंचायत को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और आयोजन स्थल पर टेंट लगाने का कार्य भी शुरू हो चुका है।

- 'सरकार ने आरक्षण पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया तो गुर्जर समाज आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार'
- गुर्जर नेता विजय बैंसला पीलूपुरा पहुंचे और महापंचायत स्थल की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया

गुर्जर नेता विजय बैंसला शनिवार को पीलूपुरा पहुंचे और महापंचायत स्थल की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। उन्होंने बताया कि 8 जून को सुबह 10 बजे से महापंचायत में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल होंगे। बैंसला ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि दोपहर दो बजे तक यदि सरकार ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया, तो समाज रेल मंत्रालय, सड़क मंत्रालय और अन्य संबंधित संस्थानों के सामने अपने कदम आगे बढ़ाएगा। महापंचायत को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। भरतपुर एसपी खुद मौके का निरीक्षण कर चुके हैं और सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए जा रहे हैं, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

गौरतलब है कि गुर्जर समाज लंबे समय से अपने सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों को लेकर आंदोलनरत रहा है। महापंचायत को लेकर क्षेत्र में विशेष हलचल देखी जा रही है। संघर्ष समिति द्वारा महापंचायत में पहुँचने के लिए गुर्जर समाज के लोगों को गांव गांव जाकर पीले चावल दिए जा रहे है। विजय बैंसला ने कहा कि सरकार द्वारा दिया गया एमबीसी आरक्षण केवल कागजों तक सीमित है। समाज को इसका वास्तविक लाभ केवल 1.5 से 2 प्रतिशत ही मिल रहा है। महापंचायत को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि वे संघर्ष समिति और समाज के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हर बात का हल टेबल पर बातचीत से निकलेगा। अगर पहले कोई खामी रह गई थी, तो समाज को सरकार को अवगत कराना चाहिए था। उधर, गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने साफ कहा कि समाज 17 सालों से संघर्ष कर रहा है, लेकिन अब तक केवल दो ही मांगें पूरी हुई हैं।

पुलिस हिरासत में रेप के आरोपी युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के राजियासर थाने में पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक गौरव यादव व जिला कलेक्टर मंजू चौधरी राजियासर पहुंचे और पुलिस थाने का निरीक्षण कर घटना के बारे में जानकरी ली।

- दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार सुबह गिरफ्तार किया था, जिसके बाद रात में आरोपी की तबीयत बिगड़ गई थी
- एसपी गौरव यादव और जिला कलेक्टर मंजू चौधरी राजियासर पहुंचे और थाने का निरीक्षण किया

जानकारी के अनुसार एक महिला से दुष्कर्म के आरोप में मोहन सिंह (26) पुत्र गोमद सिंह को पुलिस ने शुक्रवार सुबह गिरफ्तार किया था, जिसके बाद रात में आरोपी की तबीयत बिगड़ गई। पेट में दर्द होने पर पुलिस आरोपी को देर रात सूरतगढ़ के राजकीय चिकित्सालय में लेकर गई। डॉक्टरों ने डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद आरोपी को छुट्टी दे दी। पुलिस ने देर रात आरोपी को थाने लाकर हवालात में बंद कर दिया। अलसुबह आरोपी युवक की फिर तबीयत बिगड़ गई। पुलिस उसे राजियासर के राजकीय चिकित्सालय लेकर गई जहां हॉस्पिटल पहुंचने पर आरोपी को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय विधायक डूंगरराम गेदर सहित मृतक के परिजन राजियासर के राजकीय चिकित्सालय पहुंच गए। फिलहाल युवक के परिजन राजियासर के राजकीय चिकित्सालय में मौजूद हैं। वहीं मृतक का शव राजियासर के राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है।

युवती की हत्या की वारदात में शामिल चौथा आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के संजयनगर पंचायत की ढाणी कुशाला में सात दिन पहले घर में घुसकर मारपीट कर युवती की हत्या के चौथे आरोपी को पुलिस ने देर शाम को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने दो दिन पहले वारदात में शामिल हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

थानाधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि 30 मई की रात को आपसी कहासुनी को लेकर हिस्ट्रीशीटर सचिन उर्फ बचिया ने अपने साथियों के साथ

- दो दिन पहले वारदात में शामिल हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था
- संजयनगर में सात दिन पहले घर में घुसकर हत्या करने का मामला

पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

मिलकर किराणा की दुकान चलाने वाले मोहित सिंह के घर में घुसकर मारपीट की थी। इस दौरान मोहित सिंह, लक्ष्मी कंवर व दिव्यांग बहन अंजू कंवर घायल हो गई थी। घायलों को उपचार के लिए जयपुर ले जाया गया। इस दौरान दिव्यांग अंजू कंवर की मौत हो गई थी। इस संबंध में लक्ष्मी कंवर की ओर से आरोपियों के खिलाफ उसकी बेटी की हत्या करने का मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्यवाहक एसपी देवेन्द्र सिंह राजावत ने चार टीमों का गठन कर बदमाशों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस की गठित टीमों ने ढाणी मीनावाली में दबिश देकर ढहरवाला निवासी रवि सिंह पुत्र उदय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सचिन उर्फ बच्चिया, आकाश कुमार यादव, आकाश सिंह निर्वाण जयपुर व नाथा की नांगल से गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

सवाई माधोपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के सवाईमाधोपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी ने बताया कि एसीबी के जयपुर मुख्यालय को सवाईमाधोपुर सीएमएचओ कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को लेकर भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। जयपुर मुख्यालय से मिली शिकायत के बाद सवाईमाधोपुर एसीबी की ओर से शिकायत का सत्यापन करवाया गया।

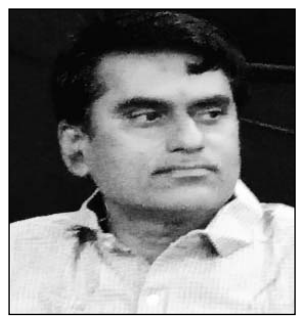

आरोपी प्रशासनिक अधिकारी

युवक की हत्या करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। झाड़ोल थाना पुलिस ने रंजिश के चलते वृद्ध का अपहरण कर उबेश्वर के जंगल में उसकी हत्या करने के मामले में आरोपी मोहनलाल पुत्र भूरा को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार पीड़ित मुकेश पुत्र थावरचंद धांगी निवासी पिपलीमाला झाड़ोल ने 4 जून को झाड़ोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 1 जून को मेरे पिता थावरचंद लीलाधर रूपलालजी की बीमार भैस का उपचार करने गए थे। वहां से रूपलाल ने मेरे पिता को बाइक पर झाड़ोल छोड़कर मगलवास जाने वाले सोहनलाल के टेम्पो में बिठाया। वहां से टेम्पो गणेशपुरा पहुंच कर उसमें से सवारी उतरी इसी दौरान मोहनलाल पुत्र भूरीलाल निवासी झाड़ोल बाइक लेकर आया तथा तलवार निकालकर मेरे पिता को पकड़ कर नीचे उतार बाइक पर बिठाकर अपहरण कर ले गया। टेम्पो वाले ने मुझे जानकारी दी तो पुलिस को सूचना कर तलाश शुरू की। झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम के नेतृत्व में गठित दल ने तलाशी अभियान चला कर 4 जून को उबेश्वर के जंगल से मृतक के शव को दस्तयाब कर पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

सवाई माधोपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के सवाईमाधोपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी ने बताया कि एसीबी के जयपुर मुख्यालय को सवाईमाधोपुर सीएमएचओ कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को लेकर भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। जयपुर मुख्यालय से मिली शिकायत के बाद सवाईमाधोपुर एसीबी की ओर से शिकायत का सत्यापन करवाया गया।

आरोपी प्रशासनिक अधिकारी

दंपती को कार ने टक्कर मारी, पत्नी की मौत, पति घायल

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 48 पर बरौठी के पास एक कार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वहीं पति गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। बिछीवाड़ा नेशनल हाइवे 48 पर बरोठी गांव के पास शनिवार शाम चार बजे एक कार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। बिछीवाड़ा पंचायत समिति के रोजेला पाल पादर निवासी जीवतराम पुत्र हजा कलासुआ अपनी पत्नी मंजुला के साथ बाइक से पाल पादर से गुजरात के हिम्मतनगर डॉक्टर से परामर्श लेने जा रहा था। बरोठी गांव के पास नेशनल हाइवे पर उदयपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने पीछे से आकर उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

दो बाइकों की भिड़ंत में बड़े भाई की मौत, छोटा घायल

घायल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में भेहना रेलवे स्टेशन के पास दो बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार बड़े भाई की सिर में चोट लगने से मौत हो गई, जबकि छोटा भाई घायल हो गया। वहीं घायल को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिछीवाड़ा थाना पुलिस के अनुसार वेलचंद पुत्र कचरा पटेल निवासी भेहना ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार दोपहर के समय वह और उसका बड़ा भाई भगवान पटेल दोनों बाइक से गांव में खेतों में जा रहे थे। भेहना रेलवे स्टेशन के पास जाते ही पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में वेलचंद पटेल और उसका भाई भगवान पटेल दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राइवेट अस्पताल से डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद भाई भगवान पटेल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को डूंगरपुर हॉस्पिटल के मॉर्च्युरी में रखवाया। घटना की सूचना पर बिछीवाड़ा थाना पुलिस भी मॉर्च्युरी पहुंची। भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने एक्सीडेंट का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

दो पक्षों के बीच हुआ विवाद पथराव में बदला, 19 लोग घायल

घायलों का अस्पताल में इलाज करवाया, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के धंबोला थाना क्षेत्र के पीठगांव में धनेश्वर भाटिया महादेव मंदिर जीर्णोद्धार को लेकर लबाना समाज के दो पक्षों में चल रहे विवाद में शनिवार को पथराव हो गया। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर पथराव कर दिया, जिसमें 19 लोग घायल हो गए। धम्बोला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- धंबोला थाना क्षेत्र के पीठगांव में धनेश्वर भाटिया महादेव मंदिर जीर्णोद्धार का मामला

जानकारी के अनुसार पीठ कस्बे में धनेश्वर भाटिया महादेव मंदिर जीर्णोद्धार कार्य को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा है। चार गांव वाले इस मंदिर का जीर्णोद्धार अपने तरीके से करवाना चाहते है। वहीं दूसरे 17 गांव के लोग सामूहिक रूप से मंदिर का जीर्णोद्धार करवाना चाह रहे हैं। इस बीच 4 गांव के लोगों ने अपने अनुसार मौके पर पत्थर, सीमेंट सहित सामग्री डालकर कार्य शुरू किया है। शनिवार को कार्य शुरू होने के दौरान चार गांव वालों के प्रतिनिधिमंडल ने नायक कालू सिंह झाड सहित 17 गांव के प्रतिनिधिमंडल को बुलाया था। इस दौरान 4 गांवों की महिलाओं और अन्य लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव में दूसरे 17 गांवों के 19 लोग घायल घायल हो गए, जिसमें पादेडी निवासी नायक कालू सिंह झाड, झरनी निवासी सज्जन सिंह, रमेश लबाना, छोटालाल, अतुल, प्रेमचंद, रमनलाल, चिराग, मथुरालाल, रमण, निठाउवा निवासी ईश्वरलाल, आंजणा निवासी मगनलाल, बांदेला निवासी रमिला, अतुल, रमण, प्रेमचंद, फूदी, लीला देवी, मोहन लबाना घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत करवाया। वहीं घायलों का अस्पताल में इलाज करवाया।

लोहे के सरिए से पिटाई कर पत्नी की हत्या

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के भिंडा गांव में एक महिला की लोहे के सरिए से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने पति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस हत्या के आरोपी पति की तलाश कर रही है।

- हत्या करने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया, तलाश जारी
- पति शराब पीकर पत्नी के साथ मारपीट करता था

धम्बोला थानाधिकारी राकेश कटारा ने बताया कि शंकर पुत्र गौतम यादव निवासी झिंझवा की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इसमें बताया कि उसकी बहन कमला यादव की शादी देवीलाल यादव निवासी भिंडा के साथ करवाई थी। पति देवीलाल यादव शराब पीकर आए दिन उसकी बहन कमला के साथ मारपीट करता था। देवीलाल शराब के नशे में घर पर आया और बहन के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसकी बहन को लोहे के सरिए से पिटा। आसपास के घरों के लोगों ने भी उसके चिल्लाने की आवाज सुनी। मारपीट की वजह से उसकी बहन की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। वहीं शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। घटना के बाद पति देवीलाल यादव फरार हो गया। थानाधिकारी ने बताया कि भाई की रिपोर्ट पर पति देवीलाल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

अवैध शराब जब्त, छह गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। जिला पुलिस स्पेशल टीम एवं टीडी, ऋषभदेव एवं खेरवाड़ा पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध शराब के चालीस कार्टन मय कार जब्त कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया।

स्पेशल टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, टीडी, ऋषभदेव एवं खेरवाड़ा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए हाइवे पर स्थित किराना दुकान की आड में शराब बेचने सहित सात स्थानों पर कार्यवाही करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध शराब के चालीस कार्टन बरामद कर टीडी, बावलवाड़ा, फलासिया थाना पुलिस ने एक एक तथा ऋषभदेव व खेरवाड़ा थाना पुलिस ने दो-दो प्रकरण दर्ज कर नरेन्द्र पटेल निवासी खेरवाड़ा, चुन्नीलाल कलाल निवासी पिपला फलासिया, शंकर मीणा निवासी बोरिकुंआ, गणेशलाल निवासी नवाघर, कैलाश निवासी कागदर, शंकर निवासी उपली चांदनी फला को गिरफ्तार किया।

मिनी सचिवालय की तर्ज पर बने दो मंजिला भवन की पांच साल से अनदेखी

किशनगढ़ बास, (निसं)। शहर से करीब दो किलोमीटर दूर अलवर रोड़ हाईवे पर बंबोरा हनुमान मंदिर से कुछ दूरी पर पहाड़ी के समीप करीब तीन करोड़ से भी अधिक की लागत से बनकर पांच साल से तैयार हुए मिनी सचिवालय की तर्ज पर दो मंजिला सद्भावना मंडप भवन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और कांग्रेस के जनप्रतिनिधि व अधिकारियों की नजरों से दूर रहने के कारण कबूतरखाना बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार दो साल पहले खैरथल तिजारा जिला बनने के बाद भी किसी अधिकारी ने भवन की सुध नहीं ली। जबकि भवन के पड़ोस में आईटी आई व छात्रावास अलग-अलग बिल्डिंग में संचालित हो रहे हैं अब जब पांच साल बाद फिर से भाजपा की सरकार बनी तो भाजपा से दो बार किशनगढ़ बास से पूर्व में विधायक रहे रामहेत सिंह यादव ने भवन को याद किया और वंदे गंगा जल संरक्षण कार्यक्रम में बंबोरा पहुंचे जिला कलेक्टर सहित अधिकारियों को मिनी सचिवालय की तर्ज पर बने दो मंजिला सद्भावना मंडप भवन की विजीट कराने के लिए लेकर पहुंचे। भवन में

किशनगढ़ बास के बंबोरा में 5 साल से सरकार और अधिकारियों की अनदेखी के चलते उपेक्षित भवन।

- किशनगढ़ बास के पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने जिला कलेक्टर सहित अधिकारियों को भवन की विजीट कराई
- भवन में बड़े-बड़े सचिवालय की तर्ज पर बने मीटिंग हाल व कमरों को देखकर कलेक्टर ने भवन का अवलोकन किया

बड़े-बड़े सचिवालय की तर्ज पर बने मीटिंग हाल व कमरों को देखकर कलेक्टर ने पूरे भवन का अवलोकन किया और पूर्व विधायक के साथ भवन की उपयोगिता पर चर्चा की।

पूर्व विधायक रामहेत यादव ने पत्रकारों को बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार की अनदेखी के कारण 3 करोड़ से अधिक की लागत से बनकर तैयार हुए दो मंजिला सद्भावना मंडप भवन की हालत देखरेख के अभाव में खराब हो रही है। कबूतरों ने घर बनाया हुआ है। यहां तक कि खैरथल तिजारा जिला बनने के बाद भी किसी अधिकारी ने भवन की सुध नहीं ली जो सरकार के साथ जिला प्रशासन की लापरवाही को भी दर्शाता है। यादव ने कहा वह 2008 से 2018 तक विधायक रहे इस बीच उन्होंने प्रधानमंत्री की योजना से सद्भावना मंडप भवन के लिए करीब 3.50 करोड़ रूपए स्वीकृत कराये। इसके बाद हुए 2018 का चुनाव वह हार गए और कांग्रेस की सरकार बन गई। भवन को तैयार हुए 5 साल से भी अधिक समय बीत चुका है परन्तु कांग्रेस सरकार और स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने भवन की उपयोगिता पर ध्यान नहीं दिया गया। दो मंजिला भवन का उचित उपयोग हो इसके लिए जिला कलेक्टर किशोर कुमार सहित अधिकारियों की विजिट कराकर चर्चा की गई है। जल्द ही सांसद व केंद्र सरकार में मंत्री भूपेंद्र यादव के ध्यान में लाया जाकर भवन का लोकार्पण कराया जाएगा।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने भवन का अवलोकन कर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी मुकेश शर्मा को साफ सफाई को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

दो मौसेरी बहनों से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

आरोपी लूट व पांच हत्याओं के मामले में बीस साल कारावास की सजा काट चुका है

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ में दो मौसेरी बहनों के साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी हत्या के एक मामले में बीस साल कारावास की सजा काट चुका है। कुछ साल पहले बाहर आने के बाद उसने फिर ऐसी हरकत कर दी है कि वापस जेल जाना पड़ेगा।

- आरोपी गांव से किसी रोड पर शिव मंदिर बना कर बैठा था, तांत्रिक कार्य भी करता था, आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा

जानकारी के अनुसार श्रीडूंगरगढ़ के किसी गांव में दो बहनें अपने पीहर आई थी। दोनों की दो बेटियां जो 8 वर्षीय व 9 साल की है, उनके साथ दुष्कर्म किया गया। दोनों मासूम बच्चियां घर के पास ही शौच करने गई थी कि वहां एक शख्स ने चप्पल देने के बहाने घर में बने मंदिर में ले गया, जहां खुद को पुजारी बताया। फिर दोनों बच्चियों के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। बच्चियों ने घर आकर अपनी मां को बताया। मां ने अपने पति को बताया, जिसने ससुराल पहुंचकर लड़कियों से सारे घटनाक्रम की जानकारी ली। श्रीडूंगरगढ़ पुलिस को एफआईआर दी गई।

श्रीडूंगरगढ़ सीओ निकेत पारीक ने बताया कि 50 वर्षीय श्रीभगवान पुत्र रूघाराम सोनी को देर शाम गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गांव से किसी रोड पर शिव मंदिर बना कर बैठा था। तांत्रिक कार्य भी करता था। आरोपी वर्ष 1993 में गांव बीदासर में ज्वैलर्स के घर में लूट एवं पांच निर्मम हत्याएं करने के आरोप में करीब 21 साल तक जेल काट चुका है। कुछ वर्ष पहले जेल से परमानेंट पैरोल पर बाहर आया था। श्रीभगवान चोरी की नीयत से घर में घुसा था। दो महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या कर दी थी, जिसमें एक दो साल का बच्चा भी शामिल था। इस घटना के बाद से बीदासर गांव में हड़कंप मच गया था। तब भी पुलिस ने काफी मशक्कत करके इसे गिरफ्तार किया था।

श्रीभगवान को रतनगढ़ कोर्ट ने फांसी की सजा दी। तब श्रीडूंगरगढ़ रतनगढ़ तहसील का हिस्सा था। इसके बाद मामला राजस्थान हाईकोर्ट पहुंचा, वहां भी उसे फांसी की सजा बरकरार रखी गई लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी को बीस साल की सजा में तब्दील कर दिया। कुछ साल पहले वो परमानेंट पैरोल पर छूटकर बाहर आ गया। पारीक ने बताया कि एक मार्ग पर सरकारी जमीन को अपनी बताकर वहां मंदिर बना लिया। पारीक ने बताया कि आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया जाएगा। आरोपी नंगे पांव घूम रही बालिकाओं को नई चप्पल दिलवाने व प्रसाद खिलाने का लालच देकर अपने साथ ले गया था।

निर्जला एकादशी पर गोविंद देव जी को फलों का भोग लगाया, झांकी सजाई

जयपुर। ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी शनिवार को विभिन्न मांगलिक योग-संयोग में निर्जला ग्यारस के रूप में मनाई गई। वैष्णव श्रद्धालुओं ने निर्जला एकादशी का व्रत रख कर श्री हरि भगवान विष्णु का पूजन किया। निर्जला एकादशी पर गोविंद मंदिर में श्रद्धालु उमड़ पड़े। सुबह मंगला से रात की शयन झांकी तक करीब दो लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। मंगला और शयन झांकी में सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालु ठाकुरजी के दर्शन करने पहुंचे। मंगला झांकी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी की तरह श्रद्धालु उमड़ पड़े। सुबह मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई गई। लाल रंग की पोशाक धारण कराकर चंदन,पुष्प और आभूषणों से ठाकुरजी का मनोरम श्रृंगार किया गया। श्रृंगार झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। राजभोग झांकी में 30 प्रकार के 551 किलो फलों की झांकी सजाई गई। दोपहर को ठाकुरजी को सूती धोती-कुर्ता धारण कराकर सुगंधित जल के रियासतकालीन फव्वारे से जल विहार कराया गया। इस झांकी का समय भी बढ़ाया गया।

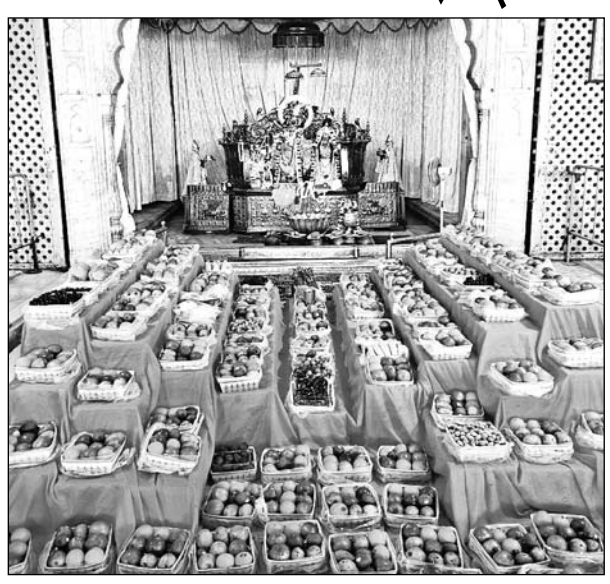

लाल रंग की पोशाक धारण कराकर चंदन,पुष्प और आभूषणों से ठाकुरजी का मनोरम श्रृंगार किया ।

बिना परेशानी के हुए दर्शन: निर्जला एकादशी पर हजारों की संख्या में दर्शनार्थियों ने ठाकुरजी के दर्शन किए। इस कारण दर्शन की व्यवस्थाओं में बदलाव किया। बदली हुई व्यवस्था से दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। पुलिस के आला अधिकारी और मंदिर प्रबंधन के स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाओं में सहयो किया। एकादशी को सुबह मंगला से शयन झांकी तक ठाकुरजी ने भक्तों को करीब 16 घंटे दर्शन दिए। भक्तों की संख्या अधिक होने के कारण प्राय: हर झांकी 15 मिनट से आधा घंटे के लिए बढ़ाई गई। मंगला झांकी में दर्शनार्थियों की संख्या अधिक रहने के कारण झांकी के दर्शन का समय बढ़ाया गया। मंगला झांकी सुबह साढ़े चार से पौने सात बजे तक खुली रही। लगातार दो घंटे से भी अधिक समय तक ठाकुरजी ने भक्तों को दर्शन दिए। ज्यादातर श्रद्धालुओं ने जूते-चप्पल खोल कर ही मंदिर में प्रवेश कर जगमोहन से ठाकुरजी के दर्शन किए। चप्पल-जूते पहनकर आने वालों के लिए अलग से बैरिकेटिंग की गई थी। नंगे पांव आने वाले श्रद्धालुओं ने जगमोहन के बाहर से दर्शन किए। निकास की व्यवस्था जय निवास उद्यान से होकर की गई। दर्शनार्थियों को धूप और तपन से बचाने के लिए मंदिर के बाहर से जगमोहन तक छाया की माकूल व्यवस्था रही। पूरे परिसर में टैंट लगाया गया। जगह-जगह पंखे और कूलर भी लगाए गए। पीने के पानी की व्यवस्था के लिए पांच जगह मंदिर की ओर से प्याऊ लगाई गई। करीब 200 स्वयंसेवक और पुलिसकर्मी तैनात रहें। पुलिस और प्रशासन के उच्चाधिकारी व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए थे।

- भक्तो की लगी भारी भीड़

आवेदन की अंतिम तिथि 11 जून

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा शुरू की गई नवीन आवासीय योजनाओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि नज़दीक आ चुकी है। इच्छुक आवेदक 11 जून 2025 तक इन योजनाओं में आवेदन कर सकते हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न आय वर्ग के लिए जयपुर ,धौलपुर,बारां और बूंदी में स्थित विभिन्न परियोजनाओं में फ्लैट्स एवं स्वतंत्र आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जयपुर की प्रताप नगर स्तिथ गंगा अपार्टमेंट में कुल 80 फ्लैट्स हैं , जयपुर के मानसरोवर स्थित गुलमोहर में 160 फ्लैट्स हैं जिसमें डबल पार्किंग भी दी जा रही है इसी के साथ ही बारां की गजनपुरा आवासीय योजना ,बूंदी की लाखेरी आवासीय योजना और धौलपुर की बाड़ी रोड आवासीय योजना में विभिन आय वर्ग के लिए स्वतंत्र आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं ।इन योजनाओं में आमजन के सपनों का आशियाना प्रचलित बाजार दरों की तुलना में बेहद किफायती दरों पर उपलब्ध हैं, बल्कि इसमें आवेदन प्रक्रिया भी बेहद सरल और पारदर्शी रखी गई है। प्रमुख लोकेशन्स में आवास, पार्किंग, बिजली और पानी की व्यवस्था, पार्क, सुगम अवगमन के लिए सड़क और सीवर प्रणाली इन योजनाओं में मिलेगी

उल्लेखनीय है की इन योजनाओं को आमजन से भरपूर उत्साह प्राप्त हो रहा है, और केवल कुछ ही दिन शेष रहने के कारण आवेदन प्रक्रिया में तेजी देखी जा रही है।

'प्रस्तावित नई ग्राम पंचायत की अधिसूचना जारी नहीं करेगी राज्य सरकार'

- राज्य सरकार ने ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन एवं नव सृजन के लिए 10 जनवरी, 24 जनवरी व 13 फरवरी 2025 को दिशा-निर्देश दिए थे
- इन दिशा-निर्देशों की अवहेलना कर ग्राम पंचायत महारखुर्द का पुनर्गठन कर राजस्व ग्राम गुलाब बाड़ी को ग्राम पंचायत महारख़ुर्द से अलग कर दिया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से अंडरटेकिंग दी गई है कि ग्राम पंचायत परमानपुरा को प्रस्तावित नई ग्राम पंचायत बनाने के संबंध में अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। राज्य सरकार की अंडरटेकिंग को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मामले में सुनवाई 9 जून को तय की है। जस्टिस अशोक कुमार जैन और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश भागीरथ प्रसाद जाट व अन्य की विशेष अपील याचिका पर दिए।

अपील में अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया और अधिवक्ता सुशीला कलवानिया ने बताया कि राज्य सरकार ने ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन एवं नव सृजन के लिए 10 जनवरी, 24 जनवरी व 13 फरवरी 2025 को दिशा-निर्देश दिए थे। इसके तहत साल 2011 की जनगणना के आंकड़ों के तहत निर्धारित प्रक्रिया एवं मापदंड के अनुसार नई ग्राम पंचायतों का सृजन करने के लिए कहा गया। वहीं शाहपुरा के उपखण्ड अधिकारी ने इन दिशा-निर्देशों की अवहेलना कर ग्राम पंचायत महारखुर्द का पुनर्गठन कर राजस्व ग्राम गुलाब बाड़ी को ग्राम पंचायत महारख़ुर्द से अलग कर दिया। वहीं ग्राम परमानपुरा को नई ग्राम पंचायत बनाने का प्रस्ताव जिला कलेक्टर को भेज दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार, ग्राम गुलाबबाड़ी की जनसंख्या ग्राम परमानपुरा से ज्यादा है। ग्राम गुलाबबाड़ी मुख्य स्टेट हाईवे नंबर 37 अजीतगढ़-चौमू रोड पर स्थित है, जहां महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी अंग्रेजी माध्यम स्कूल एवं ए श्रेणी का पशु चिकित्सालय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र है। जबकि नव सृजित ग्राम पंचायत परमानपुरा की ग्राम गुलाबबाड़ी से पांच किमी दूर है। इसलिए ग्राम गुलाबबाड़ी को पंचायत मुख्यालय नहीं बनाया जाना गलत है

90वीं वर्षगांठ मनाई

जयपुर। विश्व की सबसे बड़ी विकलांगों के पुर्नवास तथा विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) जयपुर के संस्थापक और मुख्य संरक्षक पद्मभूषण डी.आर. मेहता की 90वीं वर्षगांठ मनाई गई भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के कर्मचारी और विभिन्न राज्यों से आए विकलांगों ने डी.आर. मेहता को जन्म दिन की बधाई दी। उल्लेखनीय हैं कि डी.आर. मेहता द्वारा स्थापित बी.एम.वी.एस.एस. इस वर्ष अपनी स्वर्ण जयन्ती मना रहा हैं। बी. एम.वी.एस.एस. ने अब तक देश-विदेश में 24 लाख से अधिक विकलांगों का पुर्नवास किया हैं। डी.आर. मेहता के नेतृत्व में 44 देशों में 114 शिविरों के आयोजन से हजारों विदेशी चलने फिरने योग्य बने ।

बी.एम.वी.एस.एस. के कार्यकारी अध्यक्ष एस.एस. भण्डारी ने डी.आर मेहता को विकलांगों के मसीहा और आदर्श सन्त बताते हुए कहा कि डी.आर. मेहता ने पूरे विश्व में विकलांगों के कल्याणार्थ कार्य कर भारत के नाम को गौरवान्वित किया हैं। एस.एस. भण्डारी ने बी.एम.वी.एस.एस. कर्मचारियों के अलावा अनाथ और असहायों की कल्याणकारी संस्था समर्पण की बालिकाओं को उपहार भेंट किए।

'जयपुर डेयरी जल संरक्षण में बना रही मिसाल'

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा संचालित ''वंदे गंगा जल संरक्षण ,जन - अभियान'' के अंतर्गत जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (जयपुर डेयरी) में वृक्षारोपण एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ाना रहा।

इस कार्यक्रम में राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशनकी प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज, जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया और प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने सामूहिक रूप से जयपुर डेयरी परिसर में पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर बूथ संचालकों और सरस मित्रों को तुलसी के पौधे भेंट किए गए। पौध वितरण करते हुए मुख्य अतिथियों ने सभी से आग्रह किया कि वे 5 जून से 20 जून तक चलने वाले वंदे गंगा अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें तथा जल और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएं।

स्वायत्त शासन मंत्री का बयान व्यवहारिक नहीं : खंडेलवाल

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा द्वारा दिए गए बयान जिसमे उन्होंने कहा है कि पिछली कांग्रेस सरकार में शहरी निकायों द्वारा जारी 13 लाख पट्टों की जांच की जाएगी पर आक्रोशित होते हुए कहा कि राजस्थान सरकार के नगरीय विकास और स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा का इस तरह का बयान जारी करना व्यवहारिक नहीं है उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में कोई उपलब्धि हासिल नहीं कर पाई राजधानी जयपुर सहित अनेक निकायो में पट्टों के लिए आम जनता भटक रही है राजधानी जयपुर में पिछले डेढ़ साल में दोनों नगर निगमों ने एक भी पट्टा जारी नहीं किया। खण्डेलवाल ने बताया की अधिकतर नगर निकायों में अधिकारियों की कमी है इस कारण आम जनता के कार्य प्रभावित हो रहे हैं, अब जब एक सौ बीस नये भर्ती होने वाले अधिकारियों द्वारा पूर्ववर्ती सरकार के समय जारी तेरह लाख पट्टों की जांच किए जाने की बात नगरीय विकास मंत्री की मानसिकता यह दर्शाती है कि आम जनता के जायज कार्यो को तो ठंडे बस्ते में डालो और पहले इन पट्टों की जाँच करो ।

कांग्रेस के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने नगरीय विकास मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वे पहले आम जनता से जुड़े मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित कर राजधानी में पट्टे जारी करने की लगी अघोषित रोक हटा कर आम जन को राहत पहुँचाने का काम करें ।अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में शहरी इलाकों के नागरिकों को जो पट्टा वितरण किया गया था, वह जन भावनाओं के अनुरूप जन जन की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए किया गया था। इसमें कहीं भी पक्षपात व दुर्भावना नहीं थी और भाजपा विचारधारा वाले लाखों परिवारों को भी पट्टे मिले हैं। झाबर सिंह खर्रा के बयान से तो यह इंगित होता है कि माननीय मंत्री को जमीनी हकीकत की जानकारी ही नहीं है। गिरिराज खंडेलवाल ने झाबर सिंह खर्रा को सुझाया है कि कुछ करना है।

48 पुलिस निरीक्षक से उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत

जयपुर। राजस्थान में पुलिस महकमे में शनिवार को बड़ा फेरबदल किया गया है। जहां पुलिस महानिदेशक यू आर साहू की ओर से जारी की गई ट्रांसफर और पोस्टिंग की लिस्ट में 48 पुलिस निरीक्षक से उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के पद पर पदोन्नत किया गया है। पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी लिस्ट के अनुसार करणी सिंह को पुलिस निरीक्षक जयपुर ग्रामीण (नव पदोन्नत उप पुलिस अधीक्षक) से उप पुलिस अधीक्षक एससी/एसटी सेल,जिला झुंझुनूं लगाया गया है। वहीं गजेंद्र सिंह को लगाया। एसीपी पुलिस कंट्रोल रूम जयपुर, उदय सिंह को लगाया डीएसपी साइबर क्राइम जिला भीलवाड़ा, लक्ष्मण सिंह चौधरी को लगाया डीएसपी साइबर क्राइम जिला बाड़मेर, सतीश कुमार को लगाया डीएसपी महिला अपराध अनुसंधान सेल जिला नागौर, परमेश्वर लाल को लगाया डीएसपी एसीबी, विजय कुमार मीणा को लगाया डीएसपी साइबर क्राइम जिला चूरू,ओम प्रकाश मीणा को लगाया। डीएसपी साइबर क्राइम जिला बूंदी, प्रमोद कुमार शर्मा को लगाया डीएसपी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स नागौर, चैनाराम को लगाया डीएसपी लीव रिजर्व सीआईडी सीबी जयपुर, सुगन सिंह को लगाया डीएसपी लीव रिजर्व डीजीपी ऑफिस साइबर क्राइम जयपुर, रामनाथ सिंह को लगाया डीएसपी एससी/एसटी सैल जिला भरतपुर, सुरेश कुमार स्वामी को लगाया डीएसपी एसीबी की जिम्मेदारी दी गई है।

सार-समाचार

कलश यात्रा व शोभा यात्रा निकाली

जयपुर। कुमावत क्षित्रय विकास समिति, बरकत नगर के द्वारा विनोबा विहार नवनिर्मित मंदिर में मूर्तियो की देव प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में शिव मंदिर टोंक फटाक से 151 महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा व शोभा यात्रा बैंड-बाजो, रथ के साथ निकाली गई । रथो में मूर्तियों को विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान रास्तों में श्रद्धालु द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया । शोभा यात्रा में महिलाओं और पुरुषों ने बढ़ चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तत्पश्चात शोभायात्रा अपने गंतव्य स्थान श्री बाबा रामदेव जी मंदिर, विनोबा विहार ,बरकत नगर, जयपुर पहुंची जहां पर उनका पंडितों द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ मूर्तियों को मंदिर में प्रवेश करा कर मूर्तियों का देव प्रतिष्ठा का कार्यक्रम का आयोजन रखा गया।

जरूरतमंद परिवारों को 211 मटके वितरित

जयपुर। एकादशी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जल से भरे मटके दान किए। मटकों के अलावा आम, हाथ पंखी का भी दान किया गया। इसी कड़ी में हरि ओम जन सेवा समिति की ओर से निर्जला एकादशी पर विद्याधर नगर की कच्ची बस्तियों में जरूरतमंद परिवारों को पानी के भरे हुए 211 मटके वितरण किए गए। कार्यक्रम संयोजक नरेश जोशी ने बताया कि समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल, पार्षद सुरेश जांगिड़ ने मटका वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मटके के साथ आम, केले, चीनी, बर्तन, कपड़े, नगद राशि का भी वितरण किया गया।

एम्बुलेंस वाहन से बैटरी चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार

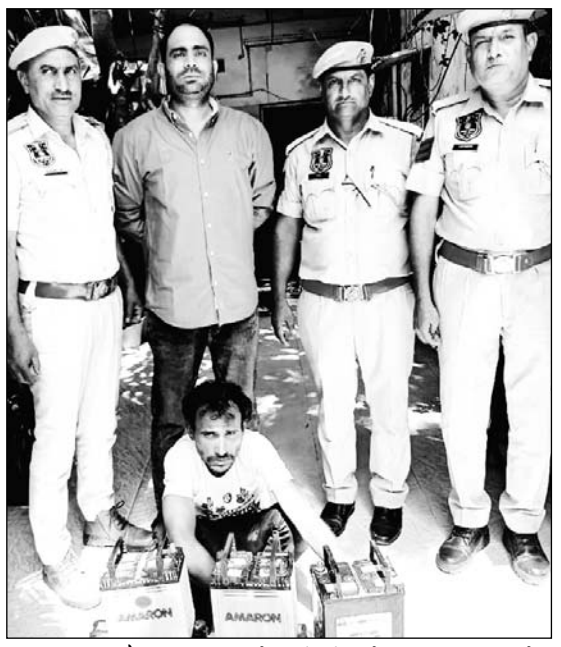

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सरकारी एम्बुलेंस वाहन से बैटरी चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एम्बुलेंस की बैटरी सहित अन्य वाहनों से चुराई गई छह बैटरियां बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सरकारी एम्बुलेंस वाहन से बैटरी चोरी करने वाले शातिर बदमाश सुन्दरलाल निवासी कोटपूतली-बहरोड को गिरफ्तार कर उसके पास से एम्बुलेंस की बैटरी सहित अन्य वाहनों से चुराई गई छह बैटरियां बरामद की है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित नशे करने का आदि है जो अपने शौक पूरे करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर रैकी कर वाहन में चालक की गैरमौजूदगी में मौका देखकर वाहनों की बैटरी चोरी करता था। पुलिस पड़ताल में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

तेज रफ्तार पिकअप ने राहगीर को टक्कर मारी

जयपुर। चौमू थाना इलाके में शनिवार अलसुबह एक तेज रफ्तार पिकअप ने पैदल को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक पिकअप लेकर भाग निकला। हिट एण्ड रन मामले में पुलिस वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है। मामले की जांच दुर्घटना थाना पश्चिम कर रही है। पुलिस के अनुसार शनिवार अलसुबह करीब तीन बजे चौमूं में आरटीओ कार्यालय के सामने एक तेज रफ्तार पिकअप ने राहगीर को टक्कर मार दी। हादसे में घायल राहगीर को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उसकी मौत हो गई। जांच अधिकारी एएसआई फूलचंद ने बताया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। पिकअप के नंबरों के आधार पर चालक व पिकअप की तलाश की जा रही है।

जन्म-तप कल्याणक मनाया

जयपुर। जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक शनिवार को भक्तिभाव से मनाया गया। जन्म एवं तप कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अघ्र्य अर्पित किए गए। आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊ बाईजी,तारों की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी, दिल्ली रोड पर जयसिंहपुरा खोर दिगम्बर जैन मंदिर तथा सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए।

बाइक सवार दो बदमाशों ने दो महिला के गले से सोने की चेन तोड़ी

जयपुर। शहर में बाइक्स गैंग का आतंक बना हुआ है। बदमाश दो महिलाओं के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

विद्याधर नगर थाना इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक महिला के गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़कर ले गए।

पुलिस के अनुसार मेटल कॉलोनी अम्बाबाडी निवासी कमलेश कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि मेरी मामी के गले पर झपट्टा मारकर बाइक सवार दो बदमाश सोने की चेन तोड़कर ले गए। यह घटना एडब्ल्यूएचओ रोड की है। महिला की सोने की चेन करीब दो तोले की बताई जा रही है।

- घटना एडब्ल्यूएचओ रोड की है। महिला की सोने की चेन करीब दो तोले की बताई जा रही है

पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

वहीं दूसरी घटना में जवाहर नगर थाना इलाके में भी बाइक सवार दो बदमाश एक युवती के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़कर ले गए। पुलिस के अनुसार जवाहर नगर निवासी कुलदीप ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी भतीजी किसी काम से बाजार गई थी। जैन मंदिर के पास पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाश उसकी भजीती के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़कर ले गए। बदमाशों ने चेहरे पर तौलियां बांध रखा था।

पांच नकबजन चढ़े पुलिस के हत्थे

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने पांच नकबजनों को पकड़ा है। पुलिस ने गिरोह के सदस्यों से पूछताछ कर चोरी का माल बरामद करने का प्रयास शुरू कर दिया है। बदमाशों ने आरएसईबी से रिटायर्ड अधिकारी के मकान में चोरी की थी।

पुलिस के अनुसार आरएसईबी से रिटायर्ड एक अधिकारी के मकान को चोरों ने 29 मई को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी पार कर ली। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। इस मामले में डीएसटी और विद्याधर नगर थाना पुलिस ने आरोपी अभि उर्फ गुजराती, जितेन्द्र उर्फ जीतू उर्फ मूर्ति, सन्नी सक्सैना, अभिषेक धीरूभाई परमार एवं विष्णु नायडू को गिरफ्तार किया है।

- आरएसईबी से रिटायर्ड अधिकारी के घर को बनाया था निशाना

आरोपी गुजरात तमिलनाडु और जयपुर के रहने वाले है। आरोपी पूर्व में भी नशा पूर्ति के लिए दर्जनों वारदातों को अंजाम दे चुके है। गिरोह अब तक जयपुर में दर्जनों नकबजनी की वारदातों को अंजाम दे चुका है।

कुर्बानी का पर्व ईद-उल-अजहा हर्षोल्लास के साथ मनाया

जयपुर। कुर्बानी का पर्व ईद-उल-अजहा शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिल्ली रोड ईदगाह में ईद-उल-अजहा के मौके पर विशेष नमाज अदा की गई। नए कपड़े पहन और इत्र लगाकर आए बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने बकरीद की नमाज अदा की। शहर काजी खालिद उस्मानी ने ईद की नमाज अदा कराई। उन्होंने तकरीर करते हुए कहा कि कुर्बानी करते वक्त दूसरे मजहब के लोगों की भावना को भी ध्यान रखें।

हमारे देशवासियों, पड़ोसियों, हमवतन और हम-मजहब लोगों के साथ-साथ दूसरे मजहब के लोगों की भी भावनाओं का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कुर्बानी के दौरान किसी भी तरह की गंदगी न हो, किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं। गंदगी को ढक कर कचरागाह तक पहुंचाएं। बकरों की खाल की प्रोसेसिंग के लिए यूनिट डालने के लिए प्रदेश में सक्षम लोग मिलजुल प्रयास करें। ताकि खाल जाया न जाए। मुख्यमंत्री से चीफ काजी ने अपील की कि ईदगाह के अटके काम को मौजूदा भाजपा सरकार जल्द शुरू करवाए। नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। आदर्श नगर से कांग्रेस विधायक रफीक खान भी ईदगाह पहुंचे और नमाज अदा की। नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने अल्लाह के नाम पर अपने घरों में बकरों और भेड़ों की कुर्बानी कर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। जानवरों की कुर्बानी का सिलसिला रविवार और सोमवार को भी जारी रहेगा। राजधानी की दूसरी मस्जिदों में भी ईद-उल-अजहा इस मौके पर उलेमाओं ने बकरीद के पर्व के महत्व को लेकर तकरीर की और ईद-उल-अजहा के पर्व पर गरीब और बेसहारा लोगों की मदद करने के लिए भी कहा। राजधानी में ईद-उल-अजहा की नमाज अलग-अलग मस्जिदों में अलग-अलग वक्त पर हुई। जौहरी बाजार स्थित जामा मस्जिद, विद्याधर नगर के पास स्थित अमानीशाह दरगाह में बजे ईद-उल-अजहा की नमाज हुई। प्रशासन ने किए विशेष इंतजाम: ईद-उल-अजहा की नमाज के चलते जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने भी विशेष इंतजाम किए थे। इदगाह, जामा मस्जिद और अन्य मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। ईदगाह की नमाज को देखते हुए दिल्ली रोड पर भी यातायात को डायवर्ट किया गया था।

दिल्ली रोड ईदगाह में ईद-उल-अजहा के मौके पर विशेष नमाज अदा की ।

फूलों की छतरी में विराजे राधे सरस बिहारी

जयपुर। सुभाष चौक पानो का दरीबा स्थित शुक संप्रदाय आचार्यपीठ श्री सरस निकुंज दरीबा पान में शनिवार को निर्जला एकादशी पर ठाकुर श्री राधा सरस बिहारी जू सरकार की नित्य सेवा के साथ विशेष मनोरथ सेवा की गई। शुक संप्रदाय पीठाशीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज ने ठाकुरजी की लाड़ सेवा की। विभिन्न तरह के पुष्पों से तैयार छतरी के नीचे ठाकुरजी को विराजमान किया गया। ठाकुरजी को पुष्प श्रृंगार श्री सरस निकुंज के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया और नवीन छोटे भैया फूलों और गुलाब जल, केवड़ा जल से सरस परिकर सुवासित हो उठा। श्रृंगार आरती दर्शन के साथ विशेष रूप से सागारी सामग्रियों और ऋतु फलों का भोग लगाया गया। शीतल पेय पदार्थ भी ठाकुर जी को अर्पण किए गए। दोपहर तक एकादशी की पदावलियों का गायन किया गया। शाम को फूल बंगले के पदों का गायन किया गया। फूल को महल महा मन भावन..., राजे फूलों के बंगले जुगल सरकार..., फूल मंडली सरस संवारी...जैसे पदों पर परिकर के वैष्णव महानुभावों ने नृत्य कर ठाकुरजी को रिझाया। चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर जी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सान्निध्य में एकादशी उत्सव मनाया गया। ठाकुरजी को नवीन पोशाक धारण कराई गई और फलों का भोग लगाया गया। पुरानी बस्ती स्थित गोपीनाथ जी मंदिर में महंत सिद्धार्थ गोस्वामी के सान्निध्य में एकादशी उत्सव भक्तिभाव से मनाया गया।

फायरिंग कर जानलेवा हमले के तीन इनामी आरोपी गिरफ्तार

पुलिस की ओर से आरोपियों पर एक-एक हजार के इनाम की घोषणा की हुई थी

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके के रंगपुर रेलवे ओवरब्रिज पर एक जने के ऊपर फायरिंग कर जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे तीन इनामी आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से आरोपियों पर एक-एक हजार के इनाम की घोषणा की हुई थी।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि भीमगंजमंडी क्षेत्र में 22 मई को हुई फायरिंग की घटना में आरोपियों की धरपकड़ के लिये पुलिस उप अधीक्षक गंगासहाय शर्मा के निर्देशन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा एवं रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मुखबीर एवं तकनीकी सूचना के आधार पर आरोपियों के ठिकानो व रिश्तेदारों के यहां उत्तरप्रदेश के आगरा, गंगापुर इत्यादि स्थानों पर दबिश दी गई। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कृष्णा बिहार रंगतलाब निवासी आसिफ गौरी (30), कामरान गौरी (28) एवं रेलवे कॉलोनी तुल्लापुरा निवासी मोहम्मद तौफिक उर्फ मिक्कू (23) को लोको कॉलोनी सक्षम केन्द्र के पास से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

पुलिस ने जानलेवा हमले के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आसिफ गौरी, कामरान गौरी एवं मोहम्मद तौफिक उर्फ मिक्कू तीनों अपराधिक प्रवृति के है। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि अपराधियों के परिवारजन द्वारा रेलवे स्टेशन पर स्टॉल ले रखी है एवं फरियादी मोहम्मद उमर की भी रेलवे स्टेशन पर स्टॉल है। दोनों के बीच रेलवे स्टेशन पर वेण्डरों द्वारा डिलेवरी किये जा रहे खाने-पीने के सामान को बेचने को लेकर आपसी रंजिश चल रही थी। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने अपने पिता मोहम्मद कलीम गौरी जिसको पूर्व में गिरफ्तार किया जा चूका है उसके

- **रंगपुर रेलवे ओवरब्रिज पर आपसी रंजिश के चलते जानलेवा हमला किया था**

साथ मिलकर योजना बनाते हुए 22 मई को फरियादी को जान से मारने की नियत से हथियारों से फायर कर जानलेवा हमला कर वारदात को अंजाम दिया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है साथ ही मामले में अन्य आरोपियो की तलाश की जा रही है।

शहर एसपी ने बताया कि 23 मई को फरियादी मोहम्मद उमर ने अस्पताल में पर्चा बयान दिया। शहर एसपी ने कहा कि फरियादी ने कहा कि 22 मई को रंगपुर रेलवे पुलिया के पास मोहम्मद कलीम गोरी उसके बेटे आसिफ व कामरान गोरी एवं अन्य आरोपियों ने जान से मारने की नियत से हथियारों से फायरिंग कर दी। जानलेवा हमले में वह घायल हो गया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

हाइवे पर लूट करने वाली गैंग का मुख्य सरगना गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लूटी गई बाइक बरामद, गैंग के अन्य फरार बदमाश की तलाश जारी

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने हाइवे पर लूट की वारदात करने वाली गैंग के मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए टाईगर बाबा-425 गैंग के मुख्य सरगना खेरवाड़ा थाने का हिस्ट्रीशिटर नितेश उर्फ कूका लिम्बात पुत्र बाबूलाल लिम्बात निवासी उपलाफला सरकारी स्कूल के पास करनाउवा थाना खेरवाड़ा को गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस पूर्व में18 मई को पुलिस ने लूट के शातिर आरोपी ललित उर्फ ललिया उर्फ लाला पुत्र देवीलाल कसोटा निवासी फूफाफला सरादीत वाघपुरा को गिरफ्तार किया था, जिसने पूछताछ में गैंग टाईगर बाबा-425 के सदस्यों द्वारा गोवर्धन विलास, कल्याणपुर, टीडी, झाड़ोल व वाघपुरा क्षेत्र में दस वारदातें करना कबूल किया था। आरोपी नीतेश ने पूछताछ में लूट की चार वारदातें करना कबूल किया है, जिसके कब्जे से लूटी गई बाइक बरामद की। गैंग के अन्य फरार बदमाश अजीत पुत्र शंकरलाल खराड़ी निवासी खाटीकमदी की तलाश जारी है।

पूछताछ में आरोपी ने 22 अप्रैल को होटल चरण कमल उण्डावेला पर हरिशंकर पत्नु शंभूलाल निवासी पाटिया फला सोरा टीडी से बाइक लूट, 23 मार्च को टीडी थाना क्षैत्र हाइवे पर तलवार दिखा कर पीड़ित की पावर बाइक, वाघपुरा थाना क्षैत्र में नेनबारा रोड़ पर धरतीमाता मंदिर के पास तलवार दिखा कर बाइक लूट तथा 11 अप्रैल को कल्याणपुर पर माण्डवा घाटी ईंट भट्टों के पास तलवार दिखाकर नकदी, मोबाइल व बैग लूट की वारदात करना कबूल किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चार वर्ष पूर्व प्रवीणसिंह उर्फ टाईगर पुत्र फतेहसिंह राजपूत निवासी छातरड़ी झाड़ोल, आर्यन पुत्र बाबुलाल मीणा निवासी जाबला टीडी, जीवन उर्फ जेडी पुत्र धनेश्वर मीणा निवासी सरादीत फला आमली, दिनेश कुमार पुत्र रमेश कसोटा निवासी सरादीत झाड़ोल ने मिलकर गैंग बनाई थी। जिसका नाम टाईगर बाबा-425 रखा था एवं सोशल मीडिया एकाउन्ट भी बनाया गया, जिससे जुड़े सदस्यों ने टाईटन नेम 425 दिया जाने लगा एवं वीडियो व फोटो अपलोटड करना शुरू कर दिया, जिसको देख जुडा गैंग से जुड़ने लगे। आरोपी नितेश के खेरवाड़ा पुलिस थाने का हिस्ट्रीशिटर होकर टीडी, कल्याणपुर, गोवर्धन विलास, वाघपुरा थाना क्षैत्र में इससे पूर्व के करीब 9 अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

रोडवेज बस और कार की टक्कर, एक की मौत

कार सवार परिवार जयपुर से उज्जैन जा रहा था

कोटा की दरा नाल में बस व कार की भिड़ंत में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा-झालावाड़ मार्ग वन क्षेत्र में शनिवार को प्रात: तीन बजे रोडवेज बस और अर्टिका कार में जबरदस्त भिडंत हो गई। हादसे में एक जने की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार ओवरटेक करने के चक्कर में झालावाड़ की ओर से आ रही रोडवेज बस से उज्जैन की ओर जा रही अर्टिगा कार में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। कार में सवार परिवार जयपुर से उज्जैन की ओर जा रहा था। इसी बीच दरा में ओवरटेक करते समय भिड़ंत हो गई, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गये और सवारियों को भी भारी चोटें आई हैं। एक बालक के मौत होने की सूचना है। वहीं घायलों को मैत्री हॉस्पिटल कोटा में आमजन के सहयोग से पहुंचाया गया। एक्सीडेंट की सूचना पाते ही पुलिस उपाधीक्षक घनश्याम मीणा सहित थानाधिकारी मोडक भी मय जाप्ता मौके पर पँहुचे।

''हरियालो राजस्थान'' के दूसरे चरण में दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

जयपुर। जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्च जरूरत है। जल, जंगल और जमीन तीनों उसके प्रमुख आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण को बहुत गंभीरता से लेते हुए पौधारोपण को बहुत महत्वपूर्ण माना है। 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लोगों से अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। पीएम नरेंद्र मोदी ने गत वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ करते हुए नई दिल्ली के बुद्ध पार्क में पीपल का पौधा लगाया। साथ ही उन्होंने दुनियाभर के लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी मां के साथ मिलकर अथवा उनके नाम पर एक पौधा जरूर लगाएं। यह पौधा विकसित होकर पेड़ बनेगा, यह उनकी तरफ से अपनी मां लिए एक अनमोल उपहार होगा।

प्रधानमंत्री के इस अभियान से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'हरियालो राजस्थान' अभियान की शुरुआत की। उन्होंने पिछले वर्ष सात अगस्त को हरियाली तीज के

सीएम भजनलाल शर्मा

अवसर पर दूदू के गाहोता में पीपल का पौधा लगाकर इस अभियान का शुभारंभ किया और पांच वर्षों में राज्य में 50 करोड़ तथा वर्ष 2024-25 में 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया।

हरियालो राजस्थान का मुख्य उद्देश्य राजस्थान को हरा-भरा बनाना और वन क्षेत्र का विस्तार करना, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन बनाए रखना और जैव विविधता का संरक्षण तथा वन्य जीवों

- **पौधों की सुरक्षा के लिए हरियालो राजस्थान मोबाइल एप बनाया गया है**
- **''हरियालो राजस्थान'' अभियान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संकल्प**

के लिए बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। मुख्यमंत्री के आव्हान पर प्रदेश में सभी विभागों ने पौधारोपण के लक्ष्य निर्धारित किए और अभियान के पहले चरण में प्रदेश में सात करोड़ पौधे लगाए गए, जो वर्ल्ड रिकार्ड बना। अभियान को आगे बढ़ाते हुए अब हरियालो राजस्थान का दूसरा चरण प्रारंभ हो रहा है और इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है।

पौधों की सुरक्षा के लिए हरियालो राजस्थान मोबाइल एप बनाया गया है। लगाए गए हर पौधे की निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस एप के माध्यम से प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग की जाएगी। इस अभियान को नवाचार, आधुनिक तकनीक और जन सहभागिता के माध्यम से जनआंदोलन का रूप देने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों का चयन करते समय उस क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी की अनुकूलता का विशेष ध्यान रखा जाता है जिससे पौधों के जीवित रहने और पेड़ बनने की संभावना अधिक रहे। साथ ही पौधों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने के लिए नर्सरियों को भी पहले से तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण के बाद उनकी समुचित देखभाल भी सुनिश्चित करने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि 200 पौधे लगाने वाले को वृक्ष मित्र बनाया जाएगा। राज्य में दो हजार वृक्ष मित्र बनाए जाएंगे जिन्हें मानदेय भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारा लक्ष्य बहुत महान है, हमें अपने पर्यावरण को बचाना है उसे सुरक्षित करना है, इसलिए जितने उत्साह और जितनी तत्परता से हम पौधे लगा रहे हैं, उन पौधों को जीवित रखने के लिए उससे भी अधिक उत्साह, तत्परता और परिश्रम की जरूरत है।

मुस्लिम समाज ने ईद उल अजहा मनाई

अजमेर, (कासं)। ईद उल अजहा का पर्व शनिवार को शहर सहित जिले भर में मनाया। ख्वाजा साहब की दरगाह समेत ईदगाह व मस्जिद में सजदे में सिर झुके और इबादत के उठे हाथों में देश व प्रदेश में अमन चेन खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद के मौके पर ख्वाजा साहब की दरगाह में आम जायरीन के लिए जन्नती दरवाजा भी खोला गया। ईदगाह पर राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों ने मुस्लिम भाईयों को ईद की मुबारकबाद दी। ईद उल अजहा के अवसर पर शनिवार को मुख्य नमाज केसरगंज स्थित ईदगाह में सुबह 8 बजे हुई, इसके साथ ही ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह सहित विभिन्न मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। शहर काजी तोसिफ अहमद सिद्दीकी ने नमाज अदा कराई।

शेखावाटी की तरह बीकानेर की हवेलियों के लिये भी बॉयलाज बनेगा

बीकानेर में एक दौर में 1000 से ज्यादा हवेलियां थी, जो अब घटकर 600 से 700 के बीच ही बची है

बीकानेर, (निसं)। शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कुछ ही दिन पहले हवेलियों के संरक्षण और जीणोद्धार के लिए मीटिंग की और कहा कि झुंझुनूं, सीकर और चूरू समेत आसपास की हवेलियों का संरक्षण हो। इसी को देखते हुए बीकानेर प्रशासन ने भी बीकानेर की हवेलियों को संरक्षित करने के लिए अलग से बॉयलाज बनाने का निर्णय किया है। बीकानेर में एक दौर में 1000 से ज्यादा हवेलियां थी जो अब घटकर 600 से 700 के बीच ही बची हैं।

- **बीकानेर प्रशासन हवेलियों के दस्तावेज तैयार करने के साथ ही उनके लिए अलग से बॉयलाज तैयार कराएगा, इससे आसानी से कोई हवेलियों के साथ छेड़छाड़ नहीं कर पाएगा**

सरकार के मुताबिक झुंझुनू में 267, सीकर में 268 और चूरू जिले में 113 हवेलियों की पहचान की गई है। इनका एक सम्पूर्ण दस्तावेज तैयार किया जाएगा। बीकानेर प्रशासन भी यहां की हवेलियों के दस्तावेज तैयार करने के साथ ही उनके लिए अलग से बॉयलाज तैयार कराएगा। इससे आसानी से कोई हवेलियों के साथ छेडछाड़ नहीं कर पाएगा। करेगा भी तो उसे प्रशासन की अनुमति लेनी होगी। इसके साथ ही इन हवेलियों पर किसी भी तरह का कोई अतिक्रमण न हो इसके लिए भी जिम्मेदारी तय होगी। इसके लिए जिला स्तरीय हेरिटेज संरक्षण एवं संवर्धन कमेटी का भी गठन हुआ है।

निगम आयुक्त के मुताबिक हवेली रूटों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के साथ ही यहां साफ-सफाई, सड़कों का निर्माण होगा। कोशिश होगी कि हेरिटेज वॉक हर महीने या दो महीने में एक बार कराई जाए। शहर के हेरिटेज संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गठित जिला स्तरीय हेरिटेज कमेटी की पहली बैठक गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में हुई। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई। हेरिटेज रूट पर साफ-सफाई, पर्यटकों के लिए उस्ता कला आधारित स्मृति चिह्न बनाने, मोलेला आर्ट की तर्ज पर बीकानेर के मिट्टी कलाकारों के साथ नयी कलाकृति विकसित करने एवं जवाहर कला केन्द्र की तर्ज पर यहां के लोक कलाकारों एवं कारीगरों की कला प्रदर्शनी के लिए बीकानेर कला केन्द्र विकसित करने की योजना पर चर्चा हुई।

जिला कलेक्टर ने पुराने शहर के प्राचीन नक्शों को भी सरंक्षित करने की योजना बनाने के लिए कहा। कमेटी के सचिव एवं नगर निगम आयुक्त मयंक मनीष ने बताया कि हेरिटेज सेल का गठन किया जा चुका है। जिसकी देखरेख में कैमल फेस्टिवल और इस दौरान हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर निगम की झांकी, बीकानेर हेरिटेज को केन्द्र में रखकर प्रदर्शित की गई, जिसे प्रथम स्थान मिला। देशी-विदेशी पर्यटकों तक हेरिटेज वॉक की सूचना पहुँचाने के लिए रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, होटल, होर्डिंग्स एवं सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों पर ब्रांडिंग करने की योजना बनेगी। हेरिटेज के लिए उपनियम बनाए जाएंगे। हेरिटेज सेल द्वारा बीकानेर आने वाले देशी व विदेशी पर्यटकों के लिए बीकानेर के प्रमुख सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्थानों की जानकारी के लिए वेबसाइट एवं ऐप भी विकसित किया जाएगा। बीडीए हेरिटेज रूट पर साईनेज, रात्रि टूरिज्म एवं लाईटिंग का प्रबंधन करेगा।

25 सूत्री मांगों को लेकर शासन सचिव (शिक्षा), माध्यमिक शिक्षा निदेशक से वार्ता

अजमेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा के नेतृत्व में शासन सचिव (शिक्षा) कृष्ण कुणाल, माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी और समसा के अतिरिक्त उपायुक्त से शिक्षकों की 25 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षा संकुल जयपुर में वार्ता हुई। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश सभाध्यक्ष संपत सिंह, प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा उपस्थित रहे।

संगठन के महामंत्री लखारा ने बताया कि शिक्षकों की प्रमुख मांगों पर वार्ता सकारात्मक रही।इसके अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 203 में से राज्य द्वारा 186 बिंदुओं को 40 कंपोनेंट में विभाजित करते हुए शिक्षक, विद्यार्थी, विद्यालय और शिक्षण व्यवस्था में गुणवत्ता सुधार के लिए जुलाई में कार्यशाला आयोजित कर लगभग 19500 विद्यालयों में बाल वाटिका शुरू की जाएगी। शिक्षकों के स्थानांतरण पर शासन सचिव ने मुख्यमंत्री की अनुमति मिलते ही शुरू करने की बात कही। शिक्षकों के गैर शैक्षणिक कार्यों से शिक्षण व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए नए सत्र से गैर शैक्षणिक कार्यों में कमी लाई जाएगी। माध्यमिक शिक्षा में स्टाफिंग पैटर्न किए जाने पर द्वितीय श्रेणी के न्यूनतम 5 पद हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान सहित यथावत रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष पुष्करणा ने कहा कि सत्र 2019-20 से 2022-23 तक क्रमोन्नत विद्यालयों में पदों का आवंटन करते हुए 38000 में से 15000 पद इसी सत्र में भरे जाएंगे।

काफी समय से बकाया रिव्यु डीपीसी प्रस्तावो को नियमित डीपीसी के साथ ही तैयार करवाकर वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता, व्याख्याता से उप प्रधानाचार्य और प्रधानाचार्य डीपीसी पिछले दो वर्षों की रिव्यू डीपीसी के साथ ही 15 जुलाई तक की जाएगी। एमएसीपी प्रकरणों के निस्तारण हेतु एसीआर की अनुपलब्धता की स्थिति में सेवा सन्तोषजनक प्रमाण पत्र नियमित वेतन वृद्धि प्रमाण के आधार पर स्वीकृति जारी करवाने हेतु प्रस्ताव भिजवाया गया है। विद्यालय कॉम्पोसीट ग्रांट खेल-कूद सामग्री क्रय करने/ इको क्लब की सत्र 2025-26 की राशि जुलाई माह में ही विद्यालयों के खातों में हस्तांतरित करवाने की मांग कर कहा कि केंद्र से बजट जारी होने पर यह राशि जुलाई में ही जारी की जाएगी। प्रदेश के शिक्षकों को ऑनलाइन कार्य हेतु 80000 टैबलेट पीसी और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री घनश्याम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य, महिला मंत्री डॉ. अरुणा शर्मा, प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री योगेश कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष कैलाश कच्छावा सहित प्रदेश कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीयों ने वार्ता पर खुशी जताते हुए शिक्षक हित में बताया।

नर्सिंगकर्मियों की मांगों को लेकर विधायक धरने पर बैठे

डूंगरपुर, (निसं)। कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा शनिवार को कलेक्टर आवास के सामने गेट पर धरने पर बैठ गए। विधायक के साथ ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल से हटाए गए नर्सिंगकर्मी भी धरने पर बैठे। विधायक ने बिना नोटिस के नर्सिंगकर्मियों को हटाने पर आक्रोश जताया। विधायक ने नर्सिंगकर्मियों की भर्ती के नाम पर उनसे एक से डेढ़ लाख रुपए की अवैध वसूली के आरोप लगाए। विधायक के धरने की खबर के बाद कोतवाली पुलिस और जाब्ता मौके पर पहुंच गया।

जानकारी के अनुसार श्रीहरिदेव जोशी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लीड प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से लगाए गए करीब 100 नर्सिंगकर्मियों

- **मेडिकल कॉलेज अस्पताल से हटाए गए नर्सिंगकर्मी भी धरने पर बैठे**
- **100 कर्मचारियों को नौकरी से हटाया, भर्ती में 1.5 लाख रुपए लेने का आरोप**

को पिछले दिनों हटा दिया गया। ये सभी नर्सिंगकर्मी पिछले ढाई साल से अस्पताल में ड्यूटी दे रहे थे, लेकिन राजमेस से संचालित प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में यूटीबी पर नई भर्ती के बाद प्लेसमेंट एजेंसी के कार्मिकों को हटा दिया गया है। ऐसे में प्लेसमेंट एजेंसी के कार्मिकों उन्हें यथावत रखने की मांग कर रहे हैं।

हटाए गए नर्सिंगकर्मी रविवार को विधायक गणेश घोघरा के क्वार्टर पर पहुंचे, जहां विधायक को पूरे मामले में जानकारी दी। इसके बाद विधायक से समर्थन मांगा। जिस पर विधायक गणेश घोघरा नर्सिंग कर्मियों के साथ ही कलेक्टर आवास पहुंच गए। विधायक गणेश घोगरा ने नर्सिंगकर्मियों के साथ कलेक्टर निवास के बाहर धरना दिया। विधायक गणेश घोगरा ने एजेंसी, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल और कुछ भाजपा नेताओं पर डेढ़-डेढ़ लाख रुपए लेकर नए नर्सिंगकर्मियों को लगाने के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि पुराने नर्सिंगकर्मियों ने डेढ़-डेढ़ लाख रुपए देने से मना कर दिया, जिस पर एजेंसी, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल और कुछ भाजपा नेताओं ने कांग्रेसराज में लगे नर्सिंगकर्मियों को हटा दिया। वहीं, पैसे देने वाले अन्य नर्सिंगकर्मियों को लगा रहे हैं। विधायक ने कहा कि पीड़ित नर्सिंगकर्मी पिछले ढाई साल कम मानदेय में काम कर रहे थे। 3 साल पूरे नहीं होने से उन्हें अनुभव व बोनस अंक भी नहीं मिल पाएंगे। इसके बाद कलेक्टर गेट पर आए। विधायक गणेश घोगरा ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर मामले की जांच करवाते हुए पीड़ित नर्सिंगकर्मियों को न्याय दिलाने की मांग की है।

वैन व नकली सरस घी जब्त

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ पुलिस कार्रवाई करते हुए सरल घी को जब्त कर लिया। अजमेर डेयरी के कर्मचारियों को सूचना मिलने पर सरवाड़ पुलिस को सूचना दी गई। वहीं एक व्यक्ति द्वारा वैन में सरस डेयरी घी नकली बेचने के लिए आया हुआ था। जब इसकी सूचना अजमेर डेयरी को दी गई कि केकड़ी से सरवाड़ की और वैन आ रही है। तत्पश्चात अजमेर डेयरी के अधिकारियों द्वारा सूचना सरवाड़ थाने में दी गई। सरवाड़ थाने के बाहर नाकाबंदी की गई। वहीं नाकाबंदी के दौरान वैन को रोका गया और पूछताछ की गई वही गाड़ी में नकली सरस घी पांच-पांच लीटर की पीपी एवं 500 ग्राम के पांच कार्टून मिले तथा गाड़ी में 60 लीटर नकली सरस घी मिला। जानकारी के अनुसार जब गाड़ी चला रहे युवक से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि सतवीर गुर्जर पुत्र श्रवण

सरवाड़ पुलिस ने वैन व सरस घी जब्त किया।

गुर्जर निवासी गुढ़ा नारेली अजमेर का रहने वाला बताया जो कि अजमेर डेयरी का नाम सरस मोनोग्राम एवं मार्का सीरियल नंबर मोनोग्राम व बैच नंबर साहित अन्य का नकली निकले। वहीं फर्जी तरीके से उपयोग कर पांच लीटर की पैकिंग करते हुए नकली घी का कारोबार कर आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ व धोखाधड़ी करते हुए अजमेर डेयरी की व्यवसायिक प्रतिष्ठा तथा व्यापार को नुकसान पहुंचाया जा रहा है तथा आमजन व उपभोक्ताओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इस पर सरवाड़ पुलिस कार्रवाई करते हुए सरल घी को जप्त कर लिया।

दो दशक से ज़्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं।
- पीयूष चावला

भारतीय गेंदबाज, अपनी क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मैग्नस कार्लसन

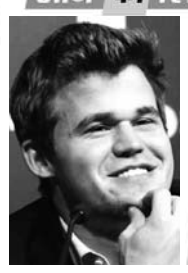

वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे चेस 2025 टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर रहे। एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी 5वें स्थान पर रहे। जीत के बाद कार्लसन ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। टूर्नामेंट जीतना राहत की बात है। टूर्नामेंट काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन अंत में सबकुछ अच्छा रहा। गुकेश और अर्जुन के बारे में उन्होंने कहा, सभी बहुत अच्छे हैं। हालांकि, उन्हें अभी भी तैयारी के लिए थोड़ा समय चाहिए। आर्मेनिया में एक टूर्नामेंट चल रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

अनऑफिशियल टेस्ट- इंडिया-ए 348 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, 7 जून। इंडिया-ए की टीम इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट की पहली पारी में 348 रन पर ऑलआउट हो गई है। नॉर्थम्पटन में चल रहे मुकाबले के दूसरे दिन टी-ब्रेक तक इंग्लैंड लॉयंस ने दो विकेट पर 146 रन बना लिए हैं। इमिलिओ गै 46 और जॉर्डन कॉक्स 10 रन पर नाबाद हैं। ओपनर टॉम हेन्स 54 रन और बेन मैकिनी 12 रन बनाकर आउट हुए। अंशुल कम्बोज और तुषार देशपांडे को एक-एक विकेट मिले। शनिवार को इंडिया ए ने 319/7 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 29 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए। किस वोक्स ने 3 विकेट झटके। जोश टंग और ग्रेस हिल को 2-2 विकेट मिले। मैच के पहले दिन केएल राहुल ने 116 रनों की शतकीय पारी खेली। राहुल के अलावा, ध्रुव जुरेल (52 रन) ने अर्धशतक जमाया। करुण नायर ने 40 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 34 रन बनाए। पहले दिन बारिश की वजह से 83 ओवर का ही खेल हो पाया। यशस्वी-राहुल के बीच 86 रन की साझेदारी इंग्लैंड लायंस ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। राहुल और यशस्वी जायसवाल ने ओपनिंग की। लेकिन जल्द ही जायसावल (17) और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (11) को क्रिस वोक्स ने कर दिया। इंडिया-ए ने 40 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद करुण नायर (40) और राहुल ने पारी संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट लिए 139 बॉल पर 86 रन की साझेदारी हुई।इसके बाद ध्रुव जुरेल और राहुल के बीच साझेदारी हुई। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 121 रन जोड़े। वहीं जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। हालांकि इसके बाद कम अंतराल पर पहले जुरेल (52) और फिर राहुल (116) दोनों ही जॉर्ज हिल की बॉल पर आउट हो गए। पहला अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ रहा था इंडिया-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ हो गया था। मुकाबले के चौथे दिन भारत की ओर से 4 अर्धशतक लगे। पहले दिन इंग्लिश टीम ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। इंडिया-ए ने पहले पारी में 557 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड टीम 587 रन पर ऑलआउट हुई। चौथे और आखिरी दिन भारत दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 241 रन बनाया।

कोको गॉफ ने जीता फ्रेंच ओपन, सबालेंका को हराया

जोकोविच सेमीफाइनल हारे, कहा- शायद यह मेरा आखिरी मैच था

नई दिल्ली, 7 जून। वर्ल्ड नंबर-2 कोको गॉफ ने फ्रेंच ओपन जीत लिया है। 21 साल की अमेरिकन स्टार ने शनिवार को विमेंस सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में दुनिया की नंबर-1 टेनिस स्टार आर्यना सबालेंका को 6-7, 6-2, 6-4 से हराया। दो घंटा 38 मिनट चले मुकाबले में सबालेंका ने पहला सेट 7-6 से जीत लिया था। गॉफ ने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम जीता है। वे 2023 में यूएस ओपन चैंपियन बनी थी। पुरुष वर्ग में सर्बिया के नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल मैच हार गए। 38 साल के सर्बिया के स्टार को 23 साल के इटली के जैनिक सिनर ने 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया। यह मैच 3 घंटा और 16 मिनट में चला।

सिनर से सीधे सेटों में हारने के बाद जोकोविच ने अपना बैग नीचे रखा। दर्शकों को आभार जताते हुए कहा- शायद यह मेरा आखिरी मैच था। मुझे नहीं पता, इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक हूं। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था। जोकोविच अगले साल फ्रेंच ओपन तक 39 वर्ष के हो जाएंगे।

केरल के खेल मंत्री बोले- मेसी का आना तय, स्पॉन्सर्स ने मैच की फीस जमा की

अर्जेंटीना ने भारत का दौरा कैंसिल किया

तिरुवनंतपुरम, 7 जून। केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने कहा है कि स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना की टीम का भारत आना तय है। उन्होंने बताया कि स्पॉन्सर्स ने इस आयोजन के लिए मैच फीस भी जमा कर दी है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अर्जेंटीना की टीम ने केरल का अपना अक्टूबर-नवंबर में निर्धारित दौरा रद्द कर दिया है, क्योंकि स्पॉन्सर्स ने एग्रीमेंट के नियमों का उल्लंघन किया है। अब्दुरहीमन ने पिछले साल नवंबर में ऐलान किया था कि अर्जेंटीना की टीम का केरल का दौरा करेगी। इतना ही नहीं, कोच्चि में 2 फ्रेंडली मैच भी खेलेगी।

14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलने वाले हैं मेसी लियोनेल मेसी 14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलने वाले हैं। इससे पहले मेसी ने 2011 में भारत का दौरा किया था, जब अर्जेंटीना ने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन मैच

खेला था।2026 वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना क्वालिफाई कर चुका अर्जेंटीना ने 26 मार्च को ब्राजील को 4-1 से हरा कर 2026 वर्ल्ड कप कप के लिए क्वालिफाई किया। इस मैच में लियोनेल मेसी नहीं खेले थे। ब्यूनस आयर्स में खेले गए इस मैच में अर्जेंटीना के लिए जूलियन अल्वारेज, एन्जो फर्नांडेज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और गुलियानो सिमियोने ने गोल किए। ब्राजील की तरफ से इकलौता गोल मैथ्यूस कुन्हा ने किया।फुटबॉल की वर्ल्ड चैंपियन है अर्जेंटीना की टीम, 36 साल बाद टाइटल जीता अर्जेंटीना की टीम फुटबॉल की वर्ल्ड चैंपियन है। टीम ने 2022 में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर टाइटल जीता था। 90 मिनट तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रही थी।

एक्स्ट्रा टाइम के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। फाइनल में मेसी ने दो गोल किए। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई थी। अर्जेंटीना ने 36 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता था। टीम 1986 में वर्ल्ड कप में चैंपियन बनी थी। अर्जेंटीना 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बना था।

इंग्लैंड ने पहले टी-20 में वेस्टइंडीज को हराया

नई दिल्ली, 7 जून। इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 21 रन से हरा दिया। टीम सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने 96 रन बनाए। ऑलराउंडर लियाम डॉसन ने 4 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। चेस्टर ले स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड में शुक्रवार को खेले गए मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 167 रन ही बना सकी।

राजस्थान के वुशू खिलाड़ी विहानराज ने मॉस्को में स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 7 जून। मॉस्को, रूस में 1 से 7 जून तक आयोजित मास्को स्टार वुशू चैंपियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर राजस्थान का नाम रोशन किया। हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वुशु संघ और अध्यक्ष राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि भारतीय वुशु टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्रीकांत परिहार ने 45 भारवर्ग में स्वर्ण पदक, सुनील ने 65 भारवर्ग में रजत पदक, तनवी दाधीच ने 39 भारवर्ग में रजत पदक, जिप्सी चौधरी ने ट्रेडिशनल वेपन में रजत पदक, रजत पदक ने 75 भारवर्ग में रजत पदक जीता। 90 पदक भारवर्ग में कांस्य पदक और अमित चौधरी ने देश और राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन कियाखिलाड़ियों के पदक पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजाराम मील्स, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सानिया, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, के. सी. घुमरिया, सामी, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, प्लाजा, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, हकदार, राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच और राष्ट्रीय महासचिव ने बधाई दी और रजत भविष्य की कामना की।

कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता हेतु दौसा टीम घोषित

जयपुर, 7 जून। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता हेतू दौसा जिले की टीम की घोषणा की गई है जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि टीम में इस बार भी दौसा जिले के ही खिलाड़ियों को लिया गया है परंतु यह दुर्भाग्य है हमारे जिले की टीम आज भी एवरेज टीम ही है क्योंकि हमारे खिलाड़ियों में अच्छे स्पिनर्स और ऑलराउंडर की कमी है जिनका टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण रोल होता है। इन सभी का कारण हमारे जिले में क्रिकेट हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर, अकादमियों, अच्छे कोचेज का अभाव है। इस ओर भरसक प्रयास किए जा रहे है । सचिव उपाध्याय ने बताया कि हमने पिछली बार भी प्रत्येक फॉर्मेट की टीम में दौसा जिले के खिलाड़ियों को ही टीम का हिस्सा बनाया था और एक चांस और देते हुए इस बार भी टीम में दौसा जिले से बाहर का कोई खिलाड़ी नहीं लिया गया है उम्मीद करते है टीम अच्छा परफॉर्मेंस करेगी यदि फिर भी टीम का परिणाम आशा अनुरूप नहीं रहता है तो टीम में प्रोफेशनल खिलाड़ी खिलाने पर विचार किया जाएगा । टीम का चयन पूर्ण पारदर्शी तरीके से किया गया है सभी खिलाड़ियों को टीम बनाकर आपस में पांच मैच कराए गए और मैच की परफॉर्मेंस के आधार पर टीम का चयन किया गया । डीसीए के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय के अनुसार दौसा की टीम का पहला मैच 9 जून को जालौर से, 10 जून को हनुमानगढ़ से और 11 को अजमेर से राजसमंद खेल मैदान पर आयोजित किए जाएंगे । **टीम इस प्रकार है** - 1. नमन शर्मा 2. शिवम जैमन 3. देवकृत शर्मा 4. कौशल मीणा 5. सचिन शर्मा 6. करण मीणा 7. लोकेश मीणा 8. दिव्यांशु घोषिंगा 9. जतिन शर्मा 10. अजय प्रजापत 11. मोहित शर्मा 12. नवरत्न सैनी 13. पुष्पेंद्र सैनी14. ध्रुव सेठी15. पृथ्वी नागरवाल 16. सज्जन शर्मा 17. शिवम सोनी 18. शेरसिंह सैनी . 19. निखिल साहू 20. अनिल मीणा 21. सचिन झारवाल 22. राम शर्मा, टीम मैनेजर वेंकटेश शर्मा, टीम कोच प्रेम सिंह और निर्मल सैन होंगे ।

बेंगलुरु भगदड़ : बेटे की कब्र से लिपट गया पिता, बोला- मुझे यहीं रहना है

कर्नाटक, 7 जून। बेंगलुरु में 4 जून को भगदड़ की अब भी कई मार्मिक तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं। कर्नाटक भाजपा ने शनिवार को पर एक ऐसा ही वीडियो शेयर किया। इसमें एक व्यक्ति अपने बेटे की कब्र से लिपटकर रोता दिख रहा है। व्यक्ति का नाम बीटी लक्ष्मण है। भगदड़ में उसके 21 साल के बेटे भौमिक लक्ष्मण की मौत हो गई थी। वीडियो में बीटी लक्ष्मण अपने बेटे के शव के पास जोर-जोर से रोते हुए कह रहे हैं, मैंने उसके लिए जो जमीन खरीदी, वहीं पर उसे दफना दिया। मुझे अब कहीं नहीं जाना। मैं भी यहीं रहना चाहता हूं।

क्रीड़ा परिषद ने आरसीए से सवाई मानसिंह स्टेडियम मैदान पर राज्य स्तरीय मैचों के आयोजन हेतु मांगी भारी रकम

जयपुर, 7 जून। क्रीड़ा परिषद का यह असहयोग खेल भावना के विरुद जिससे राज्य में खेल के विकास की गति अवरुद्ध होगी। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी के अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा राज्य की युवा प्रतिभाओं को आगे लाने हेतु पूर्व की भांति इस वर्ष भी बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्तर 2025 - 26 की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु सवाई मान सिंह स्टेडियम पर मैचों का आयोजन करने की दिशा में राज्य क्रीड़ा परिषद् को सवाई मान सिंह स्टेडियम ग्राउंड निशुल्क उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखकर अनुरोध किया था। बिहाणी के अनुसार आज राज्य क्रीड़ा परिषद् ने आरसीए को पत्र लिखकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के सवाई मान सिंह स्टेडियम मैदान पर आयोजन हेतु रूपये 100000 (एक लाख रूपये) प्रतिदिन फ़ीस के रूप में देने की मांग की जो न केवल बहुत ज्यादा है बल्कि राज्य की युवा खिलाडियों के साथ खेल भावना के विरुद किया गया कार्य है। जयदीप बिहानी ने कहा की आज भी राजस्थान क्रिकेट संघ के पिच क्यूरेटर तपोशचटर्जी व 20 से ज्यादा ग्राउंड स्टाफ सवाई मान सिंह स्टेडियम मैदान का रखरखाव का कार्य देख रहा है, आरसीए ग्राउंड स्टाफ ने आईपीएल के दौरान भी राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा

राज्य के खेल प्रेमियों की भावना व राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा जी के विजनराज्य में खेल के विकास व विस्तार के अंतर्गत मैदान के रखरखाव के सभी कार्य अपने उच्च स्तरीय ग्राउंड उपकरणों की सहायता से पूर्ण किया था जिसका आज तक भी कोई फ़ीस /पारिश्रमिक आरसीए को न तो क्रीड़ा परिषद् से ओर न ही राजस्थान रॉयल्स द्वारा दिया गया है। क्रीड़ा परिषद् का कार्य तो राज्य के युवा खिलाडियों को राज्य सरकार की योजनाओं के अनुसार नि:शुल्क खेल मैदान, उचित प्लेटफार्म व प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ खेल व खिलाडियों के सर्वगांविक विकास का है न की खेल के आयोजन से पैसा कामना। बिहानी ने बताया की आईपीएल क्रिकेट का खेल है व इसके आयोजन से होने वाली आय राज्य में क्रिकेट के विकास पर खर्च होनी चाहिए जैसा पूर्व में आरसीए करता आया है व समस्त भारत के अन्य राज्यों में आईपीएल का आयोजन वहां की राज्य क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा किया जाता है. जिन राज्यों में आईपीएल का आयोजन होता है आईपीएल के आयोजन होने वाली आय व बीसीसीआई से आयोजन हेतु मिलने वाली फ़ीस वहां के राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के माध्यम से राज्य के युवा खिलाडियों को क्रिकेट के उच्च स्तरीय प्लटफॉर्म व तकनीक उपलब्ध कराई जाती है। मगर लगता है की क्रीड़ा परिषद् राज्य की अधिकृत खेल संस्थान को कमजोर करने में लगी है व उनकी इस नीति से न केवल खिलाडियों के हितों पर कुठाराघात होगी बल्कि उन्हें उचित प्लटफॉर्म से भी वंचित होना पड़ेगा। बिहानीने आशंका जताई की जिस प्रकार राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा हटधर्मितापूर्वक राज्य की अधिकृत क्रिकेट संस्था राजस्थान क्रिकेट संघ को दरकिनार करते हुए जयपुर में आईपीएल के आयोजन को हड़पा उसे देखते हुए लगता है की क्रीड़ा परिषद् न केवल आरसीए के हितों के विरुद कार्य कर रही है अपितु लगता है की क्रीड़ा परिषद राजस्थान क्रिकेट संघ पर कब्जा करना चाहती है। आरसीए की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं राज्य के युवा खिलाडियों को अपना प्रदर्शन दिखाने का उचित अवसर प्रदान करती है जो की एक सामजिक व खेल विकास का कार्य ही व यह पूर्ण रूप से अव्यावसायिक आयोजन है। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी ने क्रीड़ा परिषद द्वारा खेल आयोजन हेतु मांगी गयी बड़ी फ़ीस को क्रीड़ा परिषद का खेल भावना के विरुद किया गया कार्य बताते हुए कहा है की इससे राज्य में खेल के विकास की गति अवरुद्ध होगी व युवा खिलाडियों को अत्यधिक हानि होगी। बिहाणी ने क्रीड़ा परिषद् की मनमानी के विरुद तत्काल प्रभाव से अपने सभी ग्राउडं स्टाफ को स्टेडियम से वापिस बुला लिया है व अपने सभी खेल उपकरणों को ताले में बंद करवा दिया है। वत्तर्मान में सवाई मान सिंह स्टेडीएम के मुख्य मैदान पर कोई 3 दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, क्रीड़ा परिषद सचिव ये बताएं की क्या उनसे भी आरसीए के सामान भारी फ़ीस ली जा रही है तो उसे सार्वजानिक करें। जयदीप बिहानी ने कहा की आरसीए के विरुदक्रीड़ा परिषद् का यह व्यवहार किसके इशारे पर किया जा रहा है यह सोचने की बात है जबकि वर्तमान में राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है व आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक स्वम् श्रीगंगानगर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक व पार्टी के सच्चे सेवक व कार्यकर्त्ता है।

आर.डी. बाहेती जिला खिलाड़ियों की एंट्री की अंतिम तिथि आज

जयपुर, 7 जून। आर डी बाहेती मेमोरियल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रवेश की अंतिम तिथि एक दिन और उपहार 8 जून शाम 5:30 बजे तक जारी किया गया है जिला सचिव बैडमिंटन मनोज दासोत के प्रतियोगिता का उद्घाटन सोमवार 9 जून सुबह 9:30 बजे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. नीरज के पवन, (आईएएस) शासन सचिव, खेल में युवा मुकाबला जयपुर और विशिष्ट अतिथि आर डी बाहेती, प्रदीप बाहेती और अशोक बाहेती होंगे कार्यक्रम सचिव अतुल गुप्ता के 9 जून को अंडर 15 अंडर 17 सीनियर वर्ग के लड़के लड़कियों के एकल मैच खेलने के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम इंदौर हाल ही में कूदेंगे।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता शुरू : पहले दिन राहुल, ऋतिक, वीरेंदर, हार्दिक, जय, जुबेर, गौरव का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 7 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ आज श्रीगंगानगर में हुआ।

विमल शर्मा ने बताया की श्रीगंगानगर के बिहाणी क्रिकेट मैदान पर प्रतियोगिता का उद्घघाटन गौरव यादव, पुलिस अधीक्षक, श्रीगंगानगर, आरसीए पर्यवेक्षक सतीश व्यास, विनोद सहारण, सचिव जिला क्रिकेट संघ श्रीगंगानगर व कोतवाली थाना इंचार्ज पृथ्वीराज सिंह द्वारा किया गया।

पहला मैच - बिहाणी क्रिकेट ग्राउंड - (डूंगरपुर - पाली) पाली टीम 3 विकेट से जीती

डूंगरपुर पारी 192 आल आउट

टॉस हारकर पहले खेलते हुए डूंगरपुर टीम ने मौलिक पाटीदार 35 व हिमांशु पाटीदार 28 रनो की सहायता से 192 रनो का स्कोर बनाया।

पाली के गेंदबाज वीरेंदर सिंह राजपुरोहित ने शानदार गेंदबाजी करते हुए डूंगरपुर की आधी टीम को पैवेलियन पहुँचाया। गेंदबाज वीरेंदर सिंह राजपुरोहित 28 / 5 व रोहित बंजारा 34 / 3 विकेट प्राप्त किये।

पाली पारी 193 / 7

हार्दिक मेवाड़ा की नाबाद 44 रनो की पारी व मनीष परमार 31, रौनक 30 तथा अर्जुन वान की नाबाद 19 रनो की पारी की सहायता से टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 193 रनो बनाते हुए मैच में 3 विकेट से जीत दर्ज की।

डूंगरपुर के गेंदबाज जय गोयल 42 / 2 व युवराज सिंह राठौर 36 / 2 विकेट प्राप्त किये।

दूसरा मैच - स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स टांटिया यूनिवर्सिटी - (बीकानेर - धौलपुर) धौलपुर 2 विकेट से जीती

बीकानेर पारी 253 / 9, टॉस जीतकर पहले खेलते हुए बीकानेर टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 253 रनो का स्कोर बनाया। टीम के लिए जुबेर अली 81, गौरव खत्री 72, अजय गिगना 43 रनो का योगदान दिया।

धौलपुर के गेंदबाज इकराम 61 / 3, ऋतिक शर्मा 38 / 2 विकेट प्राप्त किये। धौलपुर पारी 257 / 8

राहुल खंडेलवाल की शतकीय पारी व ऋतिक शर्मा के आल राउंडर प्रदर्शन की सहायता से धौलपुर टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 257 रन बनाते हुए मैच में 2 विकेट से जीत दर्ज की। टीम के लिए राहुल खंडेलवाल ने अपनी 118 रनो की आतिशी पारी में 61 गेंदों का सामना किया जिसमे 14 चोक्के व 8 गगनचुम्बी छक्के लगाए। ऋतिक शर्मा ने साहसी नाबाद 41 रनो की पारी खेलते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई। टीम के लिए राहुल खंडेलवाल 118, ऋतिक शर्मा नाबाद 41, देवांश सिंह 27 रनो का योगदान दिया।

बीकानेर के गेंदबाज अजय गिगना 27 / 2, ज्ञान प्रकाश पुरोहित 28 / 2 व विशाल गोदारा 45 / 2 विकेट प्राप्त किये।

बंगलूरु भगदड़ : राज्य सरकार 25 लाख रु. की सहायता देगी

बंगलूरू, 07 जून। बंगलूरू भगदड़ मामले में कर्नाटक सरकार ने शनिवार शाम को मुआवजे की राशि को बढ़ाने का एलान किया है। कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार ने मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपया मुआवजे के रूप में देने की घोषणा की है। पहले यह रकम

- **कर्नाटक सरकार ने पहले मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख रु. की सहायता देने की घोषणा की थी, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। आरसीबी भी मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख रु. की सहायता देगा।**

10 लाख थी। वहीं, आरसीबी भी इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपए के मुआवजे का एलान कर चुकी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चिनास्वामी स्टेडियम हादसे में मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने का आदेश दिया।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी को ''एस.यू.वी.'' बताया

एस.यू.वी. से कांग्रेस का तात्पर्य है, ''स्वयं उद्घोषित विश्वगुरू''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। भारत की वैश्विक आर्थिक रैंकिंग को लेकर केंद्र सरकार के परस्पर विरोधाभासी बयानों पर तंज कसते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश का पहला एस.यू.वी. 'स्वयं उद्घोषित विश्वगुरु' करार दिया।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट में देश के इकोनॉमिक स्टेचर (आर्थिक कद) को लेकर घरेलू दावों और अंतरराष्ट्रीय आकलनों के बीच अंतर को उजागर किया।

उन्होंने लिखा, ''24 मई 2025 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए नीति आयोग के सीईओ ने यह नाटकीय घोषणा की कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।''

रमेश ने इस दावे के विपरीत कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के हालिया बयान का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ''अब कैनडा के प्रधानमंत्री, जो एक प्रतिष्ठित पेशेवर अर्थशास्त्री हैं और कैनडा तथा इंग्लैंड के केन्द्रीय बैंक के गवर्नर रह चुके हैं, कहते हैं कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए जयराम रमेश ने कहा, ''शायद भारत के पहले एस.यू.वी.- 'स्वयं उद्घोषित विश्वगुरु' - कुछ ही दिनों में कैनडा के अपने समकक्ष को अपडेट कर सकें।''

कांग्रेस सांसद की टिप्पणियों ने, सरकार के तेज आर्थिक प्रगति के कथानक को चुनौती दी है, और इन अधिकारिक दावों के समय और सटीकता पर सवाल उठाए हैं। उनके द्वारा एस.यू.वी. शब्दों का प्रयोग विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री की आत्मप्रशंसा वाली भाषा की एक तीखी आलोचना है।

ये टिप्पणियाँ ऐसे समय पर आई हैं जब भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति को लेकर विभिन्न संस्थाओं द्वारा अलग-अलग आंकड़े दिए जा रहे हैं और इस विषय पर लगातार बहस जारी है।

आई.एम.एफ. के डेटा के अनुसार, जापान से आगे निकलकर भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने 10वीं गवर्निंग काउंसिल मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। हम 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं और यह मेरा आंकड़ा नहीं है, यह

- **कांग्रेस के प्रवक्ता, जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि भारत के बारे में जो दावा देशी व सरकारी मीडिया कर रहा है और जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य देशों का ''परसैप्शन'' है, उसमें भारी अन्तर है।**
- **जयराम रमेश ने लिखा है कि नीति आयोग में प्र.मंत्री अपना भाषण दे रहे थे। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अफसर ने बड़े नाटकीय ढंग से घोषणा की कि भारत विश्व में तीसरे नम्बर पर आ गया है, इकॉनमी की दृष्टि से जापान को पीछे छोड़ते हुए।**
- **दूसरी और आईएमएफ ने अपने आंकड़ों के आधार पर घोषणा की कि भारत चौथे नम्बर पर है तथा अगले दो-तीन साल में, ज़र्मनी को पीछे छोड़ते हुए तीसरे नम्बर पर आ जायेगा।**
- **कई अप्रवासी भारतीयों ने, जैसे, हॉटमेल के सबीर भाटिया ने कहा कि चौथे नम्बर पर आने पर सभी अपनी पीठ थपथपा रहे हैं, पर, समृद्धि सड़कों पर तो नज़र नहीं आती। आर्थिक विषमता की दृष्टि से जरूर सबसे अव्वल हो सकता है, समृद्धि की दृष्टि से नहीं।**

आई.एम.एफ. का डेटा है। आज भारत जापान से बड़ा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगले ढाई से तीन वर्षों में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है।

सुब्रमण्यम ने अनुमान लगाया है कि भारत अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुँच जाएगा।

हालांकि इस उपलब्धि की उद्योग जगत और सरकारी अधिकारियों ने सराहना की है, लेकिन सोशल मीडिया पर उद्योग ने इसे आलोचना और शंका की दृष्टि से देखा है - खासकर उन लोगों ने जो आम लोगों के जीवन में इसके असर को लेकर चिंतित हैं। भारत की जी.डी.पी. का आँकड़ा प्रभावशाली होने के बावजूद, प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. के मामले में भारत 144वें स्थान पर है। यह देश में भारी आय विषमता और कई छोटे देशों की तुलना में निम्न औसत जीवन स्तर को दर्शाता है।

हॉटमेल के सह-संस्थापक सबीर भाटिया ने इस घोषणा के इर्द-गिर्द छाए जश्न के माहौल की तीखी आलोचना की।

उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस घोषणा को लेकर तीखी आलोचनात्मक भाषा में लिखा: ''हर कोई भारत के चौथे सबसे बड़े अर्थव्यवस्था बनने पर इतरा रहा है। लेकिन सड़कों पर समृद्धि कहाँ है? इतने लोग देश छोड़ने को क्यों व्याकुल हैं?''

भाटिया ने आगे लिखा: ''अगर लोग प्रगति को महसूस नहीं कर पा रहे, तो जी.डी.पी. रैंकिंग का क्या मतलब? उन्होंने आर्थिक विकास के वास्तविक प्रभाव पर सवाल उठाया।

उनकी टिप्पणियों की गूंज कई सोशल मीडिया यूज़र्स की प्रतिक्रियाओं में भी सुनाई दी, जिन्होंने भारत की नई आर्थिक स्थिति के बावजूद, देश में अभी भी बनी हुई प्रणालीगत समस्याओं पर निराशा जताई।

एक यूज़र ने लिखा: ''चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था - ठीक है। लेकिन जश्न मनाने के लिए बहुत कम है।'' ''अभूतपूर्व संपत्ति असमानता, चिंताजनक प्रति व्यक्ति आय, भ्रष्टाचार, शर्मनाक बुनियादी ढांचा, टैक्स टेररिज़्म, और 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' मज़ाक बन चुका है। चिंता करने के लिए बहुत कुछ है।'' एक अन्य यूज़र ने यह भी इंगित किया कि भारत की प्रति व्यक्ति आय अभी भी कई छोटे देशों से काफी कम है।

पोस्ट में आगे कहा गया, ''हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, फिर भी, 2,878 डॉलर (लगभग 2,44,000 रु.) के साथ, प्रति व्यक्ति आय के मामले में 144 वें स्थान पर हैं। हम श्रीलंका, भूटान, और विशेष रूप से त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों से भी पीछे हैं, जहाँ प्रति व्यक्ति आय 18,445 डॉलर (15 लाख रु से अधिक) है।''

चीन पाकिस्तान को अत्याधुनिक विमान व मिसाइल डिफेंस सिस्टम देगा

बीजिंग/इस्लामाबाद, 07 जून। चीन और पाकिस्तान के बीच सैन्य संबंधों को और मजबूत करते हुए, बीजिंग ने इस्लामाबाद को अपने उन्नत जे-35 स्टील्थ विमानों के साथ-साथ अपने केजे-500 एडब्ल्यूएसीएस और एचक्यू-19 मिसाइल रक्षा प्रणालियों की पेशकश की है। संघीय सरकार द्वारा अपने आधिकारिक एक्स/ट्विटर अकाउंट पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, चीनी सरकार ने 40 जे-35 स्टील्थ विमान, केजे-500 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एडब्ल्यूएसीएस) सिस्टम और एचक्यू-19 मिसाइल रक्षा प्रणाली की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। समा टीवी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। चीन के शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (एसएसी) द्वारा निर्मित यह चेंगदू जे-20 विमान के बाद चीन में दूसरा 5वीं पीढ़ी का विमान है। चीनी मीडिया के अनुसार, विमान उन्नत सेंसर, बहु-भूमिका क्षमता आधारित एवियोनिक विशेषताओं, सटीक निर्देशित मिसाइल प्रणालियों, एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों से सुसज्जित है जिन्हें विशेष रूप से ईएमपी हथियारों से जामिंग को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

थरूर भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार के नेतृत्व में इस पहल में भागीदारी और आतंकवाद से निपटने को लेकर मोदी सरकार की खुलकर प्रशंसा करने को कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इसे पार्टी लाइन से अलग रुख माना है। इसको लेकर कांग्रेस में उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं।

हालांकि इन घटनाक्रमों के बावजूद, थरूर ने सार्वजनिक रूप से भारत की उदार और बहुलवादी विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और वैचारिक मतभेदों के कारण भाजपा में शामिल होने की संभावना को खारिज किया है।

संक्षेप में कहें तो शशि थरूर की हालिया गतिविधियों से यह संकेत जरूर मिलता है कि वे राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ सहयोग के इच्छुक हैं, लेकिन फिलहाल मोदी सरकार या भाजपा में उनके शामिल होने का कोई ठोस संकेत नहीं है।

शुक्रवार को उनके नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की, जबकि उसी दिन कांग्रेस ने दावा किया था कि यह प्रतिनिधिमंडल किसी भी प्रभावशाली नेता से मिले बिना लौट रहा है। इस मुलाकात ने कांग्रेस के दावे को भी खारिज कर दिया।

'मैं कोई चोर या भगोड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मनी लॉन्ड्रिंग शामिल हैं। ये मामले उनकी एयरलाइंस के पतन और भारतीय बैंकों से लिए गए 9,000 करोड़ से अधिक के डिफॉल्टेड लोन से जुड़े हैं। लंदन में मीडिया को दिए एक हालिया बयान में माल्या ने दावा किया कि 2 मार्च 2016 को भारत छोड़ने से पहले उन्होंने अरुण जेटली से मुलाकात की थी ताकि बैंकों के समूह के साथ सेटलमेंट पर बात हो सके, और उन्होंने अपनी यात्रा की जानकारी भी दी थी।

माल्या ने कहा, ''भारत से भागा नहीं। मैंने खुलेआम और वैध पासपोर्ट के साथ देश छोड़ा था, सरकार को सूचित करने के बाद।'' उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रस्थान गोपनीय नहीं था और वह उस समय सरकारी अधिकारियों के संपर्क में थे। उन्होंने खासतौर पर यह कहा कि उन्होंने रवाना होने से एक दिन पहले संसद में जेटली से मुलाकात की थी और वित्तीय सैटलमैंट की इच्छा जताई थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, उस समय मोदी सरकार में एक प्रभावशाली मंत्री रहे अरुण जेटली ने कथित तौर पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था, यह कहते हुए कि मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई माल्या के प्रस्थान के 48 घंटे बाद, यानी 3 मार्च 2016 को तय थी। इसके बावजूद माल्या भारत से जिनेवा होते हुए लंदन चले गए, जहां वह अब तक रह रहे हैं, हालांकि, भारत सरकार ने उन्हें प्रत्यर्पित कराने की कई कोशिशें की हैं।

- **कांग्रेस व विपक्ष को मोदी सरकार को घेरने के लिए एक और मुद्दा मिल गया है, माल्या के ''रहस्योद्घाटन'' से। विपक्ष का आरोप है, कई बड़े-बड़े व्यापारी, जैसे, माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, आदि, बैंकों का हजारों करोड़ रूपये डकार कर विदेश जाकर बैठ गये हैं तथा केन्द्रीय सरकार अब कुछ नहीं कर पा रही है।**

कांग्रेस पार्टी ने इस मौके को भुनाते हुए मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने यह सवाल उठाया कि जब माल्या पर भारतीय बैंकों को धोखा देने का आरोप था, तब वह सरकार की जानकारी के बिना देश से बाहर कैसे जा सकते थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस वार्ता में कहा, ''यह एक और उदाहरण है कि मोदी सरकार अपने पूंजीपति दोस्तों को कैसे बचाती है। विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, सभी को देश से भागने दिया गया।'' आर्थिक और कानूनी विशेषज्ञों ने भी माल्या के ताज़ा दावों पर सवाल उठाए हैं। कुछ ने इस बात की ओर इशारा किया है कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद माल्या की सत्ताधारी नेताओं से नज़दीकी ने संभवतया सरकार की कार्यवाही को प्रभावित किया हो। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, ''यह तथ्य कि माल्या सीधे वित्त मंत्री से मिल सकते थे और हस्तक्षेप की मांग कर सकते थे, असामान्य है और इसके उनकी पहुंच और विशेषाधिकार पर सवाल उठाते हैं।''

इस नए खुलासे के साथ ही भगोड़े आर्थिक अपराधियों को लेकर चल रही बहस फिर से सियासी चर्चाओं में प्रमुखता से लौट आई है। जैसे-जैसे सुप्रीम कोर्ट माल्या से जुड़े विभिन्न मामलों की सुनवाई करता रहेगा, उनके सार्वजनिक बयानों ने न केवल जनता की यादें ताज़ा कर दी हैं, बल्कि मोदी सरकार को हाई-प्रोफाइल घोटालों से निपटने के अपने तरीके को लेकर रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया है।

सोनिया गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रमुख मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने पुष्टि की कि वे महज़ एहितयात के तौर पर अस्पताल गई थीं और सोनिया गांधी की स्थिति स्थिर है तथा वे निगरानी में हैं।

चुनाव आयोग ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ऐसा लगता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोड़ने वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अनादर है।

नई राजनीतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो। आश्चर्यजनक रूप से, 80 प्रतिशत से अधिक लोग पोल से सहमत थे।

उन्होंने शुक्रवार शाम को लिखा जनता ने अपनी बात कह दी है। मध्य वर्ग के 80 प्रतिशत लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी की जरूरत है ! और ठीक 80 प्रतिशत लोग इससे सहमत हैं। यही नियति है।

इसके बाद मस्क ने एक प्रशंसक के इस सुझाव का समर्थन किया कि वे इसे ''अमेरिका पार्टी'' नाम दें।

एसओजी ने पुलिस अकादमी से ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार किया

गिरफ्तार किये गये विजेन्द्र कुमार जोशी की आरपीए की इंटैलिजैंस ट्रेनिंग अकादमी में ट्रेनिंग चल रही थी

जयपुर, 7 जून। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) की इंटेलिजेंस ट्रेनिंग अकादमी से ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में सामने आया कि एसआई भर्ती परीक्षा से पहले पेपर पढ़कर पास होने में नाम सामने आने पर यह कार्रवाई की। जहां एसओजी की टीम ने शनिवार दोपहर आरोपित ट्रेनी एसआई को कोर्ट में पेश किया, जहां पूछताछ के लिए कोर्ट ने उसे दो दिन के रिमांड पर एसओजी को सौंपा है। एसओजी के दो दिन की पूछताछ में कई चौकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है।

- **कोर्ट ने आरोपित ट्रेनी एसआई को दो दिन की रिमांड पर एसओजी को सौंपा है। कहा जा रहा है कि दो दिन की पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।**

एडीजी (एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसओजी की टीम ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए ट्रेनी एसआई विजेन्द्र कुमार जोशी (30) निवासी बलारा जिला सीकर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ट्रेनी एसआई विजेन्द्र कुमार जोशी की राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) जयपुर स्थित इंटेलिजेंस ट्रेनिंग अकादमी में ट्रेनिंग चल रही थी।

एसओजी ने गुरुवार को कार्रवाई कर एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में आरोपित पुरुषोत्तम दाधीच (35), संदीप कुमार लाटा (42) और कुंदन कुमार पण्ड्या (54) को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपितों से पूछताछ में ट्रेनी एसआई विजेन्द्र कुमार जोशी का नाम सामने आया था कि एसआई भर्ती परीक्षा से पहले आरोपित विजेन्द्र कुमार जोशी ने पेपर पढ़ा था।

पूछताछ के आधार पर आगे कार्रवाई करते हुए एसओजी ने ट्रेनी एसआई विजेन्द्र कुमार जोशी को गिरफ्तार किया।

पूर्व में गिरफ्तार एसआई रेनू, सुरेन्द्र बगड़िया और सुरजीत ने भी परीक्षा से पहले पेपर पढ़ा था। इनको पेपर पढ़ाने में आरोपित पुरुषोत्तम दाधीच, संदीप कुमार लाटा और कुंदन कुमार पाण्ड्या की ही भूमिका रही है।

'मेरी हालत गंभीर है मैं रहूँ या ना रहूँ, पर देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूँ'

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कथित भ्रष्टाचार केस में जनता के सामने अपना पक्ष रखते हुए भावुक पोस्ट लिखी

नई दिल्ली, 07 जून। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक इन दिनों अस्पताल में भर्ती हैं। इससे पहले सीबीआई ने सत्यपाल मलिक और 6 अन्य लोगों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। उनके खिलाफ कीरु हाइड्रो प्रोजेक्ट से जुड़े कथित करप्शन केस में मामला दर्ज किया गया था। सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट की है। सत्यपाल मलिक ने एक्स पर लिखा, ''नमस्कार साथियों। मैं पिछले लगभग एक महीने के अस्पताल में भर्ती हूं और किडनी की समस्या से जूझ रहा हूं। आज फिर से मुझे आईसीयू में शिफ्ट करना पड़ा। मेरी हालत बहुत गंभीर होती जा रही है। मैं रहूं या ना रहूं इसलिए अपने देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं।''

उन्होंने आगे लिखा, ''जब गवर्नर के पद पर था तो उस समय मुझे 150-150 करोड़ रूपए की रिश्वत की पेशकश भी हुई, परंतु मैं मेरे राजनीतिक गुरु किसान मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरणसिंह जी की तरह ईमानदारी से काम करता रहा और मेरा ईमान वो कभी डिगा नहीं सकें। जब मैं गवर्नर था उस समय किसान आंदोलन भी चल रहा था, मैंने बगैर राजनीतिक लोभ लालच के पद पर रहते हुए किसानों की मांग को उठाया। फिर महिला पहलवानों के आंदोलन में जंतर-मंतर से लेकर इंडिया गेट तक उनकी हर लड़ाई में उनके साथ रहा।''

- **मलिक ने लिखा, जिस प्रोजैक्ट की मंजूरी के लिए मुझे डेढ़ सौ करोड़ रु. की रिश्वत की पेशकश की गई उसे मैंने उसे कैंसल कर दिया था, अब उसी में मुझ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।**
- **मलिक इन दिनों गंभीर रुप से बीमार हैं और आईसीयू में एडमिट हैं। उन्होंने वहीं से पोस्ट लिखी। मलिक ने लिखा, अगर मेरे पास पैसा होता तो प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराता।**

सत्यपाल मलिक ने लिखा, ''पुलवामा हमले में शहीद वीर जवानों के मामले को उठाया, जिसकी आज तक इस सरकार ने कोई जांच नहीं करवाई है। सरकार मुझे सीबीआई का डर दिखाकर झूठे चार्जशीट में फंसाने के बहाने ढूंढ रही है। जिस मामले में मुझे फंसाना चाहते हैं उस टेंडर को मैंने खुद निरस्त किया था, मैंने खुद प्रधानमंत्री जी को बताया था इस मामले में करप्शन है और उन्हें बताने के बाद में मैंने खुद उस टेंडर को कैंसिल किया, मेरा तबादला होने के बाद में किसी अन्य के हस्ताक्षर से यह टेंडर मंजुर हुआ।''

उन्होंने लिखा, ''मैं सरकार को और सरकारी एजेंसियों को बताना चाहता हूं कि मैं किसान कौम से हूं, मैं ना तो डरने वाला हूं ओर ना ही झूकने वाला हूं। सरकार ने मुझे बदनाम करने में पूरी ताकत लगा दी।

अशोक गहलोत से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे। उनके आकस्मिक निधन का दुख हमें आज भी बना हुआ है। उनके जाने से पार्टी को भी गहरा आघात लगा था।''

अशोक गहलोत और सचिन पायलट ने इस मुलाकात के दौरान काफी देर तक चर्चा की। दरअसल, दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से कटुता रही है। सन् 2020 के सियासी संकट के बाद कटुता काफी बढ़ गई थी। इसके बाद दोनों के बीच लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। बाद में 25 सितंबर 2022 की घटना ने दोनों के रिश्तों को और बिगाड़ दिया था और बीच-बीच में दोनों नेता एक-दूसरे पर निशाना साधते रहे ।

आज की मुलाकात के बाद अब सबकी निगाहें राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर होने जा रहे कार्यक्रम पर है। इस कार्यक्रम में जुटने वाले नेताओं से भी सियासी कथानक बनेगा। अगर गहलोत इस कार्यक्रम में जाते हैं तो उनके समर्थक नेता भी बड़ी संख्या में जुटेंगे।

- **गहलोत ने लिखा, एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट ने घर आकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के कार्यक्रम का निमंत्रण दिया।**

सचिन पायलट जब प्रदेशाध्यक्ष बनकर आए थे, तब उन्होंने बड़े नेताओं के घर जाकर मुलाकातों और सियासी मंत्रणाओं का दौर शुरू किया था। पायलट ने उस वक्त नेताओं को डिनर पर बुलाने और अलग -अलग नेताओं के यहां डिनर पर बैठकें करने का दौर शुरू किया था। इस डिनर डिप्लोमैसी की उस वक्त खूब चर्चा होती थी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को एक जाजम पर लाने में डिनर डिप्लोमैसी को कारगर माना गया था।

फड़नवीस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं हुई है। भाजपा ने नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई औपचारिक जानकारी या बयान जारी नहीं किया है।

वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय हैं। उन्होंने इस महीने के अंत में कैनडा में होने वाले जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, बावजूद इसके कि भारत और कैनडा के बीच राजनयिक संबंधों में तनातनी बनी हुई है। देश के अंदर भी वे कई महत्वपूर्ण पहलों में जुटे हुए हैं, जिनमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना भी शामिल है।

सारांश यह है कि, सितंबर 2025 में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें ज़रूर हैं, लेकिन सरकार या भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, और यदि भविष्य में कोई उत्तराधिकारी तय किया जाता है तो उसकी घोषणा उचित आधिकारिक माध्यमों से ही की जाएगी।

रेल मंत्रालय ने ट्रेन चालकों के विश्राम नियमों में बदलाव किया

नई दिल्ली, 07 जून। रेल मंत्रालय ने ट्रेन के चालक दल के सदस्यों के लिए आउटस्टेशन विश्राम नियमों में बदलाव की घोषणा की है। इसका उद्देश्य विभिन्न रेलवे जोन और डिवीजनों में प्रचलित अलग-अलग प्रथाओं में एकरूपता लाना है। हालांकि, ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (एआईएलआरएसए) ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है और रेलवे बोर्ड को लिखे पत्र में इसे गैरकानूनी आदेश करार दिया है। यूनियन का दावा है कि यह नियम मंत्रालय के पूर्व आदेशों का उल्लंघन करता है।

रेल मंत्रालय के 3 जून को जारी एक सर्कुलर में सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम (सीआरआईएस) के महाप्रबंधकों को संबोधित करते हुए कहा गया कि भारतीय रेलवे में रनिंग स्टाफ के लिए छह प्रकार के आउटस्टेशन रेस्ट नियम हैं। मामले की

- **ट्रेन ड्राइवर्स की यूनियन, ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने बदलाव का विरोध किया।**

जांच के बाद, मौजूदा नियमों में बदलाव किए गए हैं। इसके तहत तीन प्रकार के रेस्ट नियम निर्धारित किए गए हैं।

आठ घंटे की ड्यूटी करने वालों को आठ घंटे का रेस्ट, पांच से आठ घंटे की ड्यूटी करने वालों को छह घंटे का रेस्ट, और पांच घंटे या उससे कम ड्यूटी करने वालों को ड्यूटी की अवधि से एक घंटे अधिक रेस्ट दिया जाएगा। मंत्रालय ने सीआरआईएस को निर्देश दिया कि क्रू मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) में अन्य सभी प्रकार के रेस्ट को अयोग्य माना जाए।

'महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ''फिक्स'' थे, बड़े...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इतनी अविश्वसनीय थी कि पंजीकृत मतदाताओं की संख्या (9.70 करोड़) खुद सरकार के आंकड़ों से भी अधिक थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र के वयस्कों की कुल संख्या 9.54 करोड़ ही थी।''

राहुल गांधी ने फर्जी मतदाताओं को भाजपा की चुनावी ''मैच-फिक्सिंग'' की एक और रणनीति बताया।

कांग्रेस नेता ने ईसी की ओर से अंतिम मतदान प्रतिशत की रिपोर्टिंग में विसंगतियों का भी हवाला दिया और आरोप लगाया कि लक्षित बोनस वोटिंग ने भाजपा को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर सर डॉन ब्रैडमैन बना दिया, जो अपनी 99.9 की औसत और 80 की स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने कहा: ''महाराष्ट्र में लगभग 1 लाख बूथ हैं, लेकिन अधिकांश नए मतदाता केवल लगभग 12,000 बूथों में जोड़े गए, जो उन 85 विधानसभा क्षेत्रों में हैं, जहां भाजपा को पिछले लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था।

औसतन हर बूथ में शाम 5 बजे के बाद 600 से अधिक वोट डाले गए। अगर हर वोट को डालने में 1 मिनट भी लगता, तो वोटिंग को 10 घंटे और चलना पड़ता। लेकिन ऐसा कभी हुआ नहीं, तो सवाल उठता है कि अतिरिक्त वोट कैसे डाले गए? और इसमें आश्चर्य नहीं कि एनडीए ने इन 85 में से अधिकांश सीटें जीत लीं।''

राहुल गांधी ने भाजपा के 89 प्रतिशत स्ट्राइक रेट को भी संदिग्ध बताया, जो अब तक का सबसे अधिक है और कहा, भाजपा को आज तक कभी ऐसा स्ट्राइक रेट नहीं रहा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए फोटो समेत मतदाता सूची साझा करने से इनकार कर दिया, जो एक और कड़ी थी चुनाव में, भाजपा की पकड़ मजबूत करने की।

- **राहुल ने कहा, महाराष्ट्र में एक लाख बूथ हैं, पर, 85 सीटों के 12 हजार बूथों में अधिकांशतः नए मतदाता जोड़े गए। यहाँ शाम 5 बजे बाद 600 वोट पड़े, जो हैरानी की बात है।**
- **राहुल ने कहा, विधानसभा चुनाव के बाद, जब हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग को वीडियोग्राफी व सीसीटीवी फुटेज देने को कहा तो केन्द्र की भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर नियमों में संशोधन कर दिया और सीसीटीवी फुटेज और वीडियो तक पहुंच सीमित कर दी।**

उन्होंने लिखा: ''इससे भी बुरा यह कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के एक महीने बाद ही, जब एक उच्च न्यायालय ने मतदान के सीसीटीवी फुटेज और वीडियोग्राफी साझा करने का आदेश दिया, तब केन्द्र सरकार ने चुनाव आयोग से परामर्श कर 1961 के चुनाव आचरण नियम के सेक्शन 93(2)(ए) में संशोधन कर दिया, ताकि सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंच सीमित की जा सके।''

राहुल आगे लिखते हैं कि ''संशोधन और उसकी टाइमिंग, दोनों ही यह बताने के लिए काफी हैं कि कुछ छुपाया जा रहा है। एक जैसे या डुप्लीकेट ईपीआईसी नंबरों के खुलासे ने फर्ज़ी मतदान पर चिंता बढ़ा दी है, पर यह तो सिर्फ शुरुआत है।

राहुल गांधी ने लिखा: ''मतदाता सूची और सीसीटीवी फुटेज सिर्फ दिखावा नहीं है, बल्कि जब लोकतंत्र का उल्लंघन हो रहा है, तब इनका इस्तेमाल लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए करना चाहिए। भारत की जनता का अधिकार है कि उसे भरोसा दिलाया जाए कि कोई रिकॉर्ड नष्ट नहीं किया गया है और न किया जाएगा।

अंत में राहुल गांधी ने लिखा: ''यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि नवंबर 2024 में महाराष्ट्र में धांधली इस स्तर पर क्यों हुई। लेकिन चुनावी धांधली ठीक मैच-फिक्सिंग की तरह है, फिक्सिंग करने वाला पक्ष भले ही एक खेल जीत जाए, पर इससे संस्थाओं और परिणामों में लोगों के विश्वास को अपूरणीय क्षति होती है।'' ''मैच-फिक्स्ड चुनाव, लोकतंत्र के लिए ज़हर हैं।''

करोना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

53 मौतें पिछले 16 दिन में हुई हैं। दिल्ली में 5 जून को पांच महीने के एक बच्चे की करोना से मौत हो गई। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 मरीजों ने जान गंवाई है।

इस तरह जनवरी से 6 जून तक देश में करोना के कुल 11,298 मामले आए हैं। इनमें से 48.54 प्रतिशत मरीज रिकवर हो चुके हैं, बाकी का इलाज जारी है। सिर्फ 0.52 प्रतिशत मामलों में मरीज की मौत हुई।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908